राष्ट्रीय संस्करण

नीरज चोपड़ा चुने गए 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट >> 12

वर्ष 8 अंक 214

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शनिवार, 11 जनवरी, 2025

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 14

यात्रा

सनातन का वैभव, संस्कार देखना है तो आइए 'प्रयाग'

महाकुंभनगर : महाकुंभ-2025 का आयोजन दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मेला बनने को आतुर है। महाकुंभ का वैभव देखने के साथ प्रयाग में पर्यटन के लिए यह श्रेष्ठ अवसर है। ● पेज-6

संपादकीय

रिश्तों पर कायम संदेह के बादल: जस्टिन ट्रूडो की विदाई के बाद भी कनाडा के साथ संबंध सुधरने की आशा धुंधली ही दिखाई दे रही है। **हर्ष वी. पंत** का विश्लेषण।

सुलझाना होगा एमएसपी का सवाल: किसानों के असंतोष को दूर करने के लिए सरकार के लिए कुछ नए उपाय करने आवश्यक हो गए हैं। **केसी त्यागी** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

मुख्य मुद्दों से भटक रहा दिल्ली चुनाव : दिल्ली में विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका जा चुका है। चुनाव प्रचार भी तेजी पकड़ रहा है। परंतु इन सबके बीच दिल्ली के मुख्य मुद्दों पर बातें कम ही हो रही हैं। **मनु त्यागी** का आलेख।

चमत्कार से ही संभव तीसरे मोर्चे का गठन : बिहार के राजनीतिक दलों को यदि विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से देखें तो पता चलेगा कि चुनाव आजकल में होनेवाला है। फिलहाल सामान्य परिस्थिति में तीसरे मोर्चे की जगह नहीं बन पा रही है। **अरुण अशेष** की डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

मूक्स से बढ़ाएं अपना कौशल

नया साल, नई शुरुआत... ● पेज-13

तीसरे कार्यकाल में मेरे हौसले ज्यादा बुलंद : मोदी

- पीएम ने पहली बार पाडकास्ट पर दिया साक्षात्कार, कहा-मैं भी आम इंसान, भगवान नहीं
- मोदी ने युवाओं से महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के साथ राजनीति में आने की अपील की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पहले और दूसरे कार्यकाल में मैं बीते हुए कल के संदर्भ में सोचता था, लेकिन तीसरे कार्यकाल में मेरे सोच का दायरा बदल चुका है। मेरे हौसले ज्यादा बुलंद हो चुके हैं। मेरे सपनों का विस्तार हो चुका है। मेरे अरमान बढ़ते चले जा रहे हैं। मेरा तीसरा कार्यकाल बहुत बड़े सपने वाला है। 2047 तक विकसित भारत की बात सिर्फ भाषण नहीं है। उस समय तक एक-एक चीज को समस्याओं से मुक्ति दिलानी है।

पाडकास्ट पर दिए अपने पहले साक्षात्कार में पीएम मोदी ने अपने जीवन, राजनीति, कूटनीति समेत सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बोला। मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सरकार के प्रमुख के तौर पर अपने लंबे कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों का हवाला देते हुए साफ किया कि उनसे भी गलतियां हुई हैं। वह भी एक आम इंसान हैं, भगवान नहीं हैं। पीएम ने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि इसे एंबिशन नहीं, मिशन के रूप में लेना चाहिए। पाडकास्टर और जेरोधा कंपनी के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ बातचीत में मोदी ने इंटरनेट मीडिया को लोकतंत्र को मजबूत करने वाला बताया।

नई दिल्ली में एक पाडकास्ट के दौरान जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

अपने लंबे राजनीतिक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए पीएम ने कहा, मोदी आज भी वही है, जो पहले थे। साक्षात्कार के दौरान कामथ ने पीएम को एक फोटो दिखाया, जिसमें वह मंच से नीचे बैठे थे। यह फोटो 2001 में उनके मुख्यमंत्री बनने के पहले का था। मोदी ने कहा कि इन वर्षों में पद, परिस्थितियां और व्यवस्थाएं जरूर बदली होंगी, लेकिन मोदी वही है, जो नीचे बैठा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में अपने 23 साल के लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने हमेशा आम लोगों और गरीबों को अपने शासन के केंद्र में रखा। उन्होंने बताया कि किस तरह से गोधरा कांड के बाद वह सुरक्षा प्रोटोकाल तोड़कर सिंगल इंजन के हेलीकाप्टर से घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसी तरह से भुज में भूकंप की विभीषिका के बाद पुनर्निर्माण के लिए नौकरशाही को अपने ही बनाए नियम-कायदे को बदलने के लिए प्रेरित किया था।

मोदी के अनुसार, सरकार के प्रमुख के रूप में फैसला लेते हुए गलती होना स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन इसके पीछे नीयत गलत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान होने के कारण उनसे भी फैसला लेने में गलतियां हुई, लेकिन उनकी नीयत कभी गलत नहीं रही।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को राजनीति को गंदा नहीं मानना चाहिए। राजनीति में अच्छे और प्रतिभावान युवाओं की जरूरत है, जो देश और समाज को सही दिशा दे सकें। उन्होंने साफ किया कि राजनीति सिर्फ विधायक और सांसद बनना नहीं है। देशभर में मुश्किल से 10 हजार विधायक और एक हजार से भी कम सांसद होंगे। राजनीति का कैनवास इससे बहुत बड़ा है। चुनाव ही राजनीति नहीं है। सार्वजनिक जीवन में आकर लोगों की सेवा करना और उनकी समस्याओं को दूर करना भी इसका अहम हिस्सा है। देश के सभी राजनीतिक दलों को युवा शक्ति की दरकार है। राजनीति करने और चुनाव लड़ने के लिए अधिक धन की जरूरत को भी प्रधानमंत्री ने खारिज कर दिया। इसके लिए उन्होंने अपने बचपन में एक डाक्टर का उदाहरण दिया, जिन्होंने जनता से एक-एक रुपया चंदा कर चुनाव लड़ा और जीता था।

पीएम ने इंटरनेट मीडिया को बताया लोकतंत्र को मजबूत करने वाला पेज>>13

आरडब्ल्यूए को गार्ड नियुक्त करने को मिलेगा फंड

नई दिल्ली: आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा एलान किया है। उन्होंने गारंटी दी है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर दिल्ली की सभी आरडब्ल्यूए को सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने के लिए सरकार से फंड मिलेगा। कहा कि दिल्ली में लगातार अपराध बढ़ रहा है। ऐसे में दिल्लीवासियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अगर दिल्ली में किसी को तकलीफ होती है तो मुझे तकलीफ होती है। (पेज-2)

अभी भी बेकाबू है लास एंजिलिस की आग

लास एंजिलिस: अमेरिका के दूसरे बड़े शहर लास एंजिलिस के नजदीकी जंगल में मंगलवार सुबह लगी आग चौथे दिन भी बेकाबू है। आग ने फैशन की चकाचौंध वाले लास एंजिलिस के बड़े हिस्से को चपेट में लिया है। 10 हजार से ज्यादा इमारतें खाक हो गई हैं। लाख प्रयासों के बावजूद 10 की जान चली गई है और 1.8 लाख से ज्यादा को घर छोड़ना पड़ा है। (पेज-11)

फसल बीमा मिलने में हुई देरी हुई तो मिलेगा 12 प्रतिशत ब्याज

केंद्र का फैसला ▶ फसल नुकसान का आकलन अब उपग्रह आधारित प्रणाली से किया जाएगा

- अभी तक 14 करोड़ 28 लाख किसानों के 602 लाख हेक्टेयर क्षेत्र हैं बीमित
- कुल बीमित राशि दो लाख 73 हजार करोड़ रुपये से अधिक है

4 करोड़ किसानों को एक लाख 70 हजार करोड़ के दावों का हो चुका भुगतान

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : बाढ़-सुखाड़ या अन्य किसी प्राकृतिक आपदा और मौसमी घटनाओं के चलते फसलों के नुकसान का सटीक आकलन करने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए रिमोट सेंसिंग का सहारा लिया जाएगा। किसानों को यदि बीमा कंपनियां क्षतिपूर्ति देने में विलंब करेंगी तो उन्हें प्रति वर्ष 12 प्रतिशत ब्याज के साथ पैसे देने होंगे। अभी तक फसलों की कटाई के दौरान स्थल निरीक्षण कर नुकसान का आकलन होता था। किंतु अब केंद्र सरकार ने निर्णय लिया है कि क्षति का आकलन उपग्रह आधारित प्रणाली से किया जाएगा। इसी रबी फसल से कुल क्षति का कम से कम 30 प्रतिशत का आकलन रिमोट सेंसिंग के जरिये करना अनिवार्य कर दिया गया है। रिमोट सेंसिंग ऐसी तकनीक है, जिसमें किसी वस्तु के बारे में जानकारी लेने के लिए साइट विजिट की जरूरत नहीं होती है। उपग्रह के माध्यम से वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल जाती है।

हाल में ही केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को वित्तीय वर्ष 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके लिए कुल 69 हजार 515.71 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है।

फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 2016 में पीएम फसल बीमा योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत अभी तक कुल 14 करोड़ 28 लाख किसानों ने आवेदन किया है, जिनके 602 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को बीमित किया गया है। कुल बीमित राशि दो लाख 73 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। अभी तक चार करोड़ से अधिक किसानों को एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक के दावों का भुगतान किया जा चुका है। फसल बीमा योजना केंद्र एवं राज्य सरकारें मिलकर संचालित करती हैं। किंतु कई राज्यों से बीमा भुगतान के दावों के समाधान में देरी की शिकायतें आ रही थीं। कारण कई थे। कुछ राज्य अपने हिस्से का प्रीमियम अनुदान देने में देर कर रहे थे। उपज का ब्योरा देने में भी गड़बड़ी देखी जा रही थी। बीमा कंपनियां एवं राज्यों के बीच मतभेद, पात्र किसानों के खातों में क्षतिपूर्ति राशि भेजने के लिए खाता विवरण नहीं मिलना, राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर व्यक्तिगत रूप से किसानों के आंकड़ों की गलत या अपूर्ण प्रविष्टि, किसानों का प्रीमियम भेजने में देरी के साथ-साथ संबंधित बीमा कंपनी को प्रीमियम का हिस्सा नहीं भेजने आदि से किसानों को भुगतान में देरी हो रही थी।

केंद्र ने इसका संज्ञान लिया और अपना प्रीमियम राज्यों से अलग कर लिया, ताकि बीमा राशि समय पर जारी की जा सके। साथ ही बीमा कंपनियों पर भी नकेल कसी। राज्यों की ओर से फसल नुकसान का ब्योरा प्राप्त होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर क्षतिपूर्ति का भुगतान अनिवार्य कर दिया गया। तय अवधि से आगे बढ़ने पर कंपनियों को प्रति वर्ष 12 प्रतिशत की दर से हर्जाना देना होगा। किसानों का प्रीमियम हिस्सा खरीफ के लिए दो प्रतिशत, रबी के लिए 1.5, वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलों के लिए पांच प्रतिशत तक सीमित है। केंद्र ने डिजीक्लेम प्लेटफार्म पर राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल के जरिये किसानों को सीधे भुगतान हस्तांतरित करके दावों में पारदर्शिता लाने का भी प्रबंध किया है। शिकायतों के निपटारे के लिए कृषि रक्षक पोर्टल व एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (14447) भी जारी किया गया है।

आर्थिक अपराधियों ने विदेश में कितने पैसे छिपाए, पता लगाना होगा आसान

- इंटरपोल ने पहला सिल्वर नोटिस जारी किया, भारत भी योजना में भागीदार
- भारतीयों की ओर से विदेश में छिपाए काले धन का सटीक अनुमान नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंटरपोल ने दूसरे देश में छिपाई गई अवैध संपत्तियों का पता लगाने के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत अपना पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है। भारत भी इस परियोजना में भागीदार है। सिल्वर नोटिस से भारत को उन अपराधियों की संपत्तियों का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिन्होंने अवैध संपत्ति को अन्य देशों में यह सोचकर स्थानांतरित कर दिया है कि इसका कभी पता नहीं लगाया जा सकेगा। शराब कारोबारी विजय माल्या और हीरा व्यापारी नीरव मोदी सहित भारत के कम-से-कम 10 भगोड़े आर्थिक अपराधी हैं। भारत के आर्थिक अपराधियों द्वारा विदेश में स्थानांतरित किए गए काले धन की कुल राशि का कोई सटीक अनुमान नहीं है।

इंटरपोल ने एक बयान में कहा, उसने इटली के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है, जिसमें एक माफिया की संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी गई है। प्रायोगिक परियोजना में भारत सहित 52 सदस्य भागीदार हैं। वर्तमान में इंटरपोल के पास आठ प्रकार के रंग आधारित नोटिस हैं, जो किसी सदस्य देश को दुनियाभर में विशिष्ट प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देते हैं। रेड नोटिस किसी देश को दूसरे देश में रहने वाले भगोड़ों को हिरासत में लेने का अनुरोध करने की अनुमति देता है।

इंटरपोल ने कहा, इस परियोजना के तहत 500 नोटिस मांगे जा सकते हैं, जिन्हें सदस्य देशों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा। किसी देश द्वारा जिन व्यक्तियों के बारे में जानकारी मांगी जा रही है, इंटरपोल उनके बारे में विवरण सार्वजनिक नहीं करेगा। सिल्वर नोटिस के तहत विभिन्न देश दुनियाभर में सूचना के लिए अनुरोध कर सकते हैं। इसे प्रायोगिक चरण के तहत शुरू किया जा रहा है, जो नवंबर 2025 तक चलेगा।

इंटरपोल आफिस। फाइल

इंटरपोल के महासचिव वाल्डेसी उर्कीजा ने कहा, अपराधियों और उनके नेटवर्क की अवैध फंडिंग पर चोट करना अंतरराष्ट्रीय अपराध से लड़ने के सबसे शक्तिशाली तरीकों में से एक है। ज्ञात हो, 99 प्रतिशत आपराधिक संपत्तियां अभी तक बरामद नहीं हो पाई हैं।

किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, यह इस्लाम के खिलाफ : योगी

- मुख्यमंत्री बोले- महाकुंभ में स्नानार्थियों का स्वागत, संगम भूमि को अपना बताने वालों की होगी डेंटिंग-पेंटिंग

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के ठीक दो दिन पहले महाकुंभ नगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद पर करारा प्रहार किया। कहा, यह सनातन के गौरव का महाकुंभ है। जो लोग समाज को जातियों में बांटना चाहते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि कुंभ से जाति का भेद मिट जाता है। कुंभ जैसे आयोजन से जातियों में बांटने वाले लोगों को सीख लेनी चाहिए। महाकुंभ की जमीन को वक्फ बोर्ड की बताने वालों को भी सख्त संदेश दिया। कहा, किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें। यह इस्लाम के सिद्धांतों के विरुद्ध है कि किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाकर वहां मस्जिद नुमा ढांचा खड़ा कर दिया हो। ऐसे स्थान पर किसी भी प्रकार की इबादत खुदा को भी मंजूर नहीं होती है। योगी ने कहा, इस्लाम में उपासना के लिए स्ट्रक्चर (ढांचा) खड़ा हो, यह जरूरीत नहीं है जबकि सनातन धर्म में यह है। ऐसे में हमें किसी भी ढांचे को मस्जिद बोलने की जिद नहीं करनी चाहिये। प्रयागक्षेत्र कुंभ की भूमि है और हमेशा कुंभ के लिए उपलब्ध रहेगी। जो परंपरागत रूप से संगम में स्नान करने आएंगे, उनका स्वागत है। जो कहेंगे यह भूमि हमारी है, उनकी डेंटिंग-पेंटिंग होगी।

महाकुंभ को बताया सनातन का गौरव, कहा, जातियों में बांटने वाले इससे सीख लें

मुख्यमंत्री ने कहा, वक्फ बोर्ड नहीं, भूमाफिया का बोर्ड पेज>>6

देश मुस्लिम लीग की मानसिकता से नही, आस्था के अनुरूप चलेगा पेज>>6

'श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सभी मुकदमों की साथ सुनवाई में हर्ज क्या'

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सभी मुकदमों को संलग्न कर साथ सुनवाई दोनों पक्षों के लिए अच्छा
- मस्जिद कमेटी ने सभी मुकदमों को संलग्न करने के हाई कोर्ट के आदेश को दी है चुनौती

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह विवाद मामले में लंबित सभी मुकदमों को सुनवाई के लिए एक साथ संलग्न करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को मस्जिद कमेटी द्वारा दी गई चुनौती पर सवाल उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा, मुकदमों की एक साथ सुनवाई करने में हर्ज क्या है। यह तो न्यायहित में है और दोनों पक्षों के लिए अच्छा है।

शीर्ष अदालत ने मस्जिद कमेटी की याचिका पर विचार की अनिच्छा जताते हुए कहा, सभी मुकदमे एक साथ संलग्न करने के आदेश में क्यों दखल दिया जाए। हर आदेश का विरोध करना जरूरी नहीं है। हालांकि अंत में प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मस्जिद कमेटी को इस मुद्दे पर बाद में तर्क रखने की छूट देते हुए मामले की सुनवाई अप्रैल के पहले सप्ताह तक के लिए टाल दी।

हाई कोर्ट ने पिछले वर्ष 11 जनवरी को श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित मंदिर पक्ष की ओर से दाखिल किए गए 15 मुकदमों (वादों) को जिला अदालत से हाई कोर्ट स्थानांतरित करते हुए एक साथ सुनवाई के लिए संलग्न करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शुक्रवार को जब मामला सुनवाई पर आया तो सीजेआइ संजीव खन्ना ने कहा, मुकदमों को संलग्न करने के आदेश में अभी कोर्ट को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए। बाकी और मुद्दों पर जो याचिकाएं मस्जिद कमेटी ने दाखिल कर रखी हैं उन पर सुनवाई की जाएगी, लेकिन सभी मुकदमे साथ संलग्न करने में क्या हर्ज है। यह तो दोनों पक्षों के हित में ही है। इस पर मस्जिद कमेटी के वकील तसनीम अहमदी ने कहा, सभी मुकदमे एक समान नहीं हैं। उनमें अलग-अलग मांगें और दलीलें हैं, ऐसे में जटिलताएं बढ़ेंगी। सीजेआइ ने कहा, इससे जटिलता नहीं बढ़ेगी बल्कि सरलता आएगी। अगर अलग-अलग सुनवाई हुई तो ज्यादा समस्या होगी।

उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में मस्जिद कमेटी की कुल तीन याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें से एक में सभी मुकदमे जिला अदालत से हाई कोर्ट स्थानांतरित करने और एक साथ संलग्न करने को चुनौती देने का मामला भी है।

अनुमान

संयुक्त राष्ट्र का अनुमान, मजबूत खपत और निवेश के साथ जारी रहेगा अर्थव्यवस्था का बेहतर प्रदर्शन, फ्रैंकलिन टेंपलटन के अनुसार , तीन गुना बढ़ सकती है भारत में अमीरों की संख्या

6 .6% की वृद्धि के साथ वैश्विक आर्थिकी को मजबूती देगा भारत

जेएनएन, नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था में सुस्ती की खबरों के बीच अनुमान है कि 2025 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला इंजन बना रहेगा। इसके अलावा भारत के प्रदर्शन का असर दक्षिण एशिया पर भी दिखेगा और उसकी आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी रहेगी। मजबूत घरेलू मांग और निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को गति देंगे। आने वाले समय में भारतीयों को महंगाई के मोर्चे पर भी राहत मिलने की उम्मीद है। भारत की अर्थव्यवस्था के लिहाज से यह रिपोर्ट इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसएसओ) ने अनुमान जताया था कि 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगी।

6.5% जीडीपी ग्रोथ के साथ 2029 तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवपस्था बना रहेगा भारत

4.3% रहेगी 2025 में महंगाई दर 2024 की तुलना में गिरावट के साथ भारत में

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की ग्रोथ

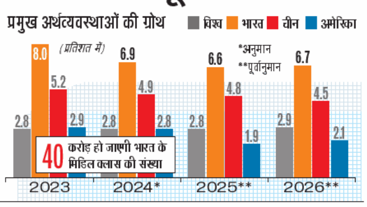

'संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति व संभावना 2025' रिपोर्ट में दक्षिण एशिया के लिए कम अवधि का परिदृश्य मजबूत बने रहने की बात कही गई है। 2025 में दक्षिण एशिया की आर्थिक वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत और 2026 में 6.0 प्रतिशत रह सकती है। ऐसा भारत के मजबूत प्रदर्शन के साथ-साथ भूटान, नेपाल तथा श्रीलंका सहित कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक मोर्चे पर सुधार की वजह से होगा। जहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था की बात है तो 2024 में इसके 6.8 प्रतिशत की दर से और 2025 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय आर्थिकी के 2026 में फिर 6.8 प्रतिशत की वृद्धि पर लौटने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में मानसून बेहतर रहने के कारण प्रमुख फसलों की बोआई में सुधार होगा, जिससे 2025 में कृषि उत्पादन बढ़ने की संभावना है।

'संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति व संभावना 2025' रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2025 में 2.8 प्रतिशत और 2026 में 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान। विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्था अपेक्षा सुस्त गति से आगे बढ़ेगी।

पूर्वी लद्दाख में बनेगा आयुध भंडार, वन्य जीव समिति ने दी मंजूरी

- सैनिकों के बंकर और संचार नेटवर्क के लिए बुनियादी ढांचे भी बनाए जाएंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र की वन्यजीव समिति ने चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास पूर्वी लद्दाख में सैनिकों, गोला-बारूद भंडारण और संचार नेटवर्क के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चांगथांग के अधिक ऊंचाई वाले शीत मरुस्थल वन्यजीव अभयारण्य व काराकोरम नुब्रा श्योक अभयारण्य में बनाए जाने वाले नए बुनियादी ढांचे का उद्देश्य गोला-बारूद की पहुंच में तेजी लाना और त्वरित अभियानगत तैनाती सुनिश्चित करना है। ज्ञात हो, पूर्वी लद्दाख की गलवन घाटी में मई 2020 में भारत-चीन के सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। यह गतिरोध अक्टूबर 2025 में समाप्त हुआ था।

21 दिसंबर को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की बैठक के दौरान इस रणनीतिक बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। प्रस्ताव के तहत आने वाले दोनों अभयारण्य दुर्लभ वन्यजीवों के निवास स्थान हैं। बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित स्थानों में कोई पेड़-पौधा नहीं है, पर वे संरक्षित क्षेत्रों की श्रेणी में आते हैं। इससे वे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 29 के अधीन हो जाते हैं। समिति ने चांगथांग के वन्यजीव अभयारण्य में 2,967.63 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 107 प्रस्तावों व काराकोरम नुब्रा श्योक अभयारण्य में 24,625.52 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 64 प्रस्तावों को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय से कहा गया है कि इसका ध्यान रखा जाए कि वन्यजीवों के आवासों को कोई क्षति न हो।

****

100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में दिल्ली विधानसभा चुनाव की ईवीएम, प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में विधानसभावार तय की गईं ईवीएम।

आरडब्ल्यूए को गार्ड नियुक्त करने को मिलेगा फंड

केजरीवाल ने दी गांरटी, कहा- राजधानी में बढ़ रहा अपराध, जनता की सुरक्षा प्राथमिकता

कहा- दिल्ली को भाजपा की केंद्र सरकार और गृह मंत्री ने क्राइम कैपिटल बना दिया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा एलान किया है। उन्होंने गारंटी दी है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर दिल्ली की सभी आरडब्ल्यूए को सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने के लिए सरकार से फंड मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगातार अपराध बढ़ रहा है। ऐसे में दिल्लीवासियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अगर दिल्ली में किसी को तकलीफ होती है तो मुझे तकलीफ होती है। इसलिए हम चुप नहीं बैठ सकते हैं। दिल्ली के दो करोड़ लोग हमारा परिवार हैं।

केजरीवाल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि पिछले कई दिनों से मेरे पास पूरी दिल्ली से तमाम लोग आ रहे हैं। मैं भी दिल्ली में घूमता रहता हूं और लोगों से बात कर रहा हूं। दिल्ली को भाजपा की केंद्र सरकार और खासकर गृह मंत्री अमित शाह ने देश की क्राइम कैपिटल बनाकर रख दिया है। दिल्ली में बहुत ज्यादा अपराध हो रहे हैं। खुलेआम चोरियां, डकैती और चेन स्नैचिंग हो रही हैं। महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। गैंगवार हो रहे हैं। दिल्ली के लोग बहुत ज्यादा डरे हुए हैं और खुद को बहुत ज्यादा

आम आदमी पार्टी कार्यालय में संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री व आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल। जागरण

असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। भाजपा और इनकी केंद्र सरकार को दिल्ली के लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो दिल्ली की सभी आरडब्ल्यूए को अपने-अपने इलाके में सिक्योरिटी गार्ड नियुक्त करने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से उचित राशि दी जाएगी। इसके लिए कुछ मापदंड बनाए जाएंगे कि किस आरडब्ल्यूए को सिक्योरिटी गार्ड के लिए कितना पैसा देना है। यह एरिया या उस इलाके में रहने वाले परिवारों की संख्या के आधार पर तय होगा, इसका एक मापदंड तैयार किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि सरकार बनने के बाद लोगों को अपने-अपने इलाके के अंदर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड रखने के लिए मदद की जाएगी, ताकि वे सिक्योरिटी गार्ड वहां लोगों को बेसिक सुरक्षा प्रदान कर सकें। हालांकि पुलिस की जगह कोई नहीं ले सकता और न ही हमारा मकसद पुलिस को रिप्लेस करने का है।

सुरक्षा गार्ड और आरडब्ल्यूए को गुमराह करे रहे हैं केजरीवाल : बिधूड़ी

राज्य ब्यूरो, जागरण ●नई दिल्ली: सांसद और भाजपा संकल्प पत्र समिति के संयोजक रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने के लिए एक और झूठी घोषणा की है। उन्होंने घोषणा की है कि आवासीय क्षेत्रों में आरडब्ल्यूए द्वारा रखे जाने वाले सिक्योरिटी गार्ड को अब सरकार वेतन देगी। दिल्लीवासी उनकी सच्चाई जानते हैं, इसलिए उनके झांसे में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में करीब 10 हजार होम गार्ड को बेरोजगार कर दिया है। वह संविदा पर काम करने वालों को पक्का करने के वादे कर सत्ता में आए थे। 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी उन्होंने किसी अस्थायी कर्मचारी को स्थायी नहीं किया। उन्होंने गेस्ट टीचर्स को पक्का नहीं किया। डीटीसी अस्थायी कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आप सरकार द्वारा पेंशन नहीं दी गई। यहां तक कि आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया जाता। अब सिक्योरिटी गार्ड और आरडब्ल्यूए को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

'आयोग कुछ करने की हिम्मत कर पाएगा या भाजपा के सामने बेबस'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- आप ने नई दिल्ली विधानसभा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर चुनाव आयोग पर सवाल खड़ा किया है
- आतिशी ने कहा- प्रवेश वर्मा खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं

आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा में खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल खड़ा किया है। पार्टी का कहना है कि प्रवेश वर्मा खुलेआम चादर, चश्मे और पैसे बांटकर वोट खरीद रहे हैं और चुनाव आयोग आंख पर पट्टी बांधे बैठा है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि बृहस्पतिवार को ही हमने चुनाव आयोग को शिकायत की थी। अब खुलेआम चादरें भी बांटी जा रही हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयोग कुछ करने की हिम्मत कर पाएगा या भाजपा के सामने चुनाव आयोग भी बेबस है?

उधर, वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री आतिशी भी भाजपा पर हमलावर रहीं। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। जब उन्होंने हेल्थ कैंप के नाम पर चश्मे बांटे तो उन्होंने छिपाकर चश्मे नहीं बांटे, बल्कि एक्स पर पोस्ट करते हुए बांटे। जब उन्होंने अपने घर पर 'वोट के बदले नोट' बांटे तो उन्होंने छिपाकर नहीं बांटे, बल्कि खुलेआम बांटे। यह बिल्कुल साफ है कि प्रवेश वर्मा को पता है कि उनके पास पैसे, चश्मे, कपड़े और सलवार-कमीज के बांटने के अलावा और कुछ नहीं है।

उनकी पार्टी ने आज तक कोई काम नहीं किया है। उनके पास कोई विजन और नैरेटिव नहीं है। इसलिए वह आचार संहिता का उल्लघंन कर 'वोट के बदले नोट' बांटकर वोट इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारे देश का चुनाव आयोग इसका संज्ञान लेगा। हमें आश्वासन दिया गया है कि किसी भी प्रकार से आचार संहिता के उल्लंघन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

कमलजीत सहरावत बोलीं, केजरीवाल ने जाटों के साथ अन्याय किया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: सांसद कमलजीत सहरावत ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी पर दिल्ली में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। कहा, पांच जनवरी को मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर जाटों को आरक्षण नहीं देने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री को यह मालूम होना चाहिए कि इसकी पहल राज्य सरकार को करना होता है। 10 वर्षों तक आम आदमी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार रही, लेकिन एक बार भी विधानसभा में इसे लेकर चर्चा नहीं की।

कमलजीत सहरावत। फाइल

उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार में मंत्री रहे कैलाश गहलोत ने भी केजरीवाल से कई बार जाटों को केंद्रीय सेवाओं में आरक्षण दिलाने के लिए प्रस्ताव पास करने की मांग की थी, जिसे नकार दिया गया। जाटों के नाम पर राजनीति करने वाले ने कभी उनकी समस्याओं पर चर्चा नहीं की। भाजपा शासित राज्यों ने जाटों के हित का ध्यान रखा। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा आप सरकार वेंटिलेटर पर है। केजरीवाल बेल पर जेल से बाहर हैं। हार देखकर जाटों के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। 10 वर्षों तक आप सरकार ने जाटों के लिए कुछ नहीं किया। आप व उनकी सहयोगी पार्टियों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ का अपमान किया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग, जाट और किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए काम किया है।

आज का मौसम

शनिवार सुबह ज्यादातर स्माग एवं मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। कहीं कहीं बहुत घना कोहरा भी हो सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
11 जनवरी	15.0	8.0
12 जनवरी	16.0	11.0
नोएडा		
11 जनवरी	16.0	11.0
12 जनवरी	17.0	11.0
गुरुग्राम		
11 जनवरी	18.0	9.0
12 जनवरी	19.0	11.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

स्कूलों को बम की धमकी के ईमेल भेजने वाला छात्र पकड़ा

नई दिल्ली : दो दिन पहले एक कालेज और 23 स्कूलों में बम की धमकी वाले ईमेल बारहवीं के नाबालिग छात्र ने भेजे थे। परीक्षा की तैयारी नहीं होने की वजह से वह प्रायोगिक परीक्षा रद कराना चाहता है। पहले भी स्कूलों में बम के ईमेल भेजे जाने की घटनाओं को देख यह कदम उठाया। आरोपित छात्र की काउंसलिंग कराई जा रही है। दक्षिणी जिला पुलिस के मुताबिक उसके साथ और छात्र शामिल हैं, जिनके बारे में पता लगाया जा रहा है। (जासं)

यूपी भवन में तैनात पीएसी जवान ने की आत्महत्या

नई दिल्ली : दिल्ली स्थित यूपी भवन में तैनात पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी) जवान कानपुर निवासी जगराम सिंह यादव ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फोरेंसिक की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। (जासं)

एम्स में दो माह में 104 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी

नई दिल्ली : एम्स के सर्जरी ब्लाक में रोबोटिक मशीन लगने के बाद दो माह 104 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी हुई। जनरल सर्जरी विभाग के डाक्टर इसे एक बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। डाक्टर बताते हैं कि रोबोटिक सर्जरी में मरीज को बड़ा चीरा लगाने की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए रक्त स्राव कम होता है व मरीज जल्दी ठीक होकर घर चले गए। अभी गाल ब्लैडर, हर्निया रिपेयर, गैस्ट्रो से संबंधित सर्जरी अभी ज्यादा हो रही है। (राब्यू)

पूर्वांचलियों के अपमान का आरोप लगा भाजपा का प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- भाजपाइयों ने पूर्वांचल स्वाभिमान मार्च निकालकर किया विरोध
- पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर बाद में थाने से छोड़ा

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पूर्वांचलियों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्वांचल स्वाभिमान मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए फिरोजशाह रोड स्थित केजरीवाल के आवास की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी के बौछार की। कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाना ले जाया गया। वहां पर सांसद मनोज तिवारी उनसे मिलने पहुंचे। कुछ देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में रहने वाले आटो चालकों, झुग्गीवासियों सहित सभी पूर्वांचलवासियों को गाली दी है। संजय सिंह भी पूर्वांचल के हैं, लेकिन गाली देने वाले केजरीवाल का उन्होंने विरोध नहीं किया। पूर्वांचलवासी एकजुट होकर इस

पूर्व मुख्यमंत्री व आप संयोजक के आवास के समीप विरोध प्रदर्शन करती भाजपा महिला कार्यकर्ता। हरीश कुमार

अपमान का बदला लेंगे। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह ने कहा, केजरीवाल पूर्वांचल समाज को गाली देने और उन्हें नीचा दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। कोरोना महामारी के समय पूर्वांचल के लोगों को बसों में भरकर उत्तर प्रदेश की सीमा में छोड़ दिया गया था। भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संतोष ओझा ने कहा, आप रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को बसाकर पूर्वांचलवासियों को नीचा दिखाने में लगी है।

विधायक अभय वर्मा ने कहा कि अपमान का बदला लेने के लिए पूर्वांचल के लोग साथ आ रहे हैं। प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा पांडे मिश्रा, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सागर त्यागी सहित अन्य नेताओं ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया।

प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, मोर्चों के प्रदेश प्रभारी सुमित भसीन, पूर्वांचल मोर्चा सह प्रभारी कौशल मिश्रा एवं मनीष सिंह, प्रदेश कार्यालय मंत्री बृजेश राय, प्रवक्ता शुभेन्दु शेखर अवस्थी, भाजपा नेता यासिर जिलानी, मोर्चा महामंत्री संजय तिवारी, विपिन बिहारी सिंह शामिल थे।

आप ने पूर्वांचल समाज के लिए काम कर सम्मान दिलाया : अरविंद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- पूर्व सीएम ने कहा, कच्ची कालोनियों में सड़कें बनवाई, पानी-सीवर की पाइपलाइन बिछाई, स्कूल-मोहल्ला क्लीनिक बनवाए

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि आप सरकार ने पूर्वांचल समाज के लिए काम किया और उन्हें सम्मान दिलाया। आप सरकार ने कच्ची कालोनियों में सड़कें बनवाईं, पानी-सीवर की पाइपलाइन बिछाई, स्कूल-मोहल्ला क्लीनिक बनवाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बताए कि उसने पिछले 10 साल में पूर्वांचल समाज के लिए क्या काम किया ?

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा धरना पार्टी बन गई है। मैं सोच रहा हूं कि इनके लिए घर के बाहर एक टेंट लगवा देता हूं, जहां भाजपा स्थायी रूप से 100-200 लोगों को बैठा दे और रोज केवल धरने का बैनर बदल लिया करें। उन्होंने कहा कि गुरुवार को मैं चुनाव आयोग यह शिकायत करने गया था कि भाजपा रोहिंग्या का बहाना बनाकर दिल्ली से पूर्वांचलियों और दलितों के वोट कटवा रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुद संसद में कबूल किया था कि वो लोग पूर्वांचली व दलितों के वोट कटवा रहे हैं। अब भाजपा के लोग मेरे ऊपर उल-जुलूल आरोप लगा रहे हैं। पूर्वांचल समाज से आप के सबसे ज्यादा एमएलए हैं। इस बार भी पूर्वांचल के लोगों को सबसे ज्यादा टिकट दिया है, लेकिन भाजपा ने कितने टिकट दिए हैं? केजरीवाल ने कहा, पूर्वांचल से जितने लोग आते हैं, वो कच्ची कालोनियों में रहते हैं। 2014 के पहले इन कच्ची कालोनियों में जीना मुश्किल था।

आतिशी का दावा, रमेश बिधूड़ी होंगे भाजपा का सीएम चेहरा

राब्यू, जागरण ●नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा के सीएम चेहरे को लेकर बड़ा दावा किया है। प्रेस वार्ता कर उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे ज्यादा गाली देने वाले अपने नेता रमेश बिधूड़ी को अपना मुख्यमंत्री चेहरा बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को पता है कि आम आदमी पार्टी के जीतने पर अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन भाजपा को वोट दे दिया, तो जनता को गाली देने वाले रमेश बिधूड़ी सीएम बनेंगे।

आतिशी ने कहा कि विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि शुक्रवार को सुबह 'गाली-गलौज पार्टी' की सीईसी बैठक में तय हुआ है कि सबसे ज्यादा गाली-गलौज करने वाले रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाएगा। ऐसे में अब दिल्लीवालों के सामने दो विकल्प हैं। एक तरफ पढ़े-लिखे और काम करने वाले नेता अरविंद केजरीवाल और दूसरी तरफ गाली-गलौज करने वाले रमेश बिधूड़ी हैं। तय जनता को ही करना है।

आम आदमी पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान पोस्टर दिखाती मुख्यमंत्री आतिशी। जागरण

आप ने भाजपा पर लगाया वोट खरीदने का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर वोट खरीदने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को आप ने कहा कि वोट खरीदने के लिए भाजपा नेताओं को आलाकमान से हर वोटर के लिए 10 हजार मिले थे, लेकिन नेता जनता में सिर्फ एक हजार ही बांट रहे हैं। केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि संजय सिंह ने सच उजागर किया है। लोग देख रहे हैं कि भाजपा के कुछ नेता लोगों को 1100 या 1000 रुपए दे रहे हैं।

भाजपा चुनाव समिति की बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा, जारी होगी दूसरी सूची

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम तय करने को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक शुक्रवार रात को हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में दिल्ली 41 प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा हुई। शनिवार को प्रत्याशियों की सूची जारी होने की उम्मीद है।

भाजपा ने 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 29 प्रत्याशियों की पहली सूची पिछले शनिवार को जारी की थी। नई दिल्ली से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा और कालकाजी से मुख्यमंत्री आतिशी के सामने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को प्रत्याशी बनाया गया है। पहली सूची में चार विधायकों के साथ कांग्रेस और आप से भाजपा में शामिल होने

दिल्ली विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा। प्रेट्र

वाले कई नेताओं के नाम थे। उसके बाद से दूसरी सूची का इंतजार हो रहा है। पार्टी नेताओं ने बताया कि शेष रह गए 41 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें से कई सीटों पर नाम तय कर लिए गए हैं। चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में दिल्ली भाजपा के प्रभारी बैजयंत जय पांडा, सह प्रभारी अल्का गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, पूर्व मंत्री डा. हर्षवर्धन, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल भी शामिल थे।

विधानसभा चुनाव के लिए शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- पहले दिन एक महिला सहित नौ उम्मीदवारों ने भरा नामांकन पत्र
- प्रमुख दलों के उम्मीदवार सोमवार से दाखिल करेंगे नामांकन पत्र

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (सीईओ) ने विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ थी शुक्रवार सुबह 11 बजे से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन एक महिला प्रत्याशी सहित नौ उम्मीदवारों ने अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से नामांकन पत्र भरे। पहले दिन भाजपा, आम आदमी पार्टी (आप) या कांग्रेस समेत किसी प्रमुख दल के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र नहीं भरे। शनिवार व रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण दो दिन नामांकन बंद रहेगा। सोमवार से प्रमुख दलों के उम्मीदवार भी नामांकन पत्र भरेंगे।

सीईओ कार्यालय के अनुसार पहले दिन विकासपुरी क्षेत्र से एक निर्दलीय उम्मीदवार ने नामांकन किया। वहीं मोती नगर, मुंडका, महरौली, अंबेडकर नगर, राजौरी गार्डन व लक्ष्मी नगर से राइट टू रिकाल पार्टी नामक पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दल के छह उम्मीदवारों ने नामांकन किया। इससे अलावा उत्तम नगर व मटियाला से दो अन्य दलों के प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन की अंतिम तिथि 17 जनवरी है।

दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग 70 आरओ (रिटर्निंग आफिसर) नियुक्त किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (सीईओ) के मुताबिक उम्मीदवार संबंधित विधानसभा क्षेत्र के आरओ कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक पहुंचकर नामांकन कर सकेंगे। आप अपने सभी उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। कांग्रेस के अब तक 48 व भाजपा ने अब तक 29 प्रत्याशी घोषित किए हैं।

विस चुनाव

विधानसभा चुनाव में पहली बार हुआ है ऐसा, पहले मतदाता बढ़ने के साथ बढ़ते रहे मतदान केंद्र, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय नए मतदान केंद्र खोलने के लिए कर रहा है तैयारी

दिल्ली में मतदाता बढ़े लेकिन 718 मतदान केंद्र हुए कम

रणविजय सिंह . जागरण

नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली में सियासत चरम पर है। फर्जी वोट बनवाने व पुराने मतदाताओं के नाम कटवाने के राजनीतिक दलों के आरोप मतदाता सूची जारी होने के बाद भी नहीं थमे। इस बीच दिल्ली में पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले 7.38 लाख मतदाता बढ़ने और मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए पांच लाख से अधिक मतदाताओं के आवेदन लंबित होने के बावजूद दिल्ली विस चुनाव में 718 मतदान केंद्र कम कर दिए गए हैं। इससे वर्तमान मतदान केंद्रों पर औसत संख्या भी बढ़ गई है। इतने अधिक मतदान केंद्र कम करने के पीछे क्या कारण है, यह मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने स्पष्ट नहीं किया है।

बताया जा रहा है कि मतदान केंद्रों की संख्या अधिक कम कर दिए जाने के कारण मत प्रतिशत पर इसका असर पड़ सकता है। वैसे तो मतदान कम या ज्यादा होने के

प्रतीकात्मक

कई कारण होते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि राजनीतिक गोलबंदी सबसे अहम होती है। फिर भी मतदान केंद्र कम होने का असर भी पड़ सकता है। सीईओ कार्यालय ने इस पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। सीईओ कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इससे मत प्रतिशत पर असर पड़ने से इन्कार किया है और बताया कि नए मतदान केंद्र बनाने की प्रक्रिया चल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले जितने मतदान केंद्र अभी कम हैं, उससे ज्यादा नए मतदान केंद्र शुरू किए जाएंगे। इसलिए इस विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्र पिछले चुनाव की तुलना में अधिक हो जाएंगे।

फिलहाल, स्थिति यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में दिल्ली में 2,688 मतदान स्थलों पर 13,751 मतदान केंद्र थे। इस बार 2,697 मतदान स्थलों पर 13,033 मतदान केंद्र हैं। इस तरह पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले नौ मतदान स्थल तो बढ़ाए गए हैं लेकिन मतदान केंद्र काफी कम हो गए हैं। इस वजह से मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की औसत संख्या करीब 1200 हो गई है। आंकड़े बताते हैं कि पहले मतदाताओं की संख्या बढ़ने के साथ-साथ मतदान केंद्र भी बढ़ाए जाते रहे हैं। वर्ष 1993 के चुनाव के बाद वर्ष 1998 में 25 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े थे। तब 2,103 मतदान केंद्र बढ़ाए गए थे। इसके बाद भी यह सिलसिला लगातार जारी रहा। वर्ष 2015 के मुकाबले वर्ष 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में भी करीब 14.73 लाख मतदाता बढ़े थे।

****

'कैग रिपोर्ट अब विस में पेश करने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- सचिवालय ने कहा, विधानसभा की बैठक बुलाने का स्पीकर का विवेकाधिकार किसी भी न्यायिक समीक्षा से परे है

दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने हाई कोर्ट को सूचित किया कि फरवरी 2025 में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने पर कैग रिपोर्ट को सदन में पेश करने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। सचिवालय ने कहा कि विधानसभा का अंतिम सत्र चार दिसंबर, 2024 को बुलाया गया था, जिसका अर्थ है कि रिट याचिका में की मांग के अनुसार भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट की समीक्षा और जांच पीएसी द्वारा वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले नहीं की जाएगी। सचिवालय ने सदन में कैग रिपोर्ट पेश करने के मुद्दे पर सात भाजपा विधायकों की याचिका पर यह जवाब दिया।

सचिवालय ने कहा कि अगर रिपोर्ट को इस समय सदन के समक्ष रखा जाता है तो कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा, क्योंकि इन रिपोर्टों की अधिक गहन और विस्तृत जांच केवल अगली विधानसभा द्वारा निर्वाचित उत्तराधिकारी लोक लेखा समिति (पीएसी) द्वारा की जा सकती है, जिसका गठन चुनाव के बाद किया जाएगा। विधानसभा की बैठक बुलाने का स्पीकर का विवेकाधिकार उसके आंतरिक कामकाज का हिस्सा है, जो न्यायिक समीक्षा के दायरे से परे है। वहीं, उपराज्यपाल ने दावा किया कि हाई कोर्ट को स्पीकर को तुरंत रिपोर्ट सदन के समक्ष पेश करने का निर्देश देने का अधिकार है। एलजी ने कहा कि दिल्ली के लोग कैग रिपोर्ट को जानने के हकदार हैं।

आप ने सनातन सेवा समिति के पदाधिकारियों की घोषणा की

राज्य ब्यूरो, जागरण . नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने सनातन सेवा समिति के गठन के बाद शुक्रवार को इसके पदाधिकारियों की घोषणा कर दी। पार्टी ने सनातन सेवा समिति का प्रदेश प्रभारी घनेंद्र भारद्वाज को बनाया है व विजय शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

आप के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष समेत आठ पदाधिकारियों की सूची जारी की है। गोपाल राय द्वारा सनातन सेवा समिति के पदाधिकारियों की जारी सूची के अनुसार, घनेंद्र भारद्वाज को प्रदेश प्रभारी, विजय शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष, जितेंद्र शर्मा को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, सरदार राजिंदर सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष, ब्रिजेश शर्मा को प्रदेश संगठन मंत्री, मनीष गुप्ता और सरदार राजिंदर सिंह (हनी) को प्रदेश सचिव व दुष्यंत शर्मा को प्रदेश संयुक्त सचिव बनाया गया है।

गेमिंग कंपनियों को जारी एक लाख करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस पर सुप्रीम रोक

जीएसटी अधिकारियों ने अक्टूबर 2023 में टैक्स चोरी के लिए जारी किया था कारण बताओ नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गेमिंग कंपनियों के खिलाफ सभी कार्यवाही पर रोक लगाई जानी चाहिए

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को टैक्स चोरी को लेकर आनलाइन गेमिंग कंपनियों और कैसीनो को जीएसटी अधिकारियों द्वारा जारी एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारण बताओ नोटिस पर रोक लगा दी है। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि मामले में सुनवाई की जरूरत है और इस बीच गेमिंग कंपनियों के खिलाफ सभी कार्यवाही पर रोक लगाई जानी चाहिए।

जीएसटी विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एन वेंकटरमन ने कहा कि कुछ कारण बताओ नोटिस फरवरी में समाप्त हो जाएंगे। यह मामला 18 मार्च को पोस्ट किया गया था। जीएसटी अधिकारियों ने अक्टूबर 2023 में टैक्स चोरी के लिए आनलाइन गेमिंग कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सरकार ने जीएसटी कानून में संशोधन करते हुए एक अक्टूबर, 2023 से विदेशी आनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए भारत में पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। अगस्त, 2023 में जीएसटी परिषद ने स्पष्ट किया कि आनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म पर लगाए गए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। गेमिंग कंपनियों ने राजस्व अधिकारियों के दावों को चुनौती देते हुए ऐसी जीएसटी मांगों के खिलाफ विभिन्न हाई कोर्ट का रुख किया। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की एक याचिका को अनुमति दी और ई-गेमिंग फर्मों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को आधिकारिक घोषणा के लिए नौ हाई कोर्ट से अपने पास स्थानांतरित कर लिया।

कोर्ट का महिला आरक्षण के विरुद्ध याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया, जिनमें 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के परिसीमन खंड को चुनौती दी गई थी। इस अधिनियम में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित करने का प्रविधान है।

जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पीबी वराले की पीठ संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जया ठाकुर और नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन वुमेन (एनएफआइडब्ल्यू) की ओर से दाखिल याचिकाओं पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। पीठ ने कहा कि जया ठाकुर की याचिका ने उस विधेयक को चुनौती दी, जो अधिनियम बन गया था। जबकि एनएफआइडब्ल्यू ने कानून के परिसीमन खंड को चुनौती दी थी। ठाकुर की याचिका को निरर्थक बताकर खारिज कर दिया गया।

अदालत अनुच्छेद 32 के तहत एनएफआइडब्ल्यू की याचिका पर भी विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। 21 सितंबर, 2023 को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित करने वाले विधेयक को संसद की मंजूरी मिली थी। जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 29 सितंबर, 2023 को इसे मंजूरी दी थी।

शोध प्रकोष्ठों से जोड़े जाएं अवकाश प्राप्त विज्ञानी और प्रोफेसर : यूजीसी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- उद्योगों से जुड़ी चुनौतियों को सुलझाने में उच्च शिक्षण संस्थान सहयोग दें
- अभी ज्यादातर शोध प्रकोष्ठ अमले की कमी और निष्क्रियता से हैं घिरे

विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में मौजूद शोध प्रकोष्ठों (रिसर्च सेल) को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कुछ और अहम कदम उठाए हैं। इसमें इन प्रकोष्ठों की गरिमा को बढ़ाने के लिए अवकाश प्राप्त विज्ञानियों व प्रोफेसर्स को जोड़ने के निर्देश दिए हैं। यूजीसी का मानना है कि इस पहल से देश की नई पीढ़ी को न सिर्फ शोध से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलेगी। यूजीसी ने इन्हें मेंटर के रूप में उच्च शिक्षण संस्थानों से जोड़ने का सुझाव दिया है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने जुटी यूजीसी ने यह पहल ऐसे समय की है, जब विश्वस्तरीय रैंकिंग में जगह बनाने के लिए संस्थानों को शोध में भागीदारी जरूरी है। माना जा रहा है कि शोध प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यही वजह है कि यूजीसी ने इन्हें सशक्त बनाने से जुड़े दिशा- निर्देश जारी करने के बाद अब यह नए कदम उठाए हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों से कहा है कि वे अपने शोध प्रकोष्ठों की मदद से उद्योगों से जुड़ी चुनौतियों को सुलझाने में सहयोग दें।

इससे उन्हें शोध के लिए नए-नए विषय और शोध को लेकर वित्तीय मदद दोनों मिलेगी। मौजूदा समय में देश के ज्यादातर शोध प्रकोष्ठ अमले की कमी और निष्क्रियता के दौर से गुजर रहे हैं। गौरतलब है कि शोध को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में केंद्र सरकार ने भी बड़ा ऐलान किया है।

जिसमें दुनिया भर के शोध पत्रों को अब एक जगह मुहैया कराया जाएगा। इसके लिए 'वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन' स्कीम घोषित की है। इसका लिंक देश के सभी शोध संस्थानों व प्रकोष्ठों को जल्द ही निःशुल्क मुहैया कराया जाएगा।

सीआइएसएफ कर्मियों के कठिनाई भत्ता पर रोक

जागरण संवाददाता, बोकारोः केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के अधिकारियों-कर्मियों को दिए जाने वाले कठिनाई भत्ता पर रोक लगा दी गई है। सीआइएसएफ मुख्यालय ने गुरुवार को आदेश जारी कर इसे 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावी कर दिया है। इससे एक लाख से ज्यादा सीआइएसएफ कर्मियों के वेतन पर असर पड़ेगा। सीआइएसएफ में कठिनाई भत्ता का निर्धारण अब संवेदनशील स्थानों के आधार पर किया गया है। इसके लिए गृह मंत्रालय ने देश के नौ राज्यों के 38 जिलों को चिह्नित किया है। इन नौ राज्यों में से पांच राज्य के 12 जिले सबसे ज्यादा उग्रवाद प्रभावित व संवेदनशील माने गए हैं। इनमें झारखंड का गिरिडीह, पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, लोहरदगा व गुमला शामिल हैं।

वर्ष 2017 में लागू की गई थी योजनाः सीआइएसएफ कर्मियों को कठिनाई भत्ता का लाभ वर्ष 2017 से दिया जा रहा था। कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को प्रतिमाह 10 हजार रुपये तो सहायक कमांडेंट से लेकर डीआइजी को 17 हजार रुपये की राशि वेतन के साथ दी जाती थी। अब जबकि इस योजना पर 1 अप्रैल, 2024 से रोक लगा दी गई है तो इस अवधि के दौरान जिन्हें कठिनाई भत्ता का लाभ मिला है, वह राशि उनके वेतन से किस्तों में वसूली जाएगी। भले ही वह वर्तमान इकाई में कार्यरत हैं अथवा किसी दूसरी इकाई में स्थानांतरित होकर चले गए हैं।

विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों की भागीदारी जरूरी : मुर्मु

राज्य ब्यूरो, जागरण • भुवनेश्वर

प्रवासी भारतीय दिवस 2025 के समापन समारोह में एक भारतवंशी को प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। साथ में खड़े विदेश मंत्री एस. जयशंकर (बाएं)। जागरण

- 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र को राष्ट्रपति ने किया संबोधित
- कहा, प्रवासी भारतीय हमारे देश की पहचान, वैश्विक कल्याण में भी योगदान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को राष्ट्रीय मिशन बताते हुए इसमें प्रवासी भारतीयों की भागीदारी को आवश्यक बताया। शुक्रवार को यहां संपन्न हुए 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रहे प्रवासी भारतीयों को सम्मानित किया।

सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीय विश्व में हमारे देश की सर्वश्रेष्ठ पहचान हैं। अपने साथ वह न केवल भारत की पवित्र भूमि में अर्जित ज्ञान और कौशल लेकर आए हैं, बल्कि उन मूल्यों और लोकाचार को भी साथ आए हैं, जो सदियों से हमारी सभ्यता की नींव रहे हैं।

तकनीक, चिकित्सा, कला, उद्योग समेत कई क्षेत्रों में प्रवासी भारतीयों ने अमिट छाप छोड़ी है। इसे पूरी दुनिया स्वीकार कर सम्मान देती है। विदेश में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सफलता की कहानी न केवल अपने देश के लिए गौरव की बात हैं, बल्कि यह लाखों लोगों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित भी करती हैं। प्रवासी भारतीय दिवस सिर्फ एक आयोजन नहीं है।

यह एक ऐसा मंच है, जहां अलग-अलग विचारों का संगम और सहयोग स्थापित होता है। इसके जरिए प्रवासी समुदाय के बीच संबंध मजबूत होते हैं। देश 2047 तक विकसित भारत की ओर अग्रसर है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है।

प्रवासी भारतीय इसके अभिन्न अंग हैं। प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियां विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

हमारा दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम

राष्ट्रपति ने भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के उदार दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दृष्टिकोण एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने को लेकर है, जो न केवल हमारी आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि विश्व के कल्याण में भी योगदान देता है। हम एक ऐसा राष्ट्र बनाना चाहते है, जो आर्थिक विकास को सामाजिक न्याय और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करता है ताकि हमारी अगली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आशा जताई कि इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में प्रवासी भारतीय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

12 राज्यों में 5738 पीएम ई बसों को मंजूरी

मनीष तिवारी • जागरण

- इसी साल के शुरुआती माह में आरंभ हो जाएगा संचालन : तोखन साहू
- केंद्र सरकार की सहायता से शहरों में चलनी हैं 10 हजार इलेक्ट्रिक बसें

तोखन साहू। फाइल

नई दिल्ली : पीएम ई बस सेवा के तहत सौ से अधिक शहरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन इसी साल के शुरुआती महीने में आरंभ हो जाएगा। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 77 शहरों की ओर से मिले प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन शहरों की ओर से अब तक 5738 बसों के प्रस्ताव मिले हैं। अधिकांश में टेंडर जारी कर दिए गए हैं। केंद्रीय शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने दैनिक जागरण को बताया कि पीएम ई बस सेवा के जरिये केंद्र सरकार शहरी क्षेत्रों में परिवहन के ढांचे को नए दौर में ले जाना चाहती है।

इस योजना के तहत 10 हजार इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता दी जाएगी। योजना मार्च 2037 तक चलेगी। साहू के अनुसार यह योजना इसलिए शहरी सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके तहत पात्र शहरों में बस डिपो और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और आधुनिकीकरण के लिए भी सहायता दी जाएगी। पीएम ई बसें के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अब तक 66 शहरों में बिहाइंड द मीटर पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए और सिविल डिपो इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 884 करोड़ रुपये की मंजूरी दी जा चुकी है, जिसमें 438 करोड़ रुपये राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश को जारी भी कर दिए गए हैं। जिन राज्यों के शहरों के लिए ई बसों को मंजूरी दी गई है, उनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, असम शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर, कोरबा, रायपुर, बिहार में गया, पूर्णिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पटना, राजस्थान में अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, मध्य प्रदेश में इंदौर, महाराष्ट्र में उल्हासनगर, अकोला और कोल्हापुर, ओडिशा में राउरकेला, गुजरात में भावनगर, गांधीनगर, जामनगर, राजकोट और बड़ोदरा, मध्य प्रदेश में भोपाल और उज्जैन में बस डिपो और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है। साहू ने बताया कि इस योजना के दूसरे चरण में ग्रीन अर्बन मोबिलिटी परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता देने का निर्णय किया गया है। ये बस सेवाओं के लिए पूरक योजना साबित होंगी। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार पीएम ई बसों में स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली के लिए काम कर रही है।

प्रतीकात्मक

सुप्रीम कोर्ट ने आम लोगों के लिए खोले अपने दरवाजे

- सर्वोच्च न्यायालय ने लोगों के लिए गाइडेड टूर की दी अनुमति
- पूरा परिसर घुमाया जाएगा, कोर्ट रूम देखने का मौका भी मिलेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के लिए निर्दिष्ट दिनों पर आम लोगों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। कोर्ट ने लोगों के लिए गाइडेड टूर की अनुमति दी है। इसके तहत लोग सर्वोच्च न्यायालय के बारे में अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। वे दूसरे और चौथे शनिवार को छोड़कर प्रत्येक शनिवार को इस अदालत के भव्य गलियारों में टहल सकते हैं। कोर्ट रूम देखने का भी मौका मिलेगा।

एक अधिकारी ने बताया, 'सर्वोच्च न्यायालय परिसर को खोलने से आम जनता को भवन के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंचने और भव्य संरचना को निहारने का मौका मिलेगा।' रजिस्ट्रार महेश टी पाटणकर (कोर्ट एवं भवन) द्वारा नौ जनवरी को जारी सर्कुलर में कहा गया है, 'सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के अनुसरण में गाइडेड टूर को प्रत्येक शनिवार को दूसरे व चौथे शनिवार और घोषित अवकाशों को छोड़कर चार निर्धारित समयावधि में सुबह 10 बजे से पूर्वाह्न 11.30 बजे तक, पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर एक बजे तक, दोपहर दो बजे से दोपहर 3.30 बजे तक और दोपहर 3.30 बजे से शाम पांच बजे तक की अनुमति होगी।'

गाइडेड टूर के दौरान अधिकारी लोगों से बातचीत करेंगे और उन्हें ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न खंडों से परिचित कराएंगे। कोई भी आगंतुक आनलाइन बुकिंग करकर पूर्वनिर्धारित यात्रा की व्यवस्था कर सकता है। उन्होंने बताया, 'आगंतुकों को पूरे परिसर में घुमाया जाएगा और ऐतिहासिक महत्व के हिस्सों से परिचित कराया जाएगा। उन्हें कोर्ट रूम देखने का भी मौका मिलेगा।' इससे पहले तीन नवंबर 2018 को पहला गाइडेड टूर हुआ था और अब तक ऐसे 296 टूर हो चुके हैं।

बंगाल में बिना छात्र-छात्राओं वाले स्कूलों की संख्या देश में सबसे अधिक

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में सामने आया तथ्य

कक्षा में सन्नाटा। फाइल फोटो

बंगाल में बिना छात्र-छात्राओं वाले स्कूलों की संख्या देश में सबसे अधिक है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिक्षा वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल में ऐसे 3,254 स्कूल हैं, जहां एक भी छात्र-छात्रा नहीं है जबकि इन स्कूलों में 14,627 शिक्षक- शिक्षिकाएं हैं। वहीं पूरे देश में ऐसे 12,954 स्कूल हैं, जहां एक भी छात्र-छात्रा नहीं हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधीनस्थ यूनीफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन प्लस द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बंगाल में ऐसे 6,366 स्कूल भी हैं, जहां केवल एक शिक्षक हैं। वहीं, पश्चिम बंग माध्यमिक तृणमूल शिक्षक समिति के प्रदेश संयुक्त सचिव संजय बरुआ ने कहा-'हम रिपोर्ट को पूरी तरह से अस्वीकार नहीं कर रहे लेकिन इस तरह की परिस्थिति नहीं दिख रही है।'

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बंगीय शिक्षक व शिक्षाकर्मी समिति के महासचिव स्वपन मंडल ने कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि सिर्फ भत्ता देकर व बैग, कापी-कलम व टैब मुहैया कराकर शिक्षा व्यवस्था को उन्नत नहीं किया जा सकता। आधारभूत संरचना को विकसित करना जरूरी है, जिसकी इस सरकार ने पिछले 13 वर्षों के दौरान उपेक्षा की है। सरकार को सटीक शिक्षा नीति लागू करनी चाहिए।

राजस्थान में 190 सरकारी स्कूल बंद

जासं, जयपुर : राजस्थान में सरकार ने 190 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए हैं। इनमें से 169 स्कूल ऐसे थे, जिनमें एक भी छात्र-छात्रा नहीं थे, जबकि शिक्षक तैनात थे। जीरो संख्या होने के बावजूद शिक्षक प्रतिदिन स्कूल जाते थे। अब सरकार बंद किए गए स्कूलों के शिक्षकों को ऐसे स्कूलों में लगाएगी जहां कम या एक भी शिक्षक नहीं है। साथ ही 21 ऐसे स्कूलों को आपस में मर्ज किया गया है, जिनमें छात्र-छात्राओं की संख्या काफी कम थी। इनमें से कुछ स्कूल सुबह और शाम दो पालियों में चल रहे थे।

ईपीएस के तहत न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये करने की मांग

- पेंशनधारकों के प्रतिनिधि मंडल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से की भेंट
- वित्त मंत्री ने मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, प्रेट्र: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महंगाई भत्ते के साथ न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये मासिक किये जाने समेत अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। ईपीएस 95 राष्ट्रीय आंदोलन समिति (एनएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से मुलाकात की।

बैठक के बाद राउत ने कहा कि वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। राउत के अनुसार, 'यह आश्वासन हमें उम्मीद देता है। सरकार को आगामी बजट में 7,500 रुपये न्यूनतम पेंशन और महंगाई भत्ता की घोषणा करनी चाहिए। इससे कम कुछ भी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन देने में विफल होगा।' वित्त मंत्री सीतारमण वर्ष 2025-26 के लिए आम बजट एक फरवरी को संसद में पेश करेंगी।

राउत ने मुलाकात से पहले संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), निजी संगठनों, और देशभर के कारखानों से जुड़े 78 लाख से अधिक पेंशनधारकों की दुर्दशा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पेंशनधारक सात-आठ साल से महंगाई भत्ता के साथ-साथ न्यूनतम पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रुपये करने और पेंशनधारकों तथा उनके जीवनसाथी के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। राउत ने दावा किया कि सरकार द्वारा 2014 में 1,000 रुपये न्यूनतम पेंशन की घोषणा के बावजूद अभी भी 36.60 लाख से अधिक पेंशनभोगी इससे कम राशि प्राप्त कर रहे हैं।

सार्थक कदम

हरियाणा में अवैध अप्रवास रोकने को कानून बनाएगी नायब सरकार

घुसपैठियों के साथ बांग्लादेशियों व रोहिंग्या मुसलमानों पर लगेगी रोक, पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 300 करोड़ के प्रस्ताव बनाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

हरियाणा में अवैध अप्रवास (इमीग्रेशन) रोकने को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर है। गृह और पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अवैध तरीके से विदेश में जाने और वहां से आने वालों पर रोक लगाने, घुसपैठियों, बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों पर रोक लगाने की दिशा में पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि हरियाणा सरकार अवैध अप्रवास (इमीग्रेशन) रोकने के लिए बजट सत्र में कानून बनाएगी।

पंचकूला स्थित पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षकों समेत उच्चाधिकारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री विदेश में बैठकर हरियाणा में आपराधिक गतिविधियां चलाने वाले बदमाशों पर काफी सख्त दिखे। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में शामिल बदमाशों तथा यहां उनकी मदद करने वालों के विरुद्ध मुहिम चलाकर रीढ़ तोड़ने की जरूरत है।

पुलिस को सभी संसाधन सरकार मुहैया कराएगी। अपराध रोकने के लिए अच्छा काम करने वाले पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को पालिसी बनाकर उन्हें सम्मानित करने पर सरकार विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में पुलिस आधुनिकीकरण पर 300 करोड़ रुपये खर्च करने का वादा किया था। गृह व पुलिस विभाग को इस संबंध में कार्य योजना बनाने के आदेश दिए गए हैं। राज्य सरकार को प्रस्ताव मिलते ही उसे मंजूर कर दिया जाएगा। इस राशि से पुलिस संसाधनों में बढ़ोतरी होगी। बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ से जुड़े सवाल पर नायब सैनी ने कहा कि सभी पुलिस अधीक्षकों को उन्हें चिह्नित करने के लिए कहा गया है। पूरी लिस्ट सरकार के पास आने के बाद निर्णय लिया जाएगा कि उन्हें वापस भेजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कुछ बदमाश विदेश में बैठकर अपराध कर रहे हैं। उनके गुर्गे यहां बैठे हुए हैं। अभियान चलाकर ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। राज्य में तीन नये कानून लागू करने में हो रही देरी पर सीएम ने कहा कि नये कानून हरियाणा में तय समय सीमा से पहले लागू होंगे। हरियाणा पहला राज्य बनेगा, जो इन कानूनों को अपने यहां लागू करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार 28 फरवरी तक इन्हें लागू कर देगी।

हरियाणा में ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण अनिवार्य

हरियाणा सरकार पहले ही हरियाणा रजिस्ट्रेशन और ट्रैवल एजेंट का विनियमन विधेयक, 2024 को मंजूर कर चुकी है, जिसके तहत राज्य में ट्रैवल एजेंटों के अनिवार्य रजिस्ट्रेशन को जरूरी किया गया है। इस कानून के तहत मानव तस्करी के अपराध के लिए 10 साल तक की कैद, दो से पांच लाख रुपये का जुर्माना और संपत्तियों की कुर्की की कड़ी सजा का प्रविधान किया गया है।

नायब सिंह सैनी। फाइल

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

23 अक्टूबर 2023 को रघुवर दास ने ओडिशा के राज्यपाल बनाए जाने के बाद भाजपा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। अब राज्यपाल पद से विमुक्त होने के बाद उन्होंने फिर से भाजपा की सदस्यता ली।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 11 जनवरी, 2025

आइएनडीआइए को लेकर अब शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने दिखाई आंख

कहा, विपक्ष गठबंधन टूटा तो इसके लिए कांग्रेस होगी जिम्मेदार

इससे पहले गठबंधन के कई दल कांग्रेस पर उठा चुके हैं सवाल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

संजय राउत। फाइल

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में मची रार थमने का नाम नहीं ले रही है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने अब गठबंधन को लेकर आंख दिखाई है। उन्होंने कहा है कि यदि विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए से जुड़े दलों को लगता है कि यह गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, तो इस स्थिति के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया जाना चाहिए। क्योंकि, कांग्रेस ही इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है और इसे एकजुट रखना उसकी जिम्मेदारी है।

इससे एक दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आइएनडीआइए के नेतृत्व और एजेंडे पर स्पष्टता की कमी को लेकर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि अगर यह गठबंधन केवल 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए था, तो इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले गठबंधन में शामिल तृणमूल कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी ने भी आइएनडीआइए के आस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं। शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला की बात को आगे बढ़ाते हुए संजय राउत ने कहा कि यदि गठबंधन सहयोगियों को लगता है कि आइएनडीआइए गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए था और अब अस्तित्व में नहीं है, तो इस स्थिति के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। राउत ने कहा कि हमने लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा और अच्छे नतीजे हासिल किए। लेकिन उसके बाद कोई संवाद नहीं हुआ है। भविष्य की योजनाएं तैयार करने के लिए गठबंधन की एक बैठक होनी चाहिए थी। इस संबंध में पहल करना कांग्रेस की जिम्मेदारी थी। विपक्षी गठबंधन में सहयोगियों के बीच संवाद की कमी से यह आभास हो रहा है कि दो दर्जन से अधिक दलों वाले इस समूह में सब कुछ ठीक नहीं है।

राउत ने चेतावनी दी कि 2024 के संसदीय चुनावों से पहले बना गठबंधन यदि टूट जाता है, तो इसे पुनर्जीवित नहीं किया जा सकेगा। यदि गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए था, तो घोषित कर दीजिए कि आइएनडीआइए अब अस्तित्व में नहीं है। उस स्थिति में सभी सहयोगी अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र होंगे। पिछले साल नवंबर में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के समय भी कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने तब हस्तक्षेप नहीं किया था, जब उसकी राज्य इकाई सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान कड़ी सौदेबाजी कर रही थी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कई विधानसभा सीटें ऐसी थीं, जहां राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) के पास अच्छे उम्मीदवार थे, लेकिन कांग्रेस ने उन सीटों पर दावा नहीं छोड़ा।

तेजस्वी ने दोहराया, आइएनडीआइए बिहार में शुरू से ही महागठबंधन

राब्यू, जागरण ● पटना : आइएनडीआइए का अस्तित्व नहीं रह जाने से संबंधित अपने पहले के बयान को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को दोबारा स्पष्ट किया। इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा है कि हमसे दिल्ली के संदर्भ में आइएनडीआइए के बारे में प्रश्न पूछा गया था। हमने लोकसभा चुनाव आइएनडीआइए के बैनर तले लड़ा। पंजाब में आम आदमी पार्टी अलग से लड़ी। केरल में वाम दल अलग लड़े। राष्ट्रीय स्तर पर हमारा गठबंधन आइएनडीआइए है और जहां तक बिहार का प्रश्न है, यहां आइएनडीआइए शुरू से ही महागठबंधन है। पिछला विधानसभा चुनाव राजनीतिक दलों के गठबंधन के साथ ही लड़ा गया था। वहीं, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने भरी सभा में कहा था कि बिहार और यूपी के लोग 500 रुपये का टिकट कटाकर दिल्ली आते हैं और पांच लाख का उपचार कराकर यहां से भाग जाते हैं। जिन पूर्वांचली और बिहारी को फर्जी वोटर कहा जा रहा है, उन्हीं ने केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया था। आगामी चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

55 दिन बाद स्वीकार हुआ सुखबीर का इस्तीफा

राज्य ब्यूरो.जागरण ● चंडीगढ़

- 20 जनवरी से 20 फरवरी तक सदस्यता अभियान, एक मार्च को अध्यक्ष का चुनाव
- विरोधी गुट को पंजाब से बाहर रखने की रणनीति, सुखबीर का फिर प्रधान बनना तय

चंडीगढ़ में शिरोमणि अकाली दल की वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए डा. दलजीत सिंह चीमा। जागरण

55 दिन की लंबी जद्दोजहद के बाद शिरोमणि अकाली दल की वर्किंग कमेटी ने सर्वाधिक लंबे समय तक प्रधान रहे सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। नए प्रधान का चुनाव एक मार्च को होगा।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर बादल वर्ष 2008 में शिअद के प्रधान बने थे। तीन दशक की राजनीति में बादल परिवार के सामने पहला मौका है जब उसका पार्टी पर कब्जा नहीं रहा है। हालांकि, जिस प्रकार से नए चुनाव और सदस्यता अभियान को लेकर नेताओं की जिम्मेदारी तय हुई है। विरोधी गुट को पंजाब से बाहर रखा गया है, उससे साफ है कि एक मार्च को उनका फिर से प्रधान बनना तय है, लेकिन इस डेढ़ महीने में अकाली दल की प्रधानगी बादल परिवार के पास नहीं रहेगी। पार्टी हर पांच साल बाद अपना नया ढांचा बनाती है, लेकिन इससे पहले कभी नहीं हुआ कि सुखबीर बादल को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया हो। यहां तक कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा हो।

खास बात है कि शिअद वर्किंग कमेटी की शुक्रवार को दो घंटे से ज्यादा लंबे समय तक चली बैठक में सुखबीर की मौजूदगी में ही उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। पार्टी के सीनियर अनुसूचित जाति के नेता गुलजार सिंह राणिके को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। डा. दलजीत सिंह चीमा सचिव के रूप में उनके साथ रहेंगे। चीमा ने बताया कि 20 जनवरी से 20 फरवरी तक चलने वाले सदस्यता अभियान के तहत 25 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य है। एक मार्च को पार्टी के डेलीगेट नए प्रधान को चुनेंगे। तब तक कार्यकारी प्रधान बलविंदर सिंह भूंदड़ और संसदीय बोर्ड ही पार्टी का संचालन करते रहेंगे। श्री अकाल तख्त की ओर से भर्ती अभियान को चलाने वाली सात सदस्यीय कमेटी में से पूर्व विधायक गुरप्रताप सिंह वडाला को बाहर रखा गया है। श्री अकाल तख्त साहिब की बनाई कमेटी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी को जम्मू-कश्मीर और होशियारपुर जिले का प्रभारी बनाया गया है। वह एसजीपीसी प्रधान हैं।

सुखबीर के इस्तीफे का असर

- राज्य की राजनीति में सुखबीर की राह और मुश्किल होने वाली है क्योंकि अब उन्हीं की पार्टी का एक धड़ा चुनौती देने को तैयार बैठा है।
- पंथक राजनीति में गुरप्रताप सिंह वडाला व अन्य से चुनौती मिलेगी, वहीं गरम ख्याली धड़ा सांसद अमृतपाल की अगुआई में भी खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। यह धड़ा माघी के मेले पर मुक्तसर में अपनी पार्टी का गठन करेगा। सुखबीर के लिए यह भी बड़ी चुनौती है।

आरजी कर कांड के खिलाफ मुखर होने वाले शांतनु टीएमसी से निलंबित

अराबुल इस्लाम। फाइल

शांतनु सेन। फाइल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- विधायक से उलझने वाले अराबुल को भी दिखाया बाहर का रास्ता

तृणमूल नेतृत्व ने शुक्रवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पूर्व राज्यसभा सदस्य डा. शांतनु सेन व दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ के नेता अराबुल इस्लाम को पार्टी से निलंबित कर दिया। शांतनु सेन को लेकर पार्टी में असहज स्थिति थी। आरजी कर कांड के दौरान वह अधिक मुखर हुए थे, जिसे तृणमूल नेतृत्व ने सही नहीं माना था। मालूम हो कि पहले सेन को आरजी कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष पद से हटाया गया था, वह अब तक अस्पताल से जुड़े हुए थे। इसके बाद उन्हें पार्टी के प्रवक्ता पद से हटा दिया गया था। अराबुल की हाल में तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला के साथ तीखी कहासुनी हुई थी। पार्टी को यह भी अच्छा नहीं लगा था। इससे पहले पार्टी नेतृत्व ने बार-बार चेतावनी दी थी कि पार्टी में किसी भी तरह का टकराव कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद अराबुल-शौकत आपस में उलझते रहे। इसके बाद तृणमूल ने अराबुल को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इससे पहले भी अराबुल को छह साल के लिए निलंबित किया गया था। बाद में तृणमूल ने निलंबन वापस ले लिया था।

भाजपा में लौटे रघुवर, कहा- वी विल कम बैक सून

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

- ओडिशा के राज्यपाल पद से विमुक्त होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर ने ली भाजपा की सदस्यता
- झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद फिर से पार्टी की वापसी का जताया भरोसा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का स्वागत करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी। एएनआइ

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास शुक्रवार को भाजपा में शामिल होते ही बोले-वी विल कम बैक सून यानी पार्टी जल्द ही वापसी करेगी। झारखंड में 2024 के विधानसभा चुनाव में हार से उपजी निराशा को खत्म कर भाजपा कार्यकर्ताओं से उन्होंने संगठन और लोगों की सेवा में लग जाने को कहा। ओडिशा के राज्यपाल बनाए जाने के बाद रघुवर दास ने भाजपा की सदस्यता से 23 अक्टूबर 2023 को त्यागपत्र दे दिया था। अब राज्यपाल पद से विमुक्त होने के बाद उन्होंने फिर से भाजपा की सदस्यता ली। आनलाइन तरीके से सदस्यता लेने के बाद प्रदेश कार्यालय के बाहर एक कार्यक्रम में उनका स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रघुवर दास का स्वागत करते हुए कहा कि हम लोगों ने पहले भी साथ में काम किया है। भाजपा एकबार फिर से झारखंड में वापसी करेगी, सरकार बनाएगी। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने किया।

हेमंत को वादे पूरे करने के लिए दिए छह महीने: कार्यक्रम में रघुवर दास ने कहा कि हालांकि झामुमो गठबंधन को विधानसभा चुनाव में जीत मिली है लेकिन हमें भी मजबूत विपक्ष का जनादेश मिला है। 2025 में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है तो नए साल में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए भी अमृत प्राप्ति का अवसर है।

भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए रघुवर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। कहा कि उनकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। पार्टी का सेवक बनकर और कार्यकर्ता बनकर लोगों की सेवा करनी है।

मप्र से कांग्रेस करेगी संविधान बचाओ पदयात्रा की शुरुआत, वर्ष भर चलेगी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- डा.भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में 26 जनवरी के बजाय 27 जनवरी को शुरू होगी
- इसी दिन 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के अंतर्गत रैली निकाली जाएगी

कांग्रेस बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर के कथित अपमान के मामले को गर्माए रखने की कोशिश लगातार कर रही है। अब कांग्रेस बाबा साहेब की जन्मस्थली महू में 27 जनवरी को 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान रैली करने जा रही है। यह पहले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को प्रस्तावित थी, लेकिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कार्यक्रम में संशोधन किया गया है।

इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा सहित वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। यहीं से 'संविधान बचाओ पदयात्रा' की शुरुआत भी होगी, जो वर्षभर चलेगी।

बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में संविधान पर चर्चा के दौरान भाषण के एक अंश को लेकर यह विवाद शुरू हुआ था। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने बयान को डा. आंबेडकर के अपमान से जोड़ा था। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर संसद में सरकार को घेरने का प्रयास किया और अब इस मुद्दे को गांव-गांव तक ले जाने की तैयारी है। इसके लिए 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के अंतर्गत महू में रैली की जाएगी ताकि पूरे देश में संदेश दिया जा सके।

इसकी तैयारी के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी और विभिन्न समितियों की शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठक हुई। इसमें प्रदेश प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता महू आएंगे और कार्यक्रम की तैयारी भी उसी प्रकार से करनी है।

राष्ट्रीय फलक

समान विचारधारा वाले देश शांति के लिए मिलकर प्रयास करें : राजनाथ

नई दिल्ली में शुक्रवार को मानेकशा सेंटर में ऐम्बेसडर्स राउंड-टेबल मीटिंग में राजनाथ सिंह। साथ में सीडीएस अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश के. त्रिपाठी, थलसेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह व अन्य। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में कई संघर्षों के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए समान विचारधारा वाले देशों को शांति के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए। वह राजदूतों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा कि अगले महीने एयरो इंडिया एयरोस्पेस प्रदर्शनी राष्ट्रों को संयुक्त रूप से ताकत और क्षमताओं का पता लगाने और रणनीतिक और सामरिक जरूरतों को संबोधित करने का अवसर प्रदान करती है। भारत की द्विवार्षिक एयरोस्पेस प्रदर्शनी एयरो इंडिया देश को रक्षा विनिर्माण के केंद्र के रूप में पेश करने के उद्देश्य से 10-14 फरवरी तक बेंगलुरु के येलहंका में आयोजित होगी।

ननद ने दूसरी जाति के लड़के से की शादी, इस आधार पर भाभी को मिला तलाक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

- तलाक की वैधता पर हाई कोर्ट करेगा 20 जनवरी को सुनवाई
- ननद के दूसरी जाति में शादी करने पर अपनी ससुराल का घर छोड़ दिया

प्रतीकात्मक।

गुजरात में एक युवती ने ननद के अंतरजातीय विवाह की बात छिपाने को क्रूरता बताते हुए पति से तलाक ले लिया है। पारिवारिक न्यायालय के इस फैसले की समीक्षा के बाद गुजरात हाई कोर्ट अब यह तय करेगा कि बहन के अन्य जाति में विवाह की बात नहीं बताना क्या तलाक का कारण हो सकता है। हाई कोर्ट के जस्टिस बीरेन वैष्णव व जस्टिस डीएम देसाई की खंडपीठ ने भावनगर निवासी पति की याचिका को स्वीकार करते हुए इस मामले में 20 जनवरी को सुनवाई करेगा।

वर्ष 2018 में भावनगर में कानूनी पेशे से जुड़े युवक का विवाह अपने समुदाय की लड़की से परंपरागत तरीके से संपन्न हुआ था। ससुराल आने पर युवती को जब यह बात पता चला कि उसकी ननद ने दूसरी जाति में शादी कर ली है, उसने महज दो दिन बाद ही अपनी ससुराल का घर छोड़ दिया। इसके बाद 2020 में युवती ने क्रूरता का दावा करते हुए भावनगर पारिवारिक न्यायालय में तलाक के लिए अर्जी दी। उसने कहा कि उसके पति ने अपनी बहन की अंतरजातीय शादी के बारे में उससे जानकारी छिपाई थी। उन्होंने शादी से पहले अपनी दो बहनों का जिक्र तो किया, लेकिन तीसरी बहन का जिक्र नहीं किया, जिसने अपनी जाति से बाहर शादी की थी। पारिवारिक न्यायालय ने युवती की बातों को मान्य रखते हुए विवाह से पहले बहन के अंतरजातीय विवाह की जानकारी नहीं देने को क्रूरता बताते हुए उनके तलाक को मंजूरी दे दी। इसके बाद पति ने पारिवारिक न्यायालय के फैसले को चुनौती दी और तलाक के आदेश को रद करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए युवती को नोटिस जारी किया है।

जो पर्यावरण का नुकसान करेगा, वही भरपाई भी करेगा : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- उत्तराखंड में हाई कोर्ट का कड़ा रुख, बागेश्वर में खड़िया खनन एक माह के लिए बंद

हाई कोर्ट ने उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में खड़िया खनन पर एक माह के लिए पूरी तरह से रोक लगाने के साथ ही 160 खदान संचालकों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब खदानों के एवज में ग्रामीणों को मुआवजा सरकार नहीं बल्कि खदान संचालक देंगे। जो पर्यावरण का नुकसान करेगा, वही भरपाई भी करेगा। कोर्ट ने एसपी बागेश्वर को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि खदानों से किसी भी हाल में खनन न हो और खड़िया परिवहन पर पूर्ण रोक लगे। कोर्ट ने सरकार से एक सप्ताह में विस्तृत जवाब दाखिल करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई तिथि 12 फरवरी नियत कर दी।

शुक्रवार को हाई कोर्ट में बागेश्वर के कांडा क्षेत्र में खड़िया खनन से ग्रामीणों के घरों में आई दरारों सहित अन्य पर्यावरणीय नुकसान को लेकर स्वतः संज्ञान लेती जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान औद्योगिक विकास सचिव बृजेश कुमार संत, निदेशक खनन राजपाल लेघा, जिलाधिकारी बागेश्वर आशीष भटगाईं व एसपी चंद्रशेखर घोड़के कोर्ट में पेश हुए। सरकार की ओर से मुख्य स्थायी अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर बागेश्वर की जिला खान अधिकारी जिज्ञासा बिष्ट को निलंबित किया जा चुका है। कोर्ट ने कार्रवाई में देरी पर एसपी से कड़े सवाल किए। कहा कि जब सरकार खनन बंद होने की बात कह रहे थे तो मशीनें वहां कैसे पहुंच गईं।

दो वर्षों में आइसीएफ में 50 अमृत भारत ट्रेनें बनाई जाएंगी

चेन्नई, प्रेट्र : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि अमृत भारत संस्करण 2.0 ट्रेनों में मुख्य रूप से 12 सुधार किए जाएंगे। इनमें माड्यूलर शौचालय, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली और उन्नत डिजाइन शामिल हैं। अगले दो वर्षों में यहां इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आइसीएफ) में ऐसी 50 ट्रेनें बनाई जाएंगी। वैष्णव ने शुक्रवार को आइसीएफ के महाप्रबंधक यू सुब्बा राव के साथ फैक्ट्री का निरीक्षण किया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार को लोगों की सेवा को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। केंद्र और उनका मंत्रालय लोगों के कल्याण की खातिर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत संस्करण 2.0 यहां बनते देखकर बहुत खुशी हुई। अमृत भारत संस्करण 1.0 को प्रधानमंत्री मोदी ने जनवरी 2024 में शुरू किया था।

सावरकर से जुड़े मुद्दे पर राहुल को 25 हजार के मुचलके पर जमानत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- कोर्ट ने राहुल गांधी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने से भी दी छूट

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पुणे की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने मानहानि के एक मामले में 25000 रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी है। अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को भविष्य में व्यक्तिगत तौर पर पेश होने से भी छूट दे दी है।

राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का यह मामला स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र सात्यकि सावरकर ने दायर किया था। क्योंकि राहुल गांधी ने मार्च 2023 में अपनी विदेश यात्रा के दौरान वीर सावरकर की एक पुस्तक के अंश का उल्लेख करते हुए कहा था कि सावरकर और उनके साथियों ने एक मुस्लिम को पीटकर खुशी महसूस हुई थी। सात्यकि ने राहुल गांधी के इस कथन का खंडन करते हुए अदालत में कहा था कि विनायक दामोदर सावरकर की किसी पुस्तक में ऐसा कोई अंश नहीं है। उन्होंने इस दावे के साथ राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दायर किया था कि उनके झूठे आरोपों से सावरकर का पौत्र होने के कारण उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज इस मामले में सुनवाई में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के सामने हाजिर हुए। पुणे के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहन जोशी ने उनकी ओर से उनकी ओर से 25000 रुपए का मुचलका भरकर उनकी जमानत ली। राहुल गांधी के वकील मिलिंद पवार के अनुसार इस मामले की अगली तारीख 18 फरवरी निर्धारित की गई है।

माइनस 60 डिग्री तापमान में भी सैन्य कर्मियों को गर्म रखेगा 'हिमकवच'

नई दिल्ली, एएनआइ : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 'हिमकवच' नाम से मल्टीलेयर क्लोथिंग सिस्टम को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जिसे अत्यधिक ठंडे वातावरण में काम करने वाले सैन्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है।

डीआरडीओ ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि 20 डिग्री सेल्सियस से माइनस 60 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को झेलने के लिए डिजाइन किए गए हिमकवच ने हाल ही में सभी टेस्ट को पास कर लिया है, जो भारत की रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। हिमकवच प्रणाली में कई परतें शामिल हैं। यह वस्त्र प्रणाली हिमालयी क्षेत्र में ठंडे मौसम की स्थिति में सैन्य अभियानों में बहुत उपयोगी होगी, जहां तापमान में भारी गिरावट आ सकती है, जिससे कर्मियों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

****

मानेसर भूमि घोटाले में भूपेंद्र हुड्डा समेत अन्य आरोपितों को झटका

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पर लगी रोक के आदेश 27 जनवरी के बाद हटेंगे
- हुड्डा के साथ कई नौकरशाह और बिल्डर भी हैं इस मामले में आरोपित

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बड़ा झटका देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मानेसर भूमि घोटाले में ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पर लगी रोक 27 जनवरी के बाद हट जाएगी। इस घोटाले में हुड्डा मुख्य आरोपितों में से एक हैं। साथ ही, कुछ पूर्व नौकरशाहों में राजीव अरोड़ा, एसएस ढिल्लों, छतर सिंह और एमएल तायल भी आरोपितों में हैं जिन्होंने तत्कालीन सीएम के साथ प्रमुख पदों पर काम किया था। आरोपितों में कई बिल्डर भी शामिल हैं।

हुड्डा और इन नौकरशाहों के खिलाफ मुकदमा दिसंबर, 2020 से रुक गया था। नौकरशाहों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस मंजरी नेहरू कौल ने सीबीआइ के आवेदन पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किए हैं। सीबीआइ के वकील रवि कमल गुप्ता ने अदालत से सुनवाई की वास्तविक तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि जिस मामले में पिछले चार वर्षों से रोक लगी हुई है, उसका निपटारा किया जा सके।

सीबीआइ ने पूर्व गृह सचिव राजीव अरोड़ा की याचिका के संबंध में आवेदन दायर किया था, जिनकी याचिका पर हाईकोर्ट ने दिसंबर 2020 में सुनवाई पर रोक लगा दी थी। अदालत ने मामले की सुनवाई 27 जनवरी दोपहर 2.30 बजे के लिए स्थगित कर दी और यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी परिस्थिति में स्थगन नहीं दिया जाएगा।

उत्तराखंड में कामिल-फाजिल की डिग्री नहीं देगा मदरसा बोर्ड

जासं, देहरादून : मुस्लिम छात्रों के लिए मदरसों से दी जाने वाली कामिल और फाजिल की डिग्रियों को सुप्रीम कोर्ट से असंवैधानिक करार देने के बाद उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने छात्रों की फीस वापस देने का फैसला लिया है। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड का मानना है कि राज्य में पंजीकृत 415 मदरसों में पढ़ रहे तकरीबन 1500 छात्रों का भविष्य अधर में नहीं रहेगा। इन छात्रों को किसी विश्वविद्यालय से संबंध कराकर दाखिला प्राथमिकता के आधार कराया जाएगा।

उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के चेयरमैन मुफ्ती शमून कासमी ने बताया कि कामिल-फाजिल कोर्स के परीक्षा फार्म अब आगे से नहीं भरवाए जाएंगे। जिन्होंने फार्म भरे हैं उनकी फीस वापस की जाएगी। कहा कि नगर निकाय चुनाव की आचार संहिता के खत्म होने के बाद बोर्ड की बैठक होगी।

250 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 में। साथ ही आठ सौ से ज्यादा ने आत्मसमर्पण कर दिया है और मुख्यधारा में लौटे हैं।

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री ने गायक पी. जयचंद्रन को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को प्रसिद्ध गायक पी. जयचंद्रन को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न भाषाओं में जयचंद्रन की भावपूर्ण प्रस्तुतियां पीढ़ियों तक याद आती रहेंगी। बता दें कि मलयालम सिनेमा में योगदान के लिए याद किए जाने वाले जयचंद्रन का गुरुवार को केरल में त्रिसूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। (प्रेट्र)

परफ्यूम की एक्सपायरी डेट बदलने के प्रयास में विस्फोट

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में परफ्यूम के बोतलों पर एक्सपायरी डेट बदलने के प्रयास के दौरान एक फ्लैट में हुए विस्फोट से एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई के बाहरी क्षेत्र नाला सोपारा में स्थित रोशनी अपार्टमेंट के कमरा संख्या 112 में गुरुवार की रात यह घटना हुई। घायलों में एक नौ वर्ष का लड़का व एक 14 वर्ष की किशोरी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि विस्फोटक पदार्थ के कारण हादसा हुआ। (प्रेट्र)

केरल के चर्च में ईसाई समुदाय के बीच हिंसक झड़प

कोच्चि : पादरियों के एक समूह ने कोच्चि स्थित मुख्यालय में नवगठित क्यूरिया को बर्खास्त करने की मांग को लेकर गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ईसाई समुदाय के लोगों के बीच हिंसक झड़प हुई। टकराव का वीडियो शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर सामने आया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर लोगों को शांत कराया। अभी तक किसी ने मामला पंजीकृत नहीं कराया है। चर्च को प्रभावी तरीके से संचालन में सहायता करने वाले निकाय को क्यूरिया कहा जाता है। (प्रेट्र)

मृत व्यक्ति पर निवेशकों से 82.5 लाख की ठगी का आरोप

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक मृत व्यक्ति के विरुद्ध निवेशकों के साथ 82.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में मामला पंजीकृत किया गया है। निवेशकों ने ठाणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को शिकायत सौंपी थी और जांच के दौरान ही चार दिसंबर, 2024 को आरोपित की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि बुधवार को नौपदा थाने ने मामला पंजीकृत कर लिया। (प्रेट्र)

विदेश में नौकरी के नाम पर ठगी करने वालों को जेल

नई दिल्ली : केरल में एर्नाकुलम के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने धोखाधड़ी के मामले में चार एजेंटों को दोषी ठहराया और तीन को पांच वर्ष जेल की सजा सुनाई है। चौथी महिला दोषी सजा पर सुनवाई में उपस्थित नहीं हुई इसलिए उसके मामले को अलग कर दिया गया है। सीबीआइ ने शुक्रवार को कहा कि इटली, स्पेन और ब्रिटेन में नौकरी दिलाने के नाम पर दोषियों ने 21 लोगों के साथ धोखाधड़ी की थी। (आइएएनएस)

नाबालिग से दुष्कर्म मे तेलुगु यूट्यूबर को 20 साल की जेल

विशाखापत्तनम : विशाखापत्तनम की विशेष पोक्सो अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले तेलुगु यूट्यूबर चिप्पाडा भार्गव को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने 14 वर्षीय पीड़िता को चार लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। भार्गव को अप्रैल 2021 में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता के परिवार के सदस्य ने 16 अप्रैल 2021 को पेंडुरथी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जब उन्हें पता चला कि पीड़िता चार महीने की गर्भवती थी। आरोपित को हैदराबाद में गिरफ्तार किया गया और विशाखापत्तनम लाया गया। भार्गव पर पोक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं और भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (यौन उत्पीड़न के लिए सजा), और 354 (महिला पर हमला या आपराधिक बल) के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल कर सभी साक्ष्य विशेष अदालत में पेश किए। अदालत ने दोषी पाया और 20 साल कैद की सजा सुनाई। (आइएएनएस)

सुप्रीम कोर्ट ने संभल मस्जिद मामले में कुएं के बारे में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

शाही जामा मस्जिद की प्रबंध कमेटी की अर्जी पर जिला मजिस्ट्रेट से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

कुआं को लेकर कोई कदम नहीं उठाने के निर्देश के साथ ही केंद्र और एएसआइ को भी नोटिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने संभल में शाही जामा मस्जिद के बाहर सीढ़ियों के पास स्थित कुएं के बारे में यथास्थिति बनाए रखने की मस्जिद कमेटी की मांग पर नोटिस जारी करते हुए कुएं के बारे में जिला मजिस्ट्रेट से दो सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि कुएं के बारे में नगर पालिका परिषद का अगर कोई नोटिस है तो वह प्रभावी नहीं होगा यानी जिला प्रशासन उस पर अमल नहीं करेगा। कोर्ट ने कुएं को लेकर कोई कदम नहीं उठाने का निर्देश देने के साथ ही केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को भी नोटिस जारी किया है।

ये आदेश प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने शाही जामा मस्जिद प्रबंध कमेटी की अर्जी पर शुक्रवार को दिए। कमेटी ने निचली अदालत के सर्वे आदेश के खिलाफ दाखिल विशेष अनुमति याचिका के मामले में ही एक नई अर्जी दाखिल कर कुएं के संबंध में यथास्थित बनाए रखने का आदेश मांगा है। कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी और फुजैल अहमद अयूबी पेश हुए। हुजैफा ने दलीलें रखनी शुरू ही की थीं कि प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर कुआं खुला है और सार्वजनिक है तो सभी लोग उसका प्रयोग कर सकते हैं। वहां सीसीटीवी लगाने का आदेश दिया जा सकता है। हुजैफा ने कहा कि कुआं सार्वजनिक नहीं है और न ही खुला है, लेकिन पीठ ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि आपकी अर्जी में ही लिखा है कि कुआं कुछ खुला कुछ बंद है। उसमें एक पंप लगा है। हुजैफा ने कहा कि पंप से मस्जिद में पानी जाता है, जिसका वहां प्रयोग होता है।

दूसरी ओर संभल जिला प्रशासन की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल केएम नटराज ने हुजैफा की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि इससे विवाद बढ़ सकता है। अभी वहां शांति व्यवस्था कायम है, लेकिन हुजैफा ने मामले में यथास्थिति कायम रखने का आदेश मांगते हुए कहा कि वहां हरिहर मंदिर और पूजा की बात हो रही है। इस पर कोर्ट ने मौखिक तौर पर नटराज से ऐसा न करने को कहा।

पीठ ने कमेटी की अर्जी के साथ लगाए गए फोटो और नक्शा देखने के बाद जिला प्रशासन को कुएं के बारे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

संभल दर्शन इतिहास में कुएं का जिक्र

जामा मस्जिद की सीढ़ियों के बराबर कुआं है। सीमेंट स्लैब डालकर कुएं को पाट रखा है। वर्तमान में यहां पुलिस पिकेट भी तैनात है। जामा मस्जिद के मंदिर होने के वाद में आठ वादकारियों में शामिल कैलादेवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी के मुताबिक यह कूप (कुआं) संभल के 19 कूपों में से एक है। आसपास के लोगों के अनुसार, यहां पूजा-अर्चना होती थी। सभासद राजेंद्र सिंह ने बताया कि शादी-विवाह और नामकरण संस्कार होने के बाद कुआं पूजन होता था। उस समय के कुछ फोटो भी हैं। जामा मस्जिद के सदर एडवोकेट जफर अली का कहना है कि जामा मस्जिद कमेटी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में कुएं को लेकर याचिका दायर की गई थी। जिस पर अदालत ने रोक लगाई है। यह कुआं एएसआइ द्वारा संरक्षित है। इतिहासकार अजय शर्मा बताते हैं कि इस कूप का संभल दर्शन इतिहास पुस्तक में धारिणी वाराह कूप नाम बताया गया है।

50 मुकदमों के मिले क्राइम नंबर, गवाहों के मुकरने पर खत्म हो गए कई केस

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

- कुछ मुकदमे तत्कालीन सरकार द्वारा वापस लेने की बात, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं
- एडीएम और एएसपी की संयुक्त टीम एकत्र कर रही है ब्योरा, सामने आए कई नए तथ्य

1978 के संभल दंगे में दोनों पक्षों और पुलिस की ओर से करीब 180 प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिनमें करीब 150 के क्राइम नंबर मिल गए हैं। हालांकि, संभल कोतवाली में एक अभिलेख में 29 मार्च, 1978 को नौ लोगों की मृत्यु होने का उल्लेख है। इधर, तीन कोर्ट में चले 15 से अधिक मुकदमे गवाहों के मुकरने के बाद खत्म कर दिए गए। शासन के निर्देश के बाद सक्रिय अफसरशाही ने दंगे के बारे में काफी जानकारी जुटा ली है। अधिकारी अभी इसके बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं।

अधिकृत सूत्रों के अनुसार, चर्चा यह भी है कि कुछ मुकदमों को तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया था, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं है। दंगे के समय संभल, मुरादाबाद जिले में था। लिहाजा, मुकदमों की स्थिति जानने के लिए रिकार्ड रूम में शुक्रवार को दिनभर फाइलों को खंगाला गया है।

संभल में 29 मार्च, 1978 को सांप्रदायिक दंगा भड़क गया था। इसमें कई हिंदुओं को जिंदा जला दिया गया था। सैकड़ों हिंदू परिवारों को पलायन करना पड़ा था। एमएलसी श्रीचंद्र शर्मा के 17 दिसंबर, 2024 को सदन में मामला उठाने के बाद शासन ने सात दिन में संभल जिला प्रशासन से दंगे की रिपोर्ट तलब की। इसके लिए डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया ने एडीएम प्रदीप वर्मा और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एएसपी श्रीश्चंद्र को नामित किया है। दोनों अधिकारी संयुक्तरूप से प्रयास कर जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

शासकीय अधिवक्ताओं के साथ दंगे के मुकदमों से जुड़े अधिवक्ता इसकी जानकारी जुटाने में लगे हैं। जिला शासकीय अधिवक्ता नितिन गुप्ता का कहना है कि मुकदमों की फाइलों को खोजा जा रहा है।

सत्यव्रत पुलिस चौकी पर गूंजेंगे आजादी के तराने, गणतंत्र दिवस पर होगा शुभारंभ : जामा मस्जिद के सामने बन रही सत्यव्रत पुलिस चौकी का गणतंत्र दिवस पर शुभारंभ किया जाएगा। यहां पर आजादी से जुड़े किस्से भी बताए जाएंगे। चौकी का शुभारंभ डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई संयुक्त रूप से करेंगे। वर्तमान में चौकी की एक मंजिल बन चुकी है। शुक्रवार को डीएम-एसपी ने निर्माणाधीन चौकी पर पहुंचकर कार्य का जायजा लिया।

हिंदू के घर बनवाई मजार, मतांतरण का दबाव बनाने में चार भेजे गए जेल

जागरण संवाददाता, हमीरपुर

- तबीयत सही करने का झांसा देकर हिंदू महिला को बरगलाया
- उत्तर प्रदेश के हमीरपुर का मामला, एक आरोपित भाग निकला, जिसकी तलाश की जा रही

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में तबीयत सही करने का झांसा देकर मुस्लिम युवक ने हिंदू महिला के घर में मजार बनवा दी। उसके साथी कथित मौलाना मतांतरण का दबाव बनाने लगे। शुक्रवार को मजार पर फातिहा पढ़ने के दौरान चार मौलानाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपित भाग निकला, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपित के पकड़े जाने पर और जानकारी भी सामने आ सकती है।

हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे में राजमिस्त्री अजीत वर्मा की पत्नी उर्मिला वर्मा दो साल से तनाव और बुखार से पीड़ित हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि काफी इलाज कराने के बाद भी उनको कोई लाभ नहीं हुआ। कस्बे के मथुरा मंदिर के पास उसकी मुलाकात बांदा निवासी नूरुद्दीन उर्फ बुद्धू से हुई।

उसने घर में मजार बनाकर वहां फातिहा पढ़ने से तबीयत ठीक होने की बात कही। उसके कहने पर घर के एक कमरे में मजार बनवाई। गुरुवार रात नूरुद्दीन अपने भतीजे मेराज हसन, खालिद, इरफान व हनीफ के साथ उसके घर आकर कमरे में बनी मजार पर कव्वाली गाने लगे। शुक्रवार सुबह सभी ने फातिहा पढ़ी। उसके बाद आरोपितों ने उसे और पति से मतांतरण करने की बात कही। मना करने पर आरोपितों ने जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर मुहल्ले वाले जुटे और पुलिस को बुला लिया गया।

इस बीच भीड़ का फायदा उठाकर मेराज भाग निकला। पुलिस नूरुद्दीन, खालिद, इरफान व मुहम्मद हनीफ को थाने ले लाई और मुकदमा दर्ज करके चारों को जेल भेज दिया। एसपी डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि काल डिटेल निकलवाकर गिरोह के कनेक्शन तलाशे जा रहे हैं।

बावड़ी के ऊपर बने मकान में तोड़फोड़, 400 वर्गमीटर क्षेत्र होगा कवर

जागरण संवाददाता, चंदौसी (संभल) : बावड़ी की दीवार पर बने मकानों को हटाने का काम संभल जिला प्रशासन ने शुरू कर दिया है। बुलडोजर आने पर एक मकान स्वामी यूसुफ ने खुद ही सामान समेटना शुरू कर दिया। डीएम ने बावड़ी के दोनों ओर की सड़क के आसपास दीवार बनाने और टिनशेड डालने को कहा है। अधिकारी पहले कई बार कब्जा करने वालों को चेतावनी दे चुके हैं। शुक्रवार को भी अतिक्रमण हटाने से एक घंटा पहले युसुफ को नोटिस दिया गया। डीएम का कहना है इससे पहले भी एक नोटिस दिया गया था। जिनका मकान टूट रहा है, उन्हें पीएम आवास योजना के तहत आवास दिया जाएगा। देर रात अतिक्रमण हटाने का काम रोक दिया गया है। शनिवार को सुबह फिर शुरू किया जाएगा। 21 दिसंबर को एक शिकायत पर जिला प्रशासन ने मुहल्ला लक्ष्मण गंज में खाली पड़े एक प्लाट की खोदाई शुरू कराई थी। इसमें तीन मंजिला बावड़ी निकली। इसकी ऊपर की मंजिल को ध्वस्त कर अवैध निर्माण कर लिया था, जबकि खोदाई में भूमिगत एक मंजिल सामने आई।

गणतंत्र दिवस पर हमले के षड्यंत्र के लिए गुलाम जम्मू-कश्मीर से लाए गए थे हथियार

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर

सुरक्षाबलों ने गणतंत्र दिवस के दौरान जम्मू-कश्मीर में बड़े आतंकी हमले का षड्यंत्र शुक्रवार को विफल कर दिया। इस षड्यंत्र को अंजाम देने के लिए गुलाम जम्मू-कश्मीर में बैठे आतंकी हैंडलरों ने उत्तरी कश्मीर में एलओसी से सटे कुपवाड़ा में हथियारों की एक खेप भेजी थी। आतंकियों के हाथ लगने से पहले ही सुरक्षाबलों ने हथियारों को बरामद कर लिया।

सोमवार को विशेष सूचना के आधार पर पुलिस ने सेना और बीएसएफ के जवानों के साथ मिलकर कुपवाड़ा में करालपोरा के जंगलों में तलाशी अभियान चलाया था। सुरक्षाबलों को अपने तंत्र से पता चला था कि गुलाम जम्मू-कश्मीर से हथियारों की एक खेप करालपोरा में एलओसी के साथ सटे जंगल में कहीं पहुंचाई गई है। ऐसी संभावना थी कि इसका इस्तेमाल गणतंत्र दिवस पर किसी बड़े आतंकी हमले में होगा। तलाशी अभियान लगातार तीन दिन चला। इसी दौरान टीपी जंगल में जवानों ने उस जगह का पता लगा लिया, जहां यह हथियार छिपाकर रखे गए थे। बरामद हथियारों में एक पिस्तौल, एक मैगजीन, आठ कारतूस, पांच हथगोले और एसाल्ट राइफल के 270 कारतूस हैं। जिस इलाके में यह जखीरा बरामद किया गया है, वह पूरी तरह बर्फ से ढका हुआ है। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सभी संदिग्ध तत्वों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह सामान कौन लाया है और इसे कौन आगे लेकर जाने वाला था।

नक्सलियों के आइईडी विशेषज्ञ सहित मारे गए तीन नक्सली थे 18 लाख के इनामी

नईदुनिया न्यूज, सुकमा : सुकमा व बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुई मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान कर ली गई है। तीनों पर कुल 18 लाख रुपये का इनाम था। इनमें नक्सलियों का आइईडी विशेषज्ञ व आठ लाख रुपये का इनामी महेश कोरसा शामिल है। वह 2023 में बेदरे व 2024 में जगरगुंडा क्षेत्र में हुए आइईडी विस्फोट की घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है। मुठभेड़ में मारे गए अन्य दो नक्सली माड़वी नवीन उर्फ कोसा व अलवम भीमा पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। घटनास्थल से दो बीजीएल लांचर, एक 12 बोर बंदूक, तीन टिफिन बम, पांच बीजीएल सेल व भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य सामग्री मिली है। आइजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने बताया कि नए साल में पिछले छह दिन में हुई अलग-अलग मुठभेड़ों के बाद आठ हार्डकोर नक्सलियों के शव मिले हैं।

मध्य प्रदेश के देवास में महिला की हत्या कर फ्रिज में रखा शव 10 महीने बाद बरामद

नईदुनिया प्रतिनिधि, देवास

- फ्रिज में बिजली की आपूर्ति बंद की तो फैली दुर्गंध ने खोला राज, लिव इन पार्टनर गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के देवास शहर में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब महिला का शव फ्रिज में मिलने की खबर फैली। शव भी एक या दो दिन नहीं, अपितु 10 माह से फ्रिज में रखा था। वजह थी कि महिला ने लिव इन पार्टनर से शादी करने की जिद की। इससे नाराज आरोपित ने अपने साथी के साथ मिलकर मार्च 2024 में उसकी हत्या कर दी और शव को फ्रिज में रखकर चला गया। बीएनपी थाने की पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार वृंदावन धाम कालोनी में इंदौर निवासी धीरेंद्र श्रीवास्तव के मकान में संजय पाटीदार और पिंकी उर्फ प्रतिभा प्रजापति जून 2023 से किराये पर रह रहे थे। पिछले साल जून में संजय ने मकान खाली कर दिया था, लेकिन मास्टर बेडरूम और स्टडी रूम खाली नहीं किया। इस पर वह अपना ताला लगाकर बाद में खाली करने की बात कई बार मकान मालिक से कहता रहा। इसी बीच मकान मालिक ने बलवीर सिंह को मकान किराये पर दे दिया। काफी समय तक जब संजय ने कमरे खाली नहीं किए तो मकान मालिक ने पिछले दिनों वर्तमान किरायेदार को ताला तोड़कर संजय का सामान बाहर रखने के लिए कहा। गुरुवार को बलवीर ने ताला तोड़कर सामान एक तरफ किया। इस दौरान उनको कमरे में फ्रिज का स्विच आन दिखा, जिसको उन्होंने बंद कर दिया। इसके बाद शुक्रवार सुबह कमरे से दुर्गंध आने लगी। इस पर उन्हें शंका हुई तो जानकारी मकान मालिक और पुलिस को दी गई।

आरोपित का साथी पहले से ही जेल में बंद: शुक्रवार सुबह पुलिस ने पहुंचकर फ्रिज को खोला तो उसमें से महिला का शव निकला। प्रथम दृष्टया पूछताछ में ही पुराने किरायेदार संजय पाटीदार पर शंका हुई।

बेटी के विवाह के बाद शव को ठिकाने लगाने का था इरादा

आरोपित संजय पाटीदार की बेटी का विवाह इस वर्ष होना था, जिसके चलते उसने शव को 10 महीने से ठिकाने नहीं लगाया। उसे अंदेशा था कि शव को ठिकाने लगाने पर वह पुलिस के हाथ चढ़ सकता है। वह चाहता था कि बेटी का विवाह होने के बाद शव को ठिकाने लगाएगा। आरोपित ने कमरे के बाहर कागज पर सीसीटीवी की निगरानी संबंधी चेतावनी भी लगा रखी थी। पिंकी ने 2016 में राजस्थान के टोंक में एक व्यक्ति से विवाह किया था, परंतु करीब दो माह बाद ही उसे छोड़ दिया था।

'स्पैडेक्स' में सफलता की ओर कदम, 1.5 किमी की दूरी पर दोनों अंतरिक्षयान

- आज अंतरिक्षयानों को 500 मीटर तक करीब लाने की योजना
- तकनीकी कारणों से दो बार टालना पड़ा है 'स्पैडेक्स प्रयोग

बेंगलुरु, प्रेट्र : भारत अपने महत्वाकांक्षी स्पैडेक्स मिशन में सफलता हासिल करने के और करीब पहुंच गया है। इतिहास रचने की राह की बाधाओं को दूर करते हुए दोनों अंतरिक्षयान मात्र 1500 मीटर (1.5 किलोमीटर) की दूरी पर हैं। शनिवार को इसे 500 मीटर तक करीब लाने की योजना है। डाकिंग के लिए दोनों अंतरिक्षयानों को 225 मीटर तक की दूरी तक लाना है।

'स्पैडेक्स' मिशन के तहत भारत अंतरिक्ष यान को 'डाक' और 'अनडाक' करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। इस सफलता के साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष 'डाकिंग' प्रौद्योगिकी में सक्षम दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

एक अंतरिक्षयान से दूसरे अंतरिक्षयान के जुड़ने को डाकिंग और अंतरिक्ष में जुड़े दो यानों के अलग होने को अनडाकिंग कहते हैं। यह प्रौद्योगिकी भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों जैसे चंद्रमा से नमूने वापस लाने, भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, स्पेस डाकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) के दोनों अंतरिक्षयान 1500 मीटर (1.5 किलोमीटर) की दूरी पर हैं। शनिवार सुबह उन्हें 500 मीटर तक करीब लाने की योजना है।

स्पैडेक्स डाकिंग प्रयोग को अब तक दो बार टाला जा चुका है। जब इस मिशन को लांच किया गया था, डाकिंग प्रक्रिया सात जनवरी को करने की योजना थी, लेकिन डाकिंग को नौ जनवरी तक टाल दिया गया।

अंतरिक्षयानों को निर्धारित दूरी तक लाने में सफलता मिलने के कारण इसे फिर टाल दिया गया था। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने 30 दिसंबर को 'स्पैडेक्स' मिशन को लांच किया था।

बीपीएससी प्रकरण की 15 को सुनवाई करेगा पटना हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण, पटना : बिहार में बीपीएससी द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) में कथित तौर पर पेपर-लीक की जांच और पुनः परीक्षा कराने को लेकर दायर याचिका पर पटना हाई कोर्ट 15 जनवरी को सुनवाई करेगा। याचिका की सुनवाई न्यायाधीश अरविंद सिंह चंदेल की पीठ करेगी। इस बीच जन सुराज पार्टी (जसुपा) द्वारा दायर याचिका भी सुनवाई के लिए स्वीकृत कर ली गई है। पप्पू कुमार एवं अन्य द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है और अनियमितताएं बरती गई हैं।

बीपीएससी ने जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस के अनुसार, प्रशांत ने आयोग पर पिछले दिनों बिना प्रमाण के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रशांत से आरोप के आधार की मांग की गई है। ऐसा नहीं करने पर उनके विरुद्ध आइटी अधिनियम आदि में कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी।

तैयारी

एसकेएम राजनीतिक का शिष्टमंडल पहुंचा खनौरी, दूसरे गुट को दिया प्रस्ताव, किसान नेताओं ने बंद कमरे में की बैठक, 15 जनवरी को फिर करेंगे चर्चा

केंद्र के खिलाफ मिलकर संघर्ष करेंगे संयुक्त किसान मोर्चा के दोनों धड़े

जागरण संवाददाता, खनौरी (संगरूर)

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के दोनों गुटों राजनीतिक और गैर राजनीतिक के नेताओं ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि विचार अलग-अलग होने के बावजूद एमएसपी गारंटी कानून सहित उनकी कई मांगें समान हैं। दोनों की दुश्मन भी केंद्र सरकार है। ऐसे में वे मिलकर केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिए मजबूर करेंगे।

खनौरी में संयुक्त पत्रकारवार्ता में किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल व काका सिंह कोटड़ा ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल का मरणव्रत 46वें दिन में प्रवेश कर गया है व उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार बातचीत करने के लिए आगे नहीं आ रही है। केंद्र का तर्क है कि किसान दोफाड़ हैं और वह किससे बात करे, लेकिन वह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि किसान एकजुट हैं।

संगरूर के खनौरी में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात करते तालमेल कमेटी के सदस्य। (सौ. किसान संगठन)

एसकेएम (राजनीतिक) की छह सदस्यीय तालमेल कमेटी शुक्रवार को बलबीर सिंह राजेवाल की अगुआई में खनौरी पहुंची। डल्लेवाल से मुलाकात के बाद एसकेएम (गैर राजनीतिक) के नेता काका सिंह कोटड़ा सहित अन्य के साथ बंद कमरे में बैठक की। कमेटी ने 15 जनवरी को एक बार फिर बैठक कर नई रणनीति बनाने का प्रस्ताव दिया। दूसरी तरफ, संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के आह्वान पर खनौरी बार्डर सहित देशभर में गांव स्तर पर केंद्र सरकार के पुतले जलाए गए। उत्तर प्रदेश में पुतला दहन से पहले बुलंदशहर व अलीगढ़ समेत कई जिलों में किसान नेताओं को नजरबंद कर लिया गया। किसान नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की।

13 को मिलकर जलाएंगे कृषि विपणन नीति की प्रतियां : तालमेल कमेटी के सदस्य भाकियू राजेवाल के प्रदेश अध्यक्ष बलबीर सिंह राजेवाल, भाकियू उगराहां के नेता जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि मोगा महापंचायत में किसान संगठनों व लोगों के मिले समर्थन के बाद ही वे खनौरी आए हैं। घोषणा की कि 13 जनवरी को लोहड़ी पर नई खेती नीति ड्राफ्ट की कापियां जलाने व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर मार्च अब दोनों संगठन एकजुट होकर करेंगे। भाकियू सिद्धूपुर के महासचिव काका सिंह कोटड़ा ने अपील की कि डल्लेवाल की सेहत पल-पल नाजुक होती जा रही है। ऐसे में 15 जनवरी के बजाय पहले बैठक कर संयुक्त रणनीति बनाई जाए।

बेंगलुरु से साइबर ठगी का मास्टरमाइंड को गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता

देशभर में डिजिटल अरेस्ट, पार्सल स्कैम, फर्जी सीबीआइ अधिकारी बनकर झांसा देने समेत कई तरह से साइबर धोखाधड़ी के जरिए अब तक लगभग 180 करोड़ रुपये ठगने वाले एक गिरोह के मास्टरमाइंड को कोलकाता पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान चिराग कपूर उर्फ चिंतक राज के तौर पर हुई है। उसके ठिकाने से तीन राउटर, दो हार्ड डिस्क, एक लैपटाप, एक लैंडलाइन फोन, चार मोबाइल एवं पांच सिमकार्ड और तीन पैन कार्ड, चार चेकबुक और विभिन्न कंपनियों के रबड़ स्टांप जब्त किए गए। आरोपित को स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया गया है। साइबर धोखाधड़ी करने वाले इस गिरोह के सदस्यों पर देशभर में 930 मामले दर्ज हैं। 17 जून, 2024 को देवेशी दत्ता नाम की महिला ने 47 लाख रुपये की साइबर ठगी की शिकायत कोलकाता पुलिस मुख्यालय के साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उसे नारकोटिक्स केस में फंसाने की धमकी देकर ठगों ने उनसे 47 लाख रुपये वसूल लिए थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि महिला ने इन जालसाजों के कहने पर 7.40 लाख रुपये एक कंपनी के बैंक अकाउंट में जमा किए थे।

****

छावनी प्रवेश यात्रा

महाकुंभ नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से महापर्व की शुरुआत होनी है। महाकुंभ में संन्यासियों और वैरागी और उदासीन अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा के बीच अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर भी छावनी प्रवेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी अखाड़ा ने आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि शाही के नेतृत्व में शाही अंदाज में मेला क्षेत्र में प्रवेश किया। बता दें, अभी तक मेला क्षेत्र में सात अखाड़ों के साथ ही तीन अनी अखाड़ों का छावनी प्रवेश हो चुका है। उदासीन परंपरा के दो अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा 11 व 12 जनवरी को निकलेगी।

प्रयागराज में शुक्रवार को श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी का नगर में छावनी प्रवेश हुआ। इस दौरान अखाड़े के साधु संतों ने अपने अंदाज से सभी का मन मोह लिया। शहर के मेडिकल कालेज चौराहे के पास से छावनी यात्रा शुरू होकर मेला के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए महाकुंभ में पहुंची। प्रेट्र

वेद-पुराणों के अध्ययन को अमेरिका के अनंत ने सीखी संस्कृत और हिंदी

ईसाई धर्म को छोड़ अपनाया सनातन, 2013 में बने ब्रह्मचारी व 2019 में महामंडलेश्वर

काशी में वैदिक विद्वानों और संतों के सान्निध्य ने बनाया संस्कृत और हिंदी में प्रवीण

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

महाकुंभ का पवित्र आयोजन जहां करोड़ों श्रद्धालुओं को आस्था और धर्म से जोड़ता है, वहीं यह भारतीय संस्कृति की सार्वभौमिक अपील और सनातन धर्म की वैश्विकता को भी दर्शाता है। इस महापर्व में आकर्षण का केंद्र बने हैं अमेरिका के टेक्सास निवासी निर्मोही अनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर अनंत दास महाराज। ईसाई धर्म छोड़ सनातन को अपनाया और सनातन धर्म के प्रति अपनी अद्वितीय आस्था और समर्पण से नई प्रेरणा स्थापित की है। वेदों-पुराणों, उपनिषदों और रामायण का अध्ययन करते हुए संस्कृत और रामचरित मानस का अध्ययन करने के लिए हिंदी सीखी।

निर्मोही अनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर अनंत दास महाराज। जागरण

अनंत दास महाराज का जन्म और पालन-पोषण अमेरिका के टेक्सास में हुआ। 2009 में टेक्सास यूनिवर्सिटी में स्नातक की पढाई के दौरान उनकी मुलाकात साईं मां लक्ष्मी देवी मिश्रा से हुई, जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी। सनातन धर्म की गहराई और भारतीय संस्कृति से प्रेरित होकर उन्होंने ब्रह्मचारी दीक्षा ली और 2010 में काशी को अपना स्थायी निवास बना लिया। काशी में वैदिक विद्वानों और संतों के सान्निध्य में उन्होंने संस्कृत और हिंदी का गहन अध्ययन किया। अब वह धारा प्रवाह हिंदी बोलते हैं और प्राचीन वेद, पुराण, रामायण, और रामचरितमानस का अध्ययन और प्रवचन करते हैं। महाकुंभ के महत्व को रेखांकित करते हुए अनंत दास महाराज ने कहा कि महाकुंभ केवल भारत के लिए नहीं, अपितु पूरे विश्व के लिए सनातन धर्म की समृद्धि और प्राचीनता का जीवंत उदाहरण है। 2013 में ब्रह्मचारी दीक्षा लेने के बाद वह यज्ञ, ध्यान और सत्संग के माध्यम से दुनियाभर में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। 2019 में निर्मोही अनी अखाड़ा ने उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि दी थी। अब महाकुंभ के सेक्टर 17 स्थित शक्तिधाम आश्रम में पहुंचे अनंत दास कहते हैं कि वेद और पुराणों का ज्ञान हर व्यक्ति को जीवन की सच्ची दिशा दिखाता है। अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े अनंत दास महाराज का भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रति समर्पण यह दर्शाता है। उनकी जीवन यात्रा टेक्सास से काशी तक एक ऐसा संदेश है जो यह बताता है कि धर्म और संस्कृति की अपील वैश्विक है।

मोदी से मिले योगी, कलश भेंट कर दिया महाकुंभ का निमंत्रण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। योगी ने अमृत कलश भेंटकर उनको प्रयागराज महाकुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया। लगभग डेढ़ घंटे की मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। आपके मार्गदर्शन और प्रेरणा से सनातन गर्व का प्रतीक महाकुंभ-2025, प्रयागराज आज अपने दिव्य, भव्य और डिजिटल स्वरूप से दुनिया को 'नए भारत' का दर्शन करा रहा है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।' सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ की तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव पर भी दोनों के बीच चर्चा हुई।

महाकुंभ सनातन गौरव और गर्व का एक महाआयोजन

प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साधु संतों से भी भेंट की। एएनआइ

प्रथम पृष्ठ से आगे

मुख्यमंत्री योगी ने संगम नगरी में दूसरे दिन शुक्रवार सुबह सर्किट हाउस में मंत्रियों, सांसदों, अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। सर्किट हाउस में ही प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को बांटने वाले देखें कि यहां पंथ, जाति, संप्रदाय का कोई भेद नहीं है। महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव और गर्व का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है।

सीएम ने कहा, वक्फ बोर्ड नहीं, भूमाफिया का बोर्ड : संगम तट पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज की इस धरती पर हजारों वर्ष से कुंभ का आयोजन होता आ रहा है। इसके बाद भी इसको कोई वक्फ बोर्ड की भूमि बोल दे तो बस यही कहना है कि वक्फ बोर्ड नहीं, यह भूमाफिया का बोर्ड है। हमने यहां पर कुछ संशोधन किए हैं कि कोई भी जमीन, जिस पर वक्फ ने कब्जा किया है या दावा किया है, 1363 फसली की उसके पूरे रिकार्ड को चेक किए जाएं। कहीं भी वक्फ शब्द आता है तो पहले देखो कि जमीन किसके नाम पर थी और फिर उसको हम वापस दिलाने का काम कर रहे हैं। कहीं भी, किसी भी ऐसी जमीन जो सार्वजनिक उपयोग में होगी, हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की जमीन होगी या सरकार की होगी, वहां पर किसी भी भूमाफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे।

देश मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं, आस्था के अनुरूप चलेगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि देश मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं, भारत की आस्था के अनुरूप चलेगा। आइन-ए-अकबरी कहती है कि वर्ष 1528 में अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भगवान रामलला के मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया था। विपक्ष पर पलटवार करते हुए योगी बोले- उन्होंने कभी नहीं कहा कि भाजपा ने खुद को महाकुंभ के आयोजन से जोड़ा है। इस आस्था को नई ऊंचाई देने से किसने रोका था। 2013 के महाकुंभ में क्या स्थिति थी, मारीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने गंदगी देख आंखों से आंसू बहाकर दुखी मन से कहा था कि क्या यही गंगा है और वापस चले गए थे।

त्रिवेणी तट पर राम नाम का अमृत कलश

अमलेन्दु त्रिपाठी, जागरण ● महाकुंभ नगर : महाकुंभ नगर में हर तरफ प्रभु के नाम की धारा बह रही है। त्रिवेणी तट पर कला साधक भी आए हैं। वे अपने तरीके से प्रभु की वंदना में जुटे हैं। प्रयागराज निवासी प्रतिभा पांडेय ने अनूठा प्रयोग करते हुए राम नाम अमृत कलश बनाया है। यह कुंभ के स्वरूप में नजर आ रहा है। इसे बनाने में सिर्फ राम-राम लिखा गया है। दो गुणा तीन फीट के क्षेत्रफल में इसे तैयार किया गया है। हैंडमेड शीट पर यह कृति बनी है। इसे कैलेंडर के स्वरूप में भी लांच करने की तैयारी है।

राम नाम के अमृत कलश के शीर्ष पर महाकुंभ-2025 हिंदी और अंग्रेजी में लिखा है। इसे भी सिर्फ राम-राम के जरिये लिखा गया है। कलश के ऊपर उगते सूर्य का आभास कराते हुए किरणें बिखरी हुई हैं, जो संगम स्नान और इस पुण्यभूमि से निकलने वाली आभा की प्रतीक हैं। राम राम को लाल रंग से अंकित किया गया है। इसको मंत्र के रूप में कला साधक ने स्वीकार किया है। कृति को बनाने में कई लाख बार राम राम का मंत्र प्रयुक्त हुआ है। यह 45 घंटे में तैयार की गई है। इसे निरंजनी अखाड़ा के संतों द्वारा लोकार्पित कराया जाएगा। नई पीढ़ी को इस कला और राम रस से सराबोर करने के लिए शनिवार को दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक कार्यशाला भी आयोजित की गई है। आयोजन का नाम राम नाम लेखन कार्यशाला दिया गया है। राम नाम अमृत कलश की रचनाकार प्रतिभा ने पूर्व में भी कई ऐसी कृतियां तैयार की हैं। छह मीटर चौड़ी और 11 मीटर लंबी रामचरित मानस को तैयार किया है। इसमें भी राम राम का मंत्र समाहित है। यह कृति अयोध्या में बनने वाले संग्रहालय में रखी जाएगी।

सनातनियों की सेहत के लिए अम्मा की निगरानी में लगेगा शिविर

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

> सेक्टर छह में बजरंगदास मार्ग पर 16 जनवरी से माता अमृतानंदमयी मठ में मिलेगा मुफ्त इलाज

दक्षिण भारत के जिन आश्रमों में जाने के लिए दुनियाभर के लोग लालायित रहते हैं, वह आश्रम महाकुंभ में तीर्थयात्रियों की सेवा करने को आतुर है। सेक्टर छह में बजरंगदास मार्ग पर केरल के कोल्लम स्थित माता अमृतानंदमयी मठ के शिविर में श्रद्धालुओं को मुफ्त चिकित्सकीय सुविधा मिलेगी। इसकी निगरानी आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी (अम्मा) करेंगी। यहां 81 तरह की विशेष चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सिंगापुर, कोच्चि व फरीदाबाद से विशेषज्ञों को बुलाया गया है।

शिविर की निगरानी कर रहे ब्रह्मचारी एकमृत चैतन्य और प्रमोद कृष्ण स्वामी ने बताया कि 27 सितंबर, 1953 को केरल के पश्चिमी समुद्र तट पर स्थित आलप्पाड गांव में जन्मीं दक्षिण की अम्मा के नाम से चर्चित इस महिला संत को लोग जादू की झप्पी देने वाली चमत्कारी संत के रूप में मानते हैं।

माता अमृतानंदमयी के भक्तों में आम व्यक्ति से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। ये सभी लोग आस्था के चलते नहीं बल्कि उनके सेवा कार्यों को लेकर प्रभावित हैं। 'नमामि गंगे' के लिए एक अरब रुपये, कोरोना वायरस से निपटने के लिए 13 करोड़ रुपये, वायनाड में दैवीय आपदा पीड़ितों के लिए 15 करोड़ रुपये और चेन्नई में बाढ़ पीड़ितों के लिए पांच करोड़ रुपये का दान करने वाली माता अमृतानंदमयी ने महाकुंभ में तीर्थयात्रियों के लिए अपना हाथ बढ़ाया है। मठ की ओर से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त टेलीमेडिसिन वैन, आई-लैब वैन और मेमोग्राफी वैन कोच्चि से रवाना हो चुकी है। मेडिकल वैन को मठ के उपाध्यक्ष स्वामी अमृतस्वरूपानंद पुरी के नेतृत्व में पूजन के बाद कोच्चि से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

स्टीव जाब्स की पत्नी लारेन पावेल को मिला हिंदू नाम 'कमला'

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जाब्स की पत्नी लारेन पावेल जाब्स को हिंदू नाम 'कमला' दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद जी महाराज ने शुक्रवार को बताया कि लारेन पावेल उनकी बेटी जैसी हैं और यह उनका भारत का दूसरा दौरा है।

स्वामी कैलाशानंद ने कहा कि लारेन को हिंदू नाम 'कमला' दिया गया है, जो भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता से उनके गहरे संबंध को दर्शाता है। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ के महत्व को समझना, भारतीय संतों व परंपराओं से जुड़ना है। लारेन पावेल उर्फ कमला इस बार महाकुंभ मेले का भ्रमण करेंगी, जो विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। इस मेले में वह विभिन्न संतों और आध्यात्मिक गुरुओं से मिलेंगी और भारतीय संस्कृति का गहराई से अनुभव करेंगी। स्वामी कैलाशानंद ने कहा कि हमें गर्व है कि जो लोग हमारी परंपराओं के बारे में ज्यादा नहीं जानते, वे इसे सीखने व अनुभव करने की इच्छा रखते हैं। महाकुंभ मेला न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम भी है। लारेन पावेल के इस दौरे से भारतीय परंपराओं और महाकुंभ के प्रति विश्व स्तर पर जागरूकता बढ़ेगी।

श्रद्धालु की सुरक्षा के साथ ही उनकी सेवा और सहायता भी की जाएगी

महाकुंभ को दिव्य, भव्य और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए पहली बार आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक से लैस सीसीटीवी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके साथ ही थल, जल और नभ से श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों, कल्पवासियों और पर्यटकों के लिए सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। संगम नगरी में देश-विदेश से आने वाले हर श्रद्धालु की सुरक्षा के साथ ही उनकी सेवा और सहायता भी की जाएगी। ताकि वह अपने साथ बेहतर अनुभव लेकर सुरक्षित घर वापस पहुंच सकें।

- श्रद्धालुओं की समस्या जानने के लिए भाषाई अनुवाद मोबाइल एप का किया जाएगा बेहतर उपयोग
- स्नानार्थियों पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी।
- संगम नोज पर उत्तराखंड पुलिस और पीएसी की टुकड़ी तैनात रहेगी, स्नानार्थियों की सुरक्षा करेगी
- पहली बार वाटर ड्रोन कैमरे का होगा प्रयोग, फ्लोटिंग जेटी और रेस्क्यू स्कूटर से लैस रहेंगी सभी टीम
- जर्मनी के आल टेरेन वाहन पलभर में ही बुझाएंगे आग

"श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किया गया है। भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए भी कई प्लान बनाए गए हैं। आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस तकनीक से युक्त सीसीटीवी का इस्तेमाल किया जाएगा।"
राजेश द्विवेदी, एसएसपी महाकुंभ

37 हजार पुलिसकर्मी और 50 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी होंगे तैनात

10 जोन, 25 सेक्टर, 56 थाने व 155 चौकियों में विभाजित होगा मेला

14 हजार से अधिक होमगार्ड भी श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों की करेंगे सुरक्षा

2,750 एआइ बेस्ड सीसीटीवी और 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन लगाई जा रही

स्नाइपर की तैनाती, पुलिसकर्मियों को ग्लाक पिस्टल

महाकुंभ में विदेशों से तमाम प्रतिनिधि भी आएंगे। पर्यटकों के साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेला क्षेत्र में स्नाइपर अचूक निशानेबाज की तैनाती होगी। पुलिसकर्मी भी सेमी आटोमेटिक ग्लाक पिस्टल से लैस रहेंगे। मेला क्षेत्र में बुलेट प्रूफ आउट पोस्ट बनाई जाएगी और विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा मजबूत रहेगी।

पहली बार टीथर ड्रोन का होगा उपयोग

आसमान से संदिग्ध युवकों की निगरानी करने, भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए पहली बार महाकुंभ में टीथर ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। यह ड्रोन आसमान में करीब आठ घंटे तक उचित ऊंचाई पर रहेगा और पूरा डाटा कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराता रहेगा। फुटेज देखकर और डाटा का विश्लेषण करके पुलिस अधिकारी व्यवस्था को मजबूत बनाएंगे। सुरक्षा के लिए एनएसजी, एटीएस कमांडो, स्निफर डाग और 30 स्पाटर्स टीम भी मेले के दौरान मुस्तैद रहेगी।

यात्रा

सनातन का वैभव, शौर्य और संस्कार देखना है तो आइए 'प्रयाग'

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में अध्यात्म के साथ पर्यटन का पूरा पैकेज उपलब्ध है

श्याम मिश्रा ● जागरण

महाकुंभनगर: सनातन क्या है? उसका आत्मा क्या है? यदि आप इन प्रश्नों के उत्तर जानना और समझना चाहते हैं, तो आपको किसी गुरु की आवश्यकता नहीं है और न ही किसी पुस्तक को पढ़कर जानकारी लेने की। बस, थोड़ा समय निकालिए और आइए तीर्थराज प्रयाग। यहां किसी स्थान पर खड़े होकर जब आप महाकुंभ के अद्भुत दृश्यों को देखेंगे, तो पाएंगे कि यही दृश्य समग्र रूप में भारत की पहचान है।

मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी तट पर तंबुओं की नगरी में सनातन के वैभव, शौर्य और संस्कार का रंग हर रोज चटख होता जा रहा है। यहां की हर धड़कन, हर रंग, हर स्वर, यही सब मिलकर अखंड भारत का चित्रण कर रहे हैं। संगम की रेती पर 45 दिनों के लिए एक अलौकिक संसार आकार ले चुका है।

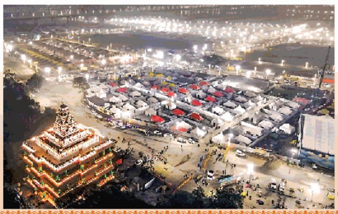

महाकुंभ क्षेत्र का विहंगम दृश्य ● जागरण

यमुना नदी के तट पर बनाए गए शिवालय पार्क में बोटिंग का आनंद उठाते पर्यटक ● जागरण

कालिंदी के तट पर बनाया अद्भुत शिवालय पार्क

यमुना नदी के तट पर दुनिया का अद्भुत शिवालय पार्क निर्मित किया गया है। यहां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कला, संस्कृति और सभ्यता एक साथ देखने को मिलती है। लगभग 11 एकड़ में फैला देश का पहला ऐसा पार्क है, जिसमें 12 ज्योतिर्लिंग, समुद्र मंथन, नंदी की मूर्ति आदि देखने को मिलती है। मेला क्षेत्र के झूंसी में एक खंडहर भी है, जो उल्टा किला के नाम से मशहूर है। यह एक बहुत ऊंचा टीला है, जिसके अंदर भूमिगत सीढ़ियां हैं, जहां छोटे-छोटे कमरे है, बड़ा ही रहस्यमयी लगता है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और संगम तट और मेला क्षेत्र के विहंगम दृश्य का आनंद उठाते हैं। महाकुंभ के दौरान संगम नगरी आने वाले पर्यटक गंगा स्नान के साथ कछुआ सेंच्युअरी का भी भ्रमण विशेष मोटर बोट से कर सकेंगे।

महाकुंभ-2025 का आयोजन दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मेला बनने को आतुर है। संतों और श्रद्धालुओं की भक्ति से ओत प्रोत आस्थाएं गंगा तट पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, मानो यह पवित्र स्थल एक नई ऊर्जा से जागृत हो उठा हो। संगम का तट अखाड़े, विविध स्वरूपों के शिविर, भक्ति विह्वल विदेशी, कथाएं-प्रवचन यह सब मिलकर एक ऐसा आध्यात्मिक वितान रच देते हैं जिसे देख केवल निहाल हुआ जा सकता है।

13 अखाड़ों का अद्भुत संसार: प्रयागराज आने के बाद श्रद्धालुओं की प्राथमिकता संगम तट पर डुबकी लगानी होती है। इसके बाद ही वे दूसरे दर्शनीय स्थलों की ओर उन्मुख होते हैं। हिमालय की कंदराओं और जंगलों में धूनी रमाने वाले नागा संत भी आ चुके हैं। ये बाबा और संतों के अखाड़ों की दुनिया भी श्रद्धालुओं के उत्सुकता और रोमांच का केंद्र रहती है। अखाड़ा नगर में कुल 13 अखाड़े हैं, जिनके महामंडलेश्वर, श्रीमहंत से लेकर कोतवाल तक वहां रहते हैं।

11 कारिडोर वाला एकमात्र शहर: प्रयागराज में 11 गलियारा (कारिडोर) बनाया गया है। संगम के पास किला स्थित अक्षयवट कारिडोर की पौराणिक और धार्मिक मान्यता है। मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती ने इस पौधे को अपने हाथों से लगाया था। अक्षयवट के साथ ही महाकुंभ में सरस्वती कूप कारिडोर बनाया गया है। सरस्वती कूप के समीप लगाई गई वीणावादिनी की प्रतिमा भी लोगों को आकर्षित कर रही है। संगम के किनारे हनुमान मंदिर कारिडोर से महाकुंभ की दिव्यता व भव्यता और बढ़ गई है। लगभग 11,589 वर्ग मीटर के कारिडोर में 535 स्क्वायर मीटर में काशी विश्वनाथ कारिडोर की तरह बड़े हनुमान मंदिर का भव्य गर्भगृह और परिक्रमा पथ बना है।

कैसे पहुंचे प्रयागराज: महाकुंभ के दौरान प्रयागराज के देश के कोने-कोने से रेल, हवाई व सड़क मार्ग से जोड़ दिया गया है। 27 प्रमुख शहरों से प्रयागराज के लिए उड़ानें 10 जनवरी से उपलब्ध हैं। वहीं, रेलवे अपने पूरे नेटवर्क से 13 हजार ट्रेनों का संचालन महाकुंभ की अवधि में करेगा। प्रयागराज में ठहरने के लिए टेंट सिटी के अलावा 18 होटल, 204 गेस्ट हाउस व धर्मशालाएं हैं। पेइंग गेस्ट, धर्मशाला में तो बेहद कम किराये पर ठहरने की व्यवस्था बनाई गई है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

गौतम अदाणी से मिले गीताप्रेस के ट्रस्टी, भेंट किया आरती संग्रह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गीताप्रेस के ट्रस्टी ने शुक्रवार को उद्योगपति गौतम अदाणी से मुलाकात कर 'आरती संग्रह' भेंट किया। अदाणी ग्रुप ने इसकी एक करोड़ प्रतियां प्रयागराज महाकुंभ मेले में बांटने के लिए गीताप्रेस से मांगी हैं। गीताप्रेस ने 25 लाख प्रतियां उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। ट्रस्टियो ने गौतम अदाणी को गीताप्रेस आने का आमंत्रण भी दिया, जिस पर उन्होंने कहा कि मेरी भी इच्छा है कि गीताप्रेस का दर्शन करूं। अदाणी ने कहा कि मेरा संकल्प है कि हर घर व मंदिर में यह आरती संग्रह पहुंचे। इसलिए समय-समय पर इसकी मांग प्रेस को भेजी जाती रहेगी।

गीताप्रेस के प्रबंधक लालमणि तिवारी ने बताया कि उद्यमी गौतम अदाणी से मुलाकात अहमदाबाद में अदाणी ग्रुप के कार्यालय में हुई। ट्रस्टी देवी दयाल अग्रवाल ने उन्हें गीताप्रेस के इतिहास से अवगत कराते हुए अगले सौ वर्षों की कार्ययोजना भी साझा की।

****

16 बच्चों सहित 28 लोगों ने सैन्य हमले से बचकर बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स से भागकर मिजोरम में शरण ली है। पिछले साल दिसंबर तक बांग्लादेश के 2,014 लोगों ने लांग्टलाई जिले में शरण ली थी।

मैदानी इलाकों में घने कोहरे के साथ ठंड का सितम जारी, जनजीवन प्रभावित

ठिठुरन के साथ कोहरे का प्रकोप, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का जारी रहेगा सिलसिला

उड़ानों पर संकट बरकरार, दर्जनों ट्रेनें चल रही देरी से, सड़कों पर कोहरे के कारण हुए कई हादसे

टीम जागरण, नई दिल्ली

ठंड और कोहरे से उत्तर भारत के राज्यों को अभी कुछ दिन राहत मिलती नहीं दिख रही है। मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड के साथ कोहरा परेशानी का कारण बना हुआ है। वहीं पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित है। घने कोहरे के कारण शुक्रवार को भी दिल्ली में कई जगहों पर सुबह दृश्यता शून्य रही। इस कारण आइजीआइ एयरपोर्ट पर 150 के करीब उड़ानें विलंबित रहीं। जबकि उत्तर रेलवे की 26 ट्रेनें घंटों की देरी से गंतव्य तक पहुंचीं। घने कोहरे के कारण सड़कों पर भी वाहन रेंगते नजर आए और कई जगहों पर हादसे भी हुए। पूरे दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे का असर रहा दिनभर रहा। दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने उत्तर भारत विशेष तौर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में अगले कुछ दिन घना कोहरा होने की चेतावनी जारी की है।

गुरुवार रात को अनंतनाग जिले के लारनू क्षेत्र का पारा माइनस 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा। भीषण ठंड के चलते पेड़ों की टहनियों, छतों, सड़कों के किनारे की रेलिंग पर टपकता पानी जमकर मनभावन आकृति में बदल गया। इस क्षेत्र में पर्यटकों की अच्छी खासी संख्या देखी जा रही है। साहिल मीर

जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड के बीच मौसम विभाग ने शनिवार को फिर ताजा बर्फबारी और वर्षा की संभावना जताई है। शुक्रवार को कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर तापमान जमाव बिंदु शून्य से नीचे रहा। पहलगाम न्यूनतम तापमान माइनस 10 डिग्री के साथ घाटी का सबसे ठंडा क्षेत्र बना रहा। वहीं जम्मू एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण शुक्रवार को छह उड़ाने रद कर दी गईं। उत्तराखंड में कोहरे और धुंध के साथ बादल छाने से दून समेत आसपास के क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड सितम ढा रही है। दून में दिनभर बादल मंडराते रहे, लेकिन वर्षा नहीं हुई। पर्वतीय क्षेत्रों में धूप खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार, अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात के आसार हैं। निचले इलाकों में वर्षा हो सकती है। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि को लेकर भी यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर हिमाचल में शुक्रवार को पहाड़ों पर खिल रही धूप, मैदानी क्षेत्रों में घने कोहरे व तेज शीतलहर ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान लाहुल-स्पीति के ताबो में -11.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मनाली-केलंग मार्ग पर हिमपात के कारण बाधित बस सेवा तीन सप्ताह बाद बहाल हुई।

उप्र में पड़ सकती हैं बौछारें, 14 तक घना कोहरा: मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर बौछारें पड़ सकती हैं। सुबह-शाम के साथ रात में कोहरा छाया रहेगा। लखनऊ समेत कई जिलों में वज्रपात की भी चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। शुक्रवार सुबह हल्की धूप होने से सर्दी से थोड़ी राहत मिली, लेकिन शाम होते ही सर्द हवा के साथ गलन शुरू हो गई।

बीच में कोर्स छोड़ने वाले अभ्यर्थी जेईई-एडवांस्ड के लिए पात्र

▸ सुप्रीम कोर्ट ने अभ्यर्थियों को दी राहत, इस परीक्षा के लिए करा सकेंगे पंजीकरण

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने पांच नवंबर से 18 नवंबर 2024 के बीच कोर्स छोड़ने वाले अभ्यर्थियों को संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)- एडवांस्ड के लिए पंजीकरण कराने की शुक्रवार को अनुमति दे दी।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने जेईई-एडवांस्ड अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले प्रयासों की संख्या तीन से घटाकर दो करने के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जेईई-एडवांस्ड परीक्षा आयोजित करने का जिम्मा संभालने वाले संयुक्त प्रवेश बोर्ड (जेएबी) ने पिछले वर्ष पांच नवंबर को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि शैक्षणिक वर्ष 2023, 2024 और 2025 में 12वीं की परीक्षा देने वाले छात्र जेईई-एडवांस्ड परीक्षा देने के पात्र होंगे। 18 नवंबर को अन्य प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें पात्रता को केवल दो शैक्षणिक वर्षों – 2024 और 2025 तक सीमित कर दिया गया।

पीठ ने कहा, यदि छात्र उक्त विज्ञप्ति (पांच नवंबर) पर अमल करते हुए यह समझ कर अपना कोर्स छोड़ दिया हो कि वे जेईई परीक्षा देने के हकदार होंगे तो 18 नवंबर के निर्णय से उन्हें नुकसान नहीं होने दिया जा सकता। जेएबी के निर्णय के गुण-दोष पर विचार किए बिना शीर्ष अदालत ने कहा कि पांच नवंबर से 18 नवंबर के बीच कोर्स छोड़ने वाले छात्रों को परीक्षा के लिए पंजीकरण कराने की अनुमति दी जाएगी। शीर्ष अदालत दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें से एक 22 अभ्यर्थियों द्वारा दायर की गई है, जिसमें जेईई-एडवांस्ड के लिए प्रयासों की संख्या तीन से घटाकर दो करने को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि पांच नवंबर की विज्ञप्ति के कारण उन्होंने आइआइटी में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिए कालेज छोड़ दिया। अधिवक्ता संजीत कुमार त्रिवेदी के माध्यम से दायर अन्य याचिका में कहा गया कि जेएबी ने छात्रों के लिए पात्रता मानदंड को मनमाने तरीके से बदला है।

बीसीसीआइ का हाई कोर्ट को आश्वासन, पुलिस को दो हफ्ते में दे देंगे बकाया

मुंबई, प्रेट्र: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने शुक्रवार को बांबे हाई कोर्ट को आश्वासन दिया कि वह मैचों के दौरान प्रदान किए गए सुरक्षा कवर के लिए मुंबई, पिंपरी चिंचवड़ और नवी मुंबई पुलिस को दो सप्ताह में बकाया चुका देगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने कहा कि उस पर पिंपरी चिंचवड़ पुलिस का 1.7 करोड़ रुपये, नवी मुंबई पुलिस का 3.3 करोड़ रुपये और मुंबई पुलिस का 1.03 करोड़ रुपये बकाया है। कार्यकर्ता अनिल गलगली की ओर से दायर याचिका के जवाब में प्रस्तुत हलफनामे में कहा गया कि बीसीसीआइ दो सप्ताह की अवधि के भीतर इन राशियों का भुगतान करने का वचन देता है।

गलगली ने महाराष्ट्र सरकार के जून 2023 के फैसले को चुनौती देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल), टी20 और अन्य क्रिकेट मैचों के लिए प्रदान की जाने वाली पुलिस सुरक्षा के लिए निर्धारित दर को 2011 से पूर्वव्यापी प्रभाव से कम करने के फैसले को चुनौती दी थी।

याचिका में कार्यकर्ता ने 2011 से पूर्वव्यापी प्रभाव वाले परिपत्र पर आपत्ति जताई, क्योंकि तब लंबित बकाया भी कम हो जाएगा। हलफनामे में बीसीसीआइ ने कहा कि अधिकारियों को देय सभी भुगतान के लिए वह प्रतिबद्ध है।

न्यूज गैलरी

आदित्य को बदनाम करने वाले वीडियो को लेकर शिकायत

मुंबई : शिवसेना (उद्धव) के नेता विनायक राउत ने शुक्रवार को पुलिस को शिकायत सौंपकर आरोप लगाया कि एक डांस बार में छापेमारी के वीडियो को गलत तरीके से उनकी पार्टी के नेता आदित्य ठाकरे से जोड़ा जा रहा है। अधिकारी के अनुसार वीडियो अंधेरी क्षेत्र के एक डांस बार में फिल्माया गया है। (प्रेट्र)

सिंगापुर जा रहा एयर इंडिया का विमान चेन्नई लौटा

चेन्नई : सिंगापुर जा रहा एयर इंडिया का एक विमान शुक्रवार को चेन्नई लौट आया। पायलट को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का पता चला। पायलट ने सूचित किया और विमान को वापस मोड़ लिया। 170 सवारों के साथ विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की। यात्रियों को सिंगापुर भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। (प्रेट्र)

बीईएसटी बस दुर्घटना मामले में चालक को जमानत नहीं

मुंबई : कुर्ला पश्चिम में नौ दिसंबर को हुई दुर्घटना में शामिल बीईएसटी बस चालक को मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को जमानत देने से इन्कार कर दिया। दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। एसजी बार्वे रोड पर बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं यातायात (बीईएसटी) की एक इलेक्ट्रिक बस ने दुर्घटना वाले दिन कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। (प्रेट्र)

तेलंगाना में बस दुर्घटनाग्रस्त, पांच श्रमिकों की मौत

हैदराबाद : तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में ओडिशा के पांच श्रमिकों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। श्रमिकों को ले जा रही निजी बस चिवेमला मंडल में इलापुरम के समीप एक ट्रक से टकरा गई। बस चालक यह ध्यान नहीं दे पाया कि ट्रक सड़क किनारे खड़ा है। (आइएएनएस)

केरल में हाथी के हमले से घायल व्यक्ति की मौत

मालापुरम : तिरूर के समीप दो दिन पहले एक धार्मिक समारोह में हाथी के हमले में घायल 59 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में शुक्रवार को मौत हो गई। आठ जनवरी को हाथी के हमले से कृष्णकुट्टी घायल हो गए थे। धार्मिक उत्सव के लिए लाया गया हाथी भीड़ में घुस गया। हाथी ने कृष्णमूर्ति को सूंड में लपेट कर दूर फेंक दिया। (प्रेट्र)

अहमदाबाद में आठ वर्षीय छात्रा की मौत, हृदय गति रुकने की आशंका

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात के अहमदाबाद के एक स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ने वाली आठ वर्षीय लड़की की शुक्रवार को मौत हो गई। आशंका है कि कार्डियक अरेस्ट (हृदय गति रुकने) से मौत हुई है। घटना सुबह थलतेज इलाके में जेबर स्कूल फार चिल्ड्रन में हुई। स्कूल की प्रिंसिपल शर्मिष्ठा सिन्हा ने कहा कि गार्गी रणपारा सुबह कक्षा की ओर जाते समय लाबी में कुर्सी पर बैठते ही बेहोश हो गई। सीसीटीवी वीडियो में लड़की को लाबी में चलते और कक्षा की ओर जाते देखा जा सकता है। रास्ते में बेचैनी के कारण वह लाबी में कुर्सी पर बैठ गई। उसे बेहोश होने के बाद कुर्सी से नीचे गिरता देखा जा सकता है।

प्रिंसिपल ने कहा कि उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। शिक्षकों ने उसे सीपीआर दिया और एंबुलेंस के लिए फोन किया। लड़की की गंभीर हालत को देखते हुए उसे निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने बताया कि गार्गी को कार्डियक अरेस्ट हुआ है। उन्होंने उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा, लेकिन वह बच नहीं सकी।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट : जांच के घेरे में सत्यापन अधिकारियों की भूमिका

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी पासपोर्ट की व्यवस्था कर रहे थे

फर्जी पासपोर्ट रैकेट मामले में कोलकाता में पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) से जुड़े पांच सत्यापन और अनुदान देने वाले अधिकारियों और कोलकाता पुलिस के विभिन्न संभागों के विभिन्न पुलिस स्टेशनों से जुड़े पांच अधिकारियों की भूमिका जांच के घेरे में है। ये दस अधिकारी पड़ोसी बांग्लादेश से अवैध घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय पासपोर्ट की व्यवस्था कर रहे थे।

पिछले साल 15 दिसंबर से अब तक जांच अधिकारियों ने इस सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सबसे ताजा मामला कोलकाता पुलिस के सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक अब्दुल का है। अपनी सेवा के अंतिम वर्षों के दौरान अब्दुल मुख्य रूप से नए पासपोर्ट आवेदकों के लिए पुलिस सत्यापन के कार्य में लगा हुआ था। पांच पीएसके-स्तरीय सत्यापन और अनुदान देने वाले अधिकारियों और पांच पीएस-स्तरीय सत्यापन अधिकारियों की संलिप्तता का पता चला। मामले में जांच अधिकारियों ने 52 नए पासपोर्टों का ब्योरा हासिल कर लिया है, जिनका सत्यापन अब्दुल ने किया था। अब यह जांच की जा रही है कि उन 52 पासपोर्टों में से कितने असली और कितने नकली हैं। हाल में बंगाल और कोलकाता पुलिस ने अपने सहकर्मियों के खिलाफ पुलिस सत्यापन प्रक्रियाओं में लापरवाही बरतने के आरोप में जांच प्रक्रिया शुरू की है। नए पासपोर्ट आवेदकों के लिए सत्यापन के कार्य में लगे पुलिसकर्मियों के एक वर्ग के खिलाफ मुख्य आरोप यह है कि उन्होंने इस मामले में मंजूरी रिपोर्ट जमा करने से पहले कुछ आवेदकों के घरों का शारीरिक रूप से दौरा नहीं किया।

प्रतीकात्मक।

मुंगेली के स्टील प्लांट हादसे में लापता श्रमिकों की संख्या हुई चार

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में कुसुम स्टील प्लांट में गुरुवार दोपहर गर्म राख से भरे साइलो (कंटेनर) की चपेट में आकर दबे हुए श्रमिकों की संख्या चार हो गई है। दुर्घटना में एक श्रमिक की मौत हो गई थी। दूसरा अस्पताल में भर्ती है। दुर्घटना में मारे गए श्रमिक के स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने प्लांट के इंचार्ज अमित केडिया व आपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

प्राथमिक जांच में साइलो के ओवरलोड होने के साथ ही बेस कमजोर होने, आसपास की मिट्टी कमजोर होकर धंसने की बात भी सामने आई है। शुक्रवार दिनभर चले राहत व बचाव अभियान के बाद भी 40 टन राख से भरे 120 टन वजनी साइलो को हिलाया नहीं जा सका। गुरुवार को ज्यादा क्षमता वाली क्रेन नहीं होने के कारण राहत व बचाव कार्य प्रभावित रहा। शुक्रवार को 400 टन क्षमता वाली क्रेन पहुंचने के बाद भी साइलो को टस से मस नहीं किया जा सका। इसकी वजह साइलो के बेस की मजबूत वेल्डिंग बताई जा रही है।

दो लाख के लिए निजी अस्पताल ने गर्भवती को बताया एचआइवी पाजिटिव

जागरण संवाददाता, पूर्णिया

▸ पूर्णिया में रेडक्रास व निजी लैब में दुबारा जांच कराने पर रिपोर्ट नेगेटिव, स्वजन ने की शिकायत

▸ लैब और अस्पताल के चिकित्सक की लापरवाही के कारण मरीज की जान के साथ खिलवाड़ किया गया

बिहार में एक अस्पताल और पैथ लैब की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जांच के दौरान गर्भवती महिला को एचआइवी पाजिटिव की रिपोर्ट दी गई। फिर प्रसव के लिए पहुंची महिला को आपरेशन खर्च के नाम पर दो लाख रुपये जमा करने को कहा गया। जब स्वजन ने राशि जमा करने से मना कर दिया तो मरीज को आपरेशन थिएटर से बाहर निकाल दिया गया। इस दौरान मरीज के स्वजन को अन्य लैब से जांच के लिए सैंपल तक संग्रह करने से रोका गया। इससे पूरा परिवार मानसिक तौर पर प्रताड़ित हुआ। जब महिला के स्वजन ने दो बार रेडक्रास और एक बार निजी लैब में जांच कराई तो एचआइवी रिपोर्ट नेगेटिव आई। सिविल सर्जन डा. प्रमोद कनौजिया ने बताया कि पीड़ित पक्ष ने शिकायत दी है। जांच की जा रही है। एचआइवी पाजिटिव रिपोर्ट देने वाले पैथ लैब और चिकित्सक डा. निशांत अफरोज से स्पष्टीकरण मांगा गया है। यह कारनामा बिहार के पूर्णिया शहर स्थित लाइन बाजार इलाके में संचालित गुलमोहर अस्पताल और लैब ने किया। रौटा प्रखंड निवासी गर्भवती महिला की जांच रिपोर्ट एचआइवी पाजिटिव दी गई। महिला के देवर ने बताया कि उनकी भाभी गर्भवती हैं, उसका आपरेशन से प्रसव होना है। लैब और अस्पताल के चिकित्सक की लापरवाही के कारण मरीज की जान के साथ खिलवाड़ किया गया। दूसरे निजी अस्पताल में आपरेशन कर बच्चे का जन्म हुआ। इधर, लैब के चिकित्सक डा. निशांत अफरोज ने बताया कि महिला का ब्लड सैंपल जांच के लिए लिया गया था। एचआइवी जांच पाजिटिव पाई गई जो संदिग्ध थी। मरीज को अन्य लैब से जांच के लिए सलाह दी गई थी। मरीज अस्पताल में भर्ती ही नहीं हुआ तो दो लाख की मांग का आरोप गलत है।

35 साल से गैंग्सटर कर रहा था होमगार्ड की नौकरी, निलंबित

जागरण संवाददाता, आजमगढ़

हत्या-डकैती जैसे गंभीर अपराधों में वांछित जिस नकदू को पुलिस तलाश कर रही थी, वह नंदलाल बनकर फर्जी शैक्षिक अभिलेख के सहारे 35 साल से होमगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस की नाक के नीचे होमगार्ड बनकर कानून के भरोसेमंद बने गैंग्सटर नकदू की हकीकत सामने आई तो कार्रवाई शुरू हुई। उसे निलंबित करने के साथ ही विभागीय स्तर पर उसे बर्खास्त करने की तैयारी चल रही है।

उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के चकवारा गांव निवासी नकदू यादव उर्फ नंदलाल हत्या, डकैती, लूट और चोरी के आरोप में नामजद अभियुक्त है। आठ दिसंबर 2024 को उसकी पट्टीदारों से भूमि विवाद में मारपीट हो गई थी। इसके बाद पट्टीदार ने इसकी शिकायत तत्कालीन डीआइजी वैभव कृष्ण से कर जांच की मांग की थी। डीआइजी ने अपने स्तर से जांच कराई तो नकदू की सच्चाई सामने आई। उसके रिश्तेदारों ने उसकी दोहरी जिंदगी की जानकारी दी। नौ दिसंबर 2024 को मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया था। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने बताया कि आरोपित अभी जेल में है। फर्जी अभिलेख के सहारे 1990 से वह होमगार्ड बनकर ड्यूटी कर रहा है। नाम परिवर्तन होने की वजह से सत्यापन में वह पकड़ नहीं आ सका। मामले की जांच की जा रही है।

कक्षा चार तक पढ़ाई, 1984 में हत्या का मुकदमा

नकदू ने गांव के ही विद्यालय से कक्षा चार तक की पढ़ाई की थी। वह 1984 में एक हत्याकांड में नामजद अभियुक्त है। 1987 में चकवा में डकैती के मामले में आरोपित रहा। 1988 में पुलिस ने इस पर गैंग्सटर एक्ट की भी कार्रवाई की थी। 1989 में अपने अपराधों को छिपाने के लिए नकदू ने फर्जी मार्कशीट बनवा ली। इसके बाद नंदलाल यादव नाम से होमगार्ड की नौकरी ज्वाइन कर ली।

मणिपुर में 90 एकड़ में अफीम की खेती नष्ट की गई : मुख्यमंत्री

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि सुरक्षा बलों और वन अधिकारियों ने उखरुल जिले में 90 एकड़ में लगी अफीम की खेती नष्ट कर दी है। यह अभियान गुरुवार को लुंगचोंग माईफेई पुलिस थाना क्षेत्र में फली पहाड़ी रेंज में किया गया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादक पदार्थ के खिलाफ जंग में एक और सफलता मिली है। उखरुल जिला पुलिस, 6 एमआर, 18 एआर और वन विभाग के संयुक्त बलों ने उखरुल जिले के लुंगचोंग माईफेई पुलिस थाना क्षेत्र की फली पहाड़ी रेंज में 90 एकड़ में अफीम की खेती नष्ट कर दी और 12 झोपड़ियों को जला दिया है। वहीं, मणिपुर के काकचिंग जिले में सुरक्षा बलों के एक अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 7.62 एमएम की एक सेल्फ लोडिंग राइफल, एक एसबीबीएल बंदूक, नौ एमएम की एक देशी पिस्तौल, एक देशी .32 पिस्तौल, तीन हाथगोले सहित अन्य वस्तुएं जब्त की गईं।

असम कोयला खदान हादसे में श्रमिकों का मुखिया गिरफ्तार

▸ कोयला खदान में अब भी फंसे हैं आठ श्रमिक

▸ विशेष मशीन से पानी निकालने का काम जारी

खदान के पास बचाव अभियान टीम। एपी

गुवाहाटी, प्रेट्र: असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान हादसे में श्रमिकों के मुखिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। खदान में अब भी आठ खनिक फंसे हुए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान में शामिल कर्मी फंसे हुए श्रमिकों को बाहर निकालने की कड़ी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वक्त बीतने के साथ स्थिति गंभीर होती जा रही है।

उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि यह गिरफ्तारी कहां की गई है। उन्होंने कहा कि खनिकों का मुखिया छह जनवरी को घटना के तुरंत बाद खदान स्थल से भाग गया था, उसे गुरुवार रात एक व्यापक तलाशी अभियान के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हनान लस्कर के रूप में हुई है। खदान के पट्टाधारक पुनीश नुनीसा को घटना के दूसरे दिन ही हिरासत में लिया गया था।

सोमवार को गुवाहाटी से लगभग 250 किलोमीटर दूर उमरंगसो क्षेत्र में तीन किलो कोयला खदान में अचानक पानी भर जाने के कारण उसमें खनिक फंस गए थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि खदान में हुई घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है और यह अवैध प्रतीत होती है।

पुणे में महिला की हत्या मामले में तय समय में जांच का निर्देश

नई दिल्ली, एएनआइ: राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पुणे में 28 वर्षीय महिला की उसके सहकर्मी द्वारा कंपनी की पार्किंग में हत्या की निंदा की है। साथ ही अधिकारियों को निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह घटना मंगलवार को हुई, जब महिला पर पुरुष सहकर्मी ने कथित तौर पर चाकू से हमला किया, क्योंकि उसने झूठे बहाने बनाकर उससे पैसे उधार लिए थे। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अधिकारियों से दो दिनों के भीतर एफआइआर की एक प्रति के साथ विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कहा कि घटना को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने संबंधित अधिकारियों को आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ऐसे मामलों में जवाबदेही और त्वरित न्याय की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

लोकार्पण की तैयारियां तेज

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित दौरे से पहले कश्मीर पहुंची एसपीजी, सुरक्षा अधिकारियों के साथ की बैठकें

जेड मोड़ सुरंग से कश्मीर में पर्यटन के खुलेंगे द्वार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण 6.5 किलोमीटर लंबी जेड मोड़ सुरंग को प्रधानमंत्री राष्ट्र को समर्पित करने जा रहे हैं। इसके लिए पीएम मोदी का 13 जनवरी को कश्मीर दौरा प्रस्तावित है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स (एसपीजी) का दल शुक्रवार को श्रीनगर पहुंच गया। एसपीजी के दल ने जिला गांदरबल में जेड मोड़ और गगनगीर क्षेत्र का भी दौरा किया। इस संबंध में पुलिस व सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ बैठक में सुरक्षा चक्र की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया। श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिला गांदरबल में जेड मोड़ पर सुरंग का निर्माण किया है। इस परियोजना के तहत एक सुरंग जोजि ला में भी बनाई जा रही है जो वर्ष 2026 में बनकर तैयार होगी। जेड मोड़ सुरंग शुरू होने से घाटी में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसका लोकार्पण होने से स्थानीय व्यापारी और होटल संचालक भी बेहद खुश हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर सुबह नौ बजे श्रीनगर पहुंच जाएंगे। उसके बाद हेलीकाप्टर से जेड मोड़ जाएंगे। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी होंगे। बता दें कि यह सुरंग 10 वर्ष में बनकर तैयार हुई है। इसका निर्माण 2024 में पूरा हुआ है। पिछले वर्ष 22 अक्तूबर को आतंकियों ने इस सुरंग परियोजना पर काम करने वाले कर्मचारियों के शिविर पर हमला भी किया था। इसमें एक डाक्टर समेत सात लोगों की मौत हो गई थी।

पर्यटन बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी सुरंग

आने वाले दिनों में कश्मीर में पर्यटन को पंख लगने वाले हैं। वंदे भारत के साथ जेड़ मोड़ सुरंग विशेषकर मध्य कश्मीर की अर्थव्यवस्था में क्रांति लाएगी। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना पूरी हो चुकी है और किसी भी समय पहली वंदे भारत को श्रीनगर के लिए झंडी दिखाई जा सकती है। वहीं, श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांदरबल जिले में नवनिर्मित जेड़ मोड़ सुरंग 13 जनवरी को आम यातायात के लिए खुलने जा रही है। यह सुरंग जहां पर्यटन स्थल सोनमर्ग में घूमने जाने वालों के लिए हर मौसम में सुगम रास्ता मुहैया करवाएगी, वहीं पर्यटन उद्योग से जुड़े स्थानीय लोगों के चेहरों पर अभी से खुशी साफ झलक रही है। सोनमर्ग में होटल चलाने वाले गुलाम नबी रैना ने कहा, यह सुरंग हमारे लिए केवल एक सुरंग नहीं बल्कि आमदनी बढ़ाने की स्रोत होगी। पहले सर्दियों में गगनगीर से सोनमर्ग तक बर्फ जमा होने से पर्यटकों को परेशानी होती थी। यहां के ज्यादातर होटल सूने ही रहते थे, लेकिन अब इस सुरंग के बनने से पर्यटक बर्फबारी के बीच भी यहां पहुंच सकते हैं। सोनमर्ग में कपड़ों की दुकान करने वाले तारिक अहमद मागरे ने कहा, सर्दियों में तो हमारा काम लगभग बंद रहता था। शुक्र है, सुरंग बन गई है, अब हमें सर्दियों में अपनी दुकानें बंद नहीं करनी पड़ेंगी।

कश्मीर तक ट्रेन चलने से पहले ही शुरू हो गई राजनीति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

▸ पीडीपी और जेकेएपी ने श्रीनगर और दिल्ली के बीच सीधी रेल सेवा न होने पर उठाये सवाल

कटड़ा-बनिहाल-श्रीनगर रेल सेवा अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन इस पर राजनीति शुरू हो गई है। पीडीपी और जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) ने रेल सेवा को सिर्फ कटड़ा- श्रीनगर तक सीमित रखे जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि नई दिल्ली से श्रीनगर के लिए सीधी सेवा होना चाहिए। यात्रियों को रास्ते में उतरकर रेलगाड़ी बदलने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। पीडीपी के महासचिव खुर्शीद आलम ने सवाल किया है कि कटड़ा में रेलयात्रियों के लिए रेलगाड़ी बदलने की व्यवस्था का क्या औचित्य है? सुरक्षा के नाम पर यह जो किया जा रहा है, वह सही नही है। जेकेएपी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने कहा कि श्रीनगर-दिल्ली-श्रीनगर रेलसेवा सीधी होनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि रेल मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों से तय किया है कि नई दिल्ली से सीधे श्रीनगर तक रेल सेवा नहीं होगी, बल्कि कटड़ा से श्रीनगर और श्रीनगर से कटड़ा तक के लिए रेल सेवा होगी। इसलिए श्रीनगर से जो यात्री दिल्ली जाने वाले होंगे या दिल्ली से श्रीनगर के लिए यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें कटड़ा में उतरना होगा और फिर वहां से वह श्रीनगर या फिर दिल्ली के लिए रेलगाड़ी में सवार होंगे। कटड़ा-श्रीनगर के बीच चलने वाली रेलगाड़ी के लिए कटड़ा रेलवे स्टेशन पर एक विशेष प्लेटफार्म रहेगा। श्रीनगर के लिए रेलगाड़ी में सवार होने से पहले यात्रियों को अपनी पूरी जांच करानी होगी।

आवारा कुत्ते को जानबूझकर कुचलने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलुरु, प्रेट्र: बेंगलुरु में एक शख्स को एसयूवी से आवारा कुत्ते को जानबूझकर कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना 31 दिसंबर को जेपी नगर में हुई, जिसका वीडियो प्रसारित हो रहा है। आरोपित मंजूनाथ वेंकटेश को गुरुवार शाम को गिरफ्तार किया गया। बाद में शुक्रवार को छोड़ दिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपित ने कहा कि वह काम के लिए जल्दी जा रहा था और कुत्ते पर ध्यान नहीं दिया। वहीं, एक पशु प्रेमी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया कि वीडियो में सड़क पर सो रहा कुत्ता साफ नजर आ रहा है और आरोपित ने जानबूझकर उस पर गाड़ी चढ़ा दी। आरोपितों ने कथित तौर पर कुत्ते के शव को बोरे में डालकर ठिकाने लगा दिया। यह कृत्य अमानवीय है। पुलिस ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धाराओं और बीएनएस की धारा 325 के तहत मामला दर्ज किया है।

****

4 लोगों की मौत हो गई पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक गांव में दो समूहों के बीच सुलह कराने के लिए आयोजित जिरगा (कबायली परिषद) के दौरान हुई गोलीबारी में। संघर्ष में कई लोग घायल भी हुए हैं।

अभी भी बेकाबू है लास एंजिलिस की आग

तमाम सेलेब्रेटी के घर आग ने किए बर्बाद, अभी तक 150 अरब डालर की संपत्ति का नुकसान

हालीवुड बचा, पहाड़ी पर पहुंचने से पहले नियंत्रित की गई आग

लास एंजिलिस, रायटर : अमेरिका के दूसरे बड़े शहर लास एंजिलिस के नजदीकी जंगल में मंगलवार सुबह लगी आग चौथे दिन भी बेकाबू है। आग ने फैशन की चकाचौंध वाले लास एंजिलिस शहर के बड़े हिस्से को चपेट में लिया है। 10 हजार से ज्यादा इमारतें खाक हो गई हैं। बचाव के लाख प्रयासों के बावजूद 10 लोगों की जान चली गई है और 1,80,000 से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। दो लाख अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इलाके में चल रही तेज हवा व शुष्क मौसम आग नियंत्रण के प्रयासों को विफल कर रहा है। इसे कैलिफोर्निया प्रांत की सबसे बड़ी त्रासदी माना जा रहा है।

पैसिफिक पैलिसेड्स से सुलगी चिंगारी से लगी आग को फिल्म जगत की शान हालीवुड तक पहुंचने से रोक लिया गया है। आग को हालीवुड पहाड़ियों पर पहुंचने से रोकने के हर संभव प्रयास किए गए जो सौभाग्य से सफल रहे। लेकिन अन्य इलाकों में तेज हवाएं बर्बादी की रफ्तार को कम नहीं होने दे रही हैं। आग ने अभी तक 36 हजार एकड़ (56 वर्ग मील) से ज्यादा भूभाग को अपनी चपेट में लिया और वहां की लगभग हर चीज जलाकर राख कर दी है। लास एंजिलिस के काउंटी शेरिफ राबर्ट ल्यूना ने कहा है कि बर्बादी को देखकर ऐसा लगता है जैसे शहर पर परमाणु बम डाल दिया गया हो। आग से अभी तक 150 अरब डालर की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। इससे क्षेत्र में कार्यरत बीमा कंपनियों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ सकता है।

लास एंजिलिस काउंटी में लगी आग हवा से पांच तरफ फैल गई है। आकाश से विमानों और हेलीकाप्टरों के जरिये पानी और आग बुझाने वाले रसायन फेंककर आग को शांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए कनाडा से बड़े आकार का सुपर स्कूपर विमान भी किराए पर लिया गया लेकिन वह एक निजी ड्रोन से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया और उसे जमीन पर उतारना पड़ा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस आग को बड़ी आपदा करार दिया है। कहा है कि संघीय सरकार 180 दिनों में राहत के 100 प्रतिशत उपायों को पूरा करेगी। इनमें वेतन से लेकर बर्बाद भवनों का मलबा उठाना तक होगा। लेकिन तमाम पीड़ितों पर सरकार के प्रयासों को लेकर शक है। कमजोर तबके की 63 वर्षीय के यंग आग से बर्बाद हुए अपने मकान की सीढ़ियों पर बैठी रो रही हैं। उन्हें नहीं लगता कि पीढ़ियों की रिहायश वाले उनके घर को कोई पुरानी स्थिति में ला पाएगा। आग से प्रभावित कई लोग आग नियंत्रण के सरकारी उपायों पर नाराजगी जताते भी सुने गए हैं।

10 लोगों की मौत, 1,80,000 हुए बेघर, दो लाख अलर्ट पर

56 वर्गमील में फैली आग, दस हजार से ज्यादा भवन हुए खाक

150 अरब डालर की संपत्ति का अभी तक हो चुका है नुकसान

लास एंजिलिस के जंगलों में लगी आग की भेंट चढ़ा एक आवास। एपी

अमेरिका के कालाबसेस शहर में आग के बाद यहां के निवासियों द्वारा घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों को जाने के दौरान वाहनों का ऐसा काफिला दिखा। एएफपी

कालाबासेस शहर में भी लगी आग

कैलिफोर्निया के ही कालाबासेस शहर में भी आग लगने के बड़ी घटना हुई है। गुरुवार को यहां लगी आग एक हजार एकड़ जमीन पर फैल गई है। कालाबासेस अमेरिका के सबसे ज्यादा संपन्न शहरों में शामिल है और यहां पर तमाम सेलेब्रेटी के आवास हैं। इस आग से अभी होने वाले नुकसान का अनुमान नहीं लगाया गया है। हालांकि पुलिस प्रशासन आग को बुझाने और लोगों की जान बचाने की मुहिम में जुट गया है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है।

लास एंजिलिस एवं उसके आसपास आग से तबाही के पहले (ऊपर) एवं तबाही के बाद का दृश्य। रायटर

आकाश में काले धुंए के बादल छाए

रिहायशी भवनों और अन्य इमारतों में लगी आग से उठ रहा धुंआ लास एंजिलिस के आकाश पर छा गया है। तेज हवा के चलते यह धुंआ उड़ भी रहा है लेकिन आकाश में इसकी सघन मौजूदगी बनी हुई है। इससे विमानों और हेलीकाप्टरों के उड़ने में भी बाधा आ रही है।

हवा की रफ्तार कुछ कम हुई

मंगलवार को जब आग लगी थी तब इलाके में हवा की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक थी। इससे आग बहुत तेजी से फैली। गुरुवार को हवा की रफ्तार कम महसूस की गई लेकिन अभी भी वह आग नियंत्रण के प्रयासों को विफल करने के लिए काफी तेज है।

1,600 भवनों का बीमा जुलाई में हुआ था रद

लास एंजिलिस के जिस पैसिफिक पैलिसेड्स इलाके से आग की शुरुआत हुई, वहां के 1,600 भवनों का बीमा इसी वर्ष जुलाई में बीमा कंपनी स्टेट फार्म ने रद कर दिया था। जिन भवनों का बीमा रद हुआ था उनमें से ज्यादातर आग के शिकार हो गए हैं। यह बात अग्निकांड के कारणों की शुरुआती जांच में सामने आई है।

पांच जगह भड़क रही आग, तीन जगह बुझाई गई

लास एंजिलिस में सांता मोनिका और मालिबू के बीच के 20 हजार एकड़ भूभाग पर अभी आग बेकाबू है। इसी प्रकार से पेसाडेना में 13,690 एकड़ क्षेत्रफल में आग लगी हुई है। इसके अतिरिक्त हर्स्ट में 770 एकड़ भूमि, लीडिया में 394 एकड़ में और केनेथ में 960 एकड़ क्षेत्र में अभी आग लगी हुई है। जबकि वुडले, ओलिवास और सनसेट में छोटे इलाकों में लगी आग को बुझा लिया गया है।

जंगलों में लगी भीषण आग बुझाने में जुटा हेलीकाप्टर। एपी

आग बुझाने में बाधा, पानी हुआ खत्म

लास एंजिलिस की आग इतने बड़े इलाके में लगी है कि पानी कम पड़ गया। आपातस्थिति से निपटने के लिए शहर में जलापूर्ति की जो पाइपलाइन है वह 100 वर्ष पुरानी है। पाइपलाइन कई जगह से क्षतिग्रस्त है या बंद हो गई है। इसलिए कई स्थानों पर अग्निशमन कर्मियों को आग बुझाने के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

लास एंजिलिस के समीप के जंगल में विकराल आग लगी हुई है। रायटर

कई क्षेत्र में कर्फ्यू लगाकर राहत के उपाय

प्रशासन ने आग से प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लगाकर मलबे को उठवाना शुरू कर दिया है। पीड़ितों को उनके बर्बाद हुए घरों तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। इससे लोगों में गुस्सा भी है। जो घर बर्बाद हुए हैं उनमें कई फिल्मी हस्तियों और अन्य सेलेब्रेटी के हैं।

आपदाग्रस्त लोगों की मदद को उठे हाथ

विश्व भर में आपदाग्रस्त लोगों को मुफ्त भोजन मुहैया कराने वाले शेफ जोस एंड्रेस ने पीड़ितों के लिए पैसिफिक कोस्ट हाइवे पर खाद्य सामग्री का ट्रक लगा दिया है। वहां से लोग खाना ले रहे हैं। जोस ने कहा, इस समय पीड़ितों को प्यार, सहानुभूति और समर्थन की जरूरत है। अभिनेत्री जैमी ली कर्टिस ने पीड़ित परिवारों की मदद के लिए 10 लाख डालर देने का एलान किया है।

आग से घर जलकर खाक होने के बाद शोकाकुल महिला तथा व्यक्ति। एपी

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को सजा पर दंड से मुक्ति

न्यूयार्क, एपी : अमेरिका में पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए धन देने के मामले में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिल गई है। मैनहटन ट्रायल कोर्ट के न्यायाधीश जुआन एम मर्चन ने ट्रंप को मामले में दोषी तो ठहराया है पर कारावास या अर्थदंड की सजा नहीं दी है। इससे 20 जनवरी को ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप से संबंधित मामले में सजा के एलान पर रोक लगाने से इन्कार के बाद ट्रायल कोर्ट ने अपना आदेश सुनाया। पोर्न स्टार स्टार्मी डेनियल्स को 2006 में रहे संबंधों पर चुप रहने के एवज में 1,30,000 डालर देने के लिए ट्रंप को दोषी माना गया है। ट्रंप ने यह धनराशि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले दी थी। इस चुनाव में ट्रंप निर्वाचित हुए थे। ट्रायल कोर्ट के ताजा आदेश के बाद ट्रंप अब न्यायालय से दोषी के रूप में सजा पाए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं और राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाले पहले व्यक्ति भी होंगे।

ट्रंप फिर बोले, कनाडा बने अमेरिका का 51वां राज्य

- कहा– हम कनाडा पर लगाएंगे टैरिफ, हमें उनकी किसी चीज की जरूरत नहीं

फ्लोरिडा, एएनआइ : अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर कनाडा को 51वां राज्य बनाने का मुद्दा उठाया। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ट्रंप के इस बयान का विरोध किया है।

फ्लोरिडा में प्रेस कान्फ्रेंस में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने की अपनी बात को सही ठहराया। उन्होंने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के संदर्भ में कहा, मैंने उन्हें गवर्नर ट्रूडो इसलिए कहा क्योंकि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनना चाहिए। कनाडा के लोगों को भी यह विचार "बहुत दिलचस्प" लगा है। वे बेहद कम टैक्स देते हैं। उनके पास बेहद छोटी सेना है। वे एक प्रतिशत से भी कम भुगतान करते हैं। वे नाटो में सबसे कम भुगतान करने वाले हैं। उन्हें इससे कहीं अधिक भुगतान करना चाहिए। बहुत सारी समस्याएं हैं। नाटो एक सैन्य संगठन है। अमेरिका और कनाडा दोनों इस संगठन के सदस्य हैं।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

ट्रंप ने कहा, हम कनाडा को प्रति वर्ष 200 और 250 अरब अमेरिकी डालर की सब्सिडी दे रहे हैं। कनाडा ने हमारे कार कारोबार के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। हम उन पर टैरिफ लगा सकते हैं। हमने अभी तक उन पर टैरिफ नहीं लगाया है लेकिन अब हम टैरिफ लगाएंगे। हमें उनकी किसी भी चीज की जरूरत नहीं है।

ट्रंप के बयान ध्यान भटकाने की कोशिश : ट्रूडो

जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने संबंधी ट्रंप के बयान को ध्यान भटकाने का प्रयास करार दिया। उन्होंने गुरुवार को सीएनएन से साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप टैरिफ धमकियों के परिणामों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का बयान दे रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा का अमेरिकी राज्य बनना संभव नहीं है।

कनाडा के नए पीएम की घोषणा नौ मार्च को होगी

- लिबरल नेता की दौड़ में मार्क कार्नी, क्रिस्टिया फ्रीलैंड शामिल
- भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की

कनाडा की पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड। फाइल/एपी

बैंक आफ कनाडा के पूर्व गवर्नर मार्क कार्नी। फाइल/एपी

भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य। वीडियोग्रैब/एएनआइ

टोरंटो, एपी: कनाडा के निवर्तमान पीएम जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी नौ मार्च को अपना नया नेता चुनेगी, जो देश का अगला पीएम बनेगा। ट्रूडो ने गत सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वह पार्टी के नए नेता के चुनाव तक पीएम बने रहेंगे। 2013 से पार्टी प्रमुख का पद संभाल रहे 53 वर्षीय ट्रूडो 2015 से पीएम हैं, पर पार्टी के अंदर बढ़ते विरोध व घटती लोकप्रियता के चलते त्यागपत्र की घोषणा करनी पड़ी।

लिबरल पार्टी के अध्यक्ष सचित मेहरा ने एक बयान में कहा, 'पार्टी नौ मार्च को नया नेता चुनेगी और 2025 का चुनाव लड़ने व जीतने के लिए तैयारी करेगी।' लिबरल नेता के चुनाव की दौड़ में बैंक आफ कनाडा के पूर्व गवर्नर मार्क कार्नी व पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड शामिल हैं। फ्रीलैंड ने गत माह वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इस बीच, भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने लिबरल नेता की दौड़ में शामिल होने की घोषणा की है। कर्नाटक में जन्मे ओटावा के सांसद आर्य ने गुरुवार को एक्स पर उम्मीदवारी की घोषणा की। वहीं, विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा, वह ट्रूडो की जगह लेने की दौड़ में शामिल नहीं होंगी। वह अमेरिकी शुल्क के संभावित खतरे से निपटने पर ध्यान देंगी। इसे लेकर कैबिनेट बैठक होने वाली है।

ज्ञात हो, डोनाल्ड ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कनाडाई वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी भी दे रखी है। इस मुद्दे पर मतभेद को लेकर ट्रूडो सरकार में वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ट्रूडो के इस्तीफे की मांग तेज हो गई थी। हालिया सर्वे से पता चला है कि लिबरल की आगामी चुनाव जीतने की संभावना बहुत कम है।

यह है चुनाव की रूपरेखा : लिबरल पार्टी के अनुसार, राष्ट्रीय निदेशक मंडल की गुरुवार को हुई बैठक में चुनाव की रूपरेखा तैयार की गई। पार्टी नेता पद के लिए नौ मार्च को मतदान होगा और उसी दिन नए नेता की घोषणा की जाएगी। उम्मीदवार के लिए साढ़े तीन लाख कनाडाई डालर शुल्क तय किया गया है।

यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले डोनेत्स्क में सुपरमार्केट को बनाया निशाना

- दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायल हो गए
- रूस ने भी रातभर के दौरान यूक्रेन पर 72 ड्रोन से हमला बोला

मास्को, रायटर: यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले डोनेत्स्क में एक सुपरमार्केट को मिसाइल से निशाना बनाया है। इस हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायल हो गए। रूस के इस आरोप को लेकर यूक्रेन की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही तस्वीर में क्षतिग्रस्त इमारत के सामने मलबे का ढेर दिख रहा है और एक कार जलती नजर आ रही है। एक ड्राइवर की ओर से पोस्ट किए गए डैशकैम फुटेज में वह क्षण दिखाई दे रहा है जब सुपरमार्केट (मोलोको) पर हमला हुआ। इसके परिणामस्वरूप बड़ा विस्फोट हुआ और आग की लपटें उठने लगीं। रूस समर्थित एक वरिष्ठ अधिकारी डेनिस पुशिलिन ने यूक्रेनी सेना पर सुबह के व्यस्त समय के दौरान हिमारस से मिसाइल दागने का आरोप लगाया। इस हमले में अन्य इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है।

रूस के कब्जे वाले डोनेत्स्क में यूक्रेनी हमले में क्षतिग्रस्त स्टोर। एएफपी

वहीं यूक्रेन ने कहा है कि रूस की ओर से रातभर के दौरान 72 ड्रोन से हमला बोला गया। इनमें से 33 को नष्ट कर दिया गया। वायु सेना ने कहा कि पांच ड्रोन ने चेर्निहाइव के उत्तरी क्षेत्र में विभिन्न इमारतों पर हमला किया, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। नष्ट किया गया एक ड्रोन कीव में एक इमारत पर गिरा, लेकिन इससे कोई हताहत नहीं हुआ।

ट्रंप–पुतिन की मुलाकात के लिए रूस तैयार

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन: रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने शुक्रवार को कहा, उनका देश राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक के लिए तैयार है। हालांकि इस बारे में कोई कदम 20 जनवरी को ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद ही उठाया जा सकता है। इससे पहले ट्रंप ने कहा, उनके और पुतिन के बीच मुलाकात की योजना बनाई जा रही है, पर उन्होंने वार्ता के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई है।

रूसी तेल पर सबसे कड़े प्रतिबंध: समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, बाइडन प्रशासन ने रूस के तेल और गैस राजस्व को निशाना बनाते हुए सबसे कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। प्रशासन ने शुक्रवार को कहा कि प्रतिबंधों से रूस को हर महीने अरबों डालर का नुकसान होगा। यह यूक्रेन में शांति के लिए कीव और आगामी ट्रंप प्रशासन को लाभ देने का एक प्रयास है।

****

इजरायल ने यमन में हाउती विद्रोहियों के ठिकानों को बनाया निशाना

- हमले में अमेरिकी–ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन के शामिल होने का दावा
- नेतन्याहू बोले, हाउती विद्रोहियों को चुकानी पड़ रही भारी कीमत

दुबई, रायटर: इजरायल की सेना ने शुक्रवार को यमन में राजधानी सना समेत कई जगहों पर हवाई हमले किए और हाउती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने मध्य और पश्चिमी यमन में हाउती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले दो बंदरगाहों और एक पावर स्टेशन में कई लक्ष्यों को निशाना बनाया। जबकि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, 'यमन के हाउती विद्रोहियों को हमारे खिलाफ आक्रामकता के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।'

इजरायली सेना के अनुसार, हेज्याज पावर स्टेशन, होदेदाह पोर्ट और रास इसा पोर्ट में सैन्य ढांचों को निशाना बनाया गया है। हालांकि हाउती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने दावा किया कि इजरायली सेना और अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने संयुक्त रूप से सना समेत यमन में कई जगहों पर दर्जनों हवाई हमले किए। इस दावे पर अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। इससे पहले ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एम्ब्रे ने बताया कि उसे यमन में हाउती के नियंत्रण वाले इलाकों में हवाई हमलों की जानकारी मिली है।

उल्लेखनीय है कि सना समेत ज्यादातर यमन पर हाउती विद्रोहियों का कब्जा है। वह हमास के खिलाफ इजरायल के सैन्य अभियान को लेकर फलस्तीनियों के समर्थन में नवंबर, 2023 से इजरायल की ओर कई बार ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर चुका है। हाउती यमन के समीप के जलक्षेत्र से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों को भी कई बार निशाना बना चुका है।

आइसीसी पर प्रतिबंध के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विधेयक पारित

वाशिंगटन, रायटर: अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आइसीसी) पर प्रतिबंध लगाने के लिए गुरुवार को विधेयक पारित किया। गाजा में इजरायल की कार्रवाई को लेकर इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के विरोध में अमेरिका ने यह कदम उठाया है। आइसीसी पर प्रतिबंध के लिए पेश किए गए विधेयक 'इलेजिटिमेट कोर्ट काउंटरैक्शन एक्ट को 243 के मुकाबले 140 के बहुमत से पारित कर दिया गया। 45 डेमोक्रेट ने भी 198 रिपब्लिकन के साथ विधेयक का समर्थन किया। अब विधेयक सीनेट में भेजा जाएगा। 2020 में जब ट्रंप राष्ट्रपति थे उस समय भी अमेरिका ने आइसीसी पर प्रतिबंध लगाया था। उन प्रतिबंधों को राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने हटा लिया था। आइसीसी सदस्य देशों में या उनके नागरिकों द्वारा किए गए युद्ध अपराधों, मानवता के विरुद्ध अपराधों, नरसंहार के लिए व्यक्तियों पर केस चला सकता है।

जोकोविक का दावा, आस्ट्रेलिया में हिरासत के दौरान खिलाया गया था 'जहरीला खाना'

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नोवाक जोकोविक ● रायटर

मेलबर्न, आइएएनएस : सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविक ने कहा है कि 2022 आस्ट्रेलियन ओपन के वीजा विवाद के समय हिरासत के दौरान उन्हें 'जहरीला' खाना खिलाया गया था, इससे पहले कि उन्हें सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम की पूर्व संध्या पर निर्वासित कर दिया गया। दरअसल, उन्होंने 'गोल्ड क्वेस्ट' के साथ हुए साक्षात्कार में इस मामले का रहस्योद्घाटन किया था। हालांकि, शुक्रवार को उन्होंने इस मामले पर विस्तार से चर्चा करने से इन्कार कर दिया।

24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन का 2022 आस्ट्रेलियन ओपन से पहले आस्ट्रेलिया के कोविड-19 प्रवेश नियमों और उनके बिना टीकाकरण की स्थिति के कारण वीजा रद कर दिया गया था। उन्हें शुरू में वीजा छूट दी गई थी, लेकिन बाद में आस्ट्रेलियाई सीमा बल ने इसे रद कर दिया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मेलबर्न के एक होटल में शरणार्थियों के साथ हिरासत में रखा गया। जोकोविच ने जीक्यू को बताया, 'मुझे एहसास हुआ कि मेलबर्न के उस होटल में मुझे कुछ ऐसा खाना खिलाया गया था, जिससे मुझे विषाक्तता हो गई थी। जब मैं सर्बिया वापस आया तो मुझे इसका एहसास हुआ। मैंने कभी किसी को सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया... मेरे शरीर में भारी धातु का स्तर बढ़ था। शरीर में सीसा और पारा का स्तर बहुत ज्यादा था।'

सर्बियाई दिग्गज ने आगे कहा कि 2022 के विवाद के बावजूद उन्हें आस्ट्रेलियाई लोगों से कोई शिकायत नहीं है। हालांकि, 12 महीने बाद वह खिताब जीतने के लिए मेलबर्न लौट आए। उन्होंने कहा, कुछ सालों में आस्ट्रेलिया या दुनिया के दूसरे देशों में मिलने वाले बहुत से आस्ट्रेलियाई लोग मेरे पास आए और मेरे साथ किए गए व्यवहार के लिए मुझसे माफी मांगी, क्योंकि उस समय वे अपनी ही सरकार से शर्मिंदा थे। उन्होंने कहा कि और मुझे लगता है कि सरकार बदल गई है और उन्होंने मेरा वीजा बहाल कर दिया है और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मुझे वहां रहना बहुत पसंद है और मुझे लगता है कि मेरे परिणाम टेनिस खेलने और उस देश में होने की मेरी भावना का प्रमाण हैं।' जोकोविक ने कहा, ''कुछ वर्ष पहले मुझे उस देश से निर्वासित करने वाले लोगों से मैं कभी नहीं मिला। मुझे उनसे मिलने की इच्छा नहीं है। अगर मैं किसी दिन उनसे मिलूंगा, मैं हाथ मिलाकर आगे बढ़ने के लिए खुश हूं।''

निक किर्गियोस को वापसी की उम्मीद

निक किर्गियोस

मेलबर्न : पिछले साल घुटने और कलाई की सर्जरी से गुजरने के बाद तीन वर्ष में पहली बार मेलबर्न पार्क में अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी करने के लिए तैयार निक किर्गियोस ने स्वीकार किया कि उनकी वापसी एक भावनात्मक रही है। प्रतिस्पर्धी टेनिस से लगभग एक वर्ष दूर रहने के बाद, किर्गियोस की वापसी बिल्कुल भी सीधी नहीं रही। उनकी वापसी ब्रिसबेन इंटरनेशनल से शुरू हुई, जहां उन्होंने नोवाक जोकोविक के साथ दो डबल्स मैच खेले और उभरते हुए स्टार जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से एक सिंगल्स मुकाबले में हार गए। हालांकि, कलाई में दर्द और पेट में मामूली चोट ने मेलबर्न पार्क के लिए उनकी तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान किर्गियोस ने कहा, ''आज सुबह मैं वहां काफी अच्छा महसूस कर रहा था। मेरे पास टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अभी भी तीन दिन हैं। मैं बस दिन-ब-दिन आगे बढ़ रहा हूं, फिर से सभी पलों का आनंद ले रहा हूं- टूर्नामेंट का हिस्सा बनना, हालवे और लाकर रूम से गुजरना, सभी को फिर से देखना। पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए भावनात्मक समय रहे हैं।'

चोटिल ओसाका को खेलने का भरोसा

नाओमी ओसाका ● एएफपी

मेलबर्न : दो बार की आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका को पेट की चोट के स्कैन के परिणाम ''शानदार'' नहीं होने के बावजूद सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम में पहले दौर का मैच खेलने का भरोसा है। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सत्र के पहले मेजर की तैयारी के लिए एएसबी क्लासिक के फाइनल में पहुंची, लेकिन उन्हें रिटायर होना पड़ा और एमआरआइ स्कैन करवाना पड़ा। हालांकि, उन्होंने शुक्रवार को स्कैन के नतीजों के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी, लेकिन ओसाका ने कहा कि वह फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी कैरोलिन गार्सिया के विरुद्ध अपने पहले दौर के मैच के लिए तैयार है। ओसाका ने कहा कि मैं आम तौर पर बहुत ईमानदार व्यक्ति हूं, लेकिन मैं शायद आपके सवाल का ईमानदारी से जवाब नहीं दूंगी। एमआरआइ शानदार नहीं था, लेकिन साथ ही यह बुरा भी नहीं था। मैं अपना मैच खेलने को लेकर काफी आशावादी हूं, मेरा मतलब है कि मैं निश्चित रूप से अपना मैच खेलूंगी। मैं पिछले दो दिनों से अभ्यास कर रही हूं।

एक नजर में

तेज गेंदबाज वरुण आरोन का क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली : एक समय भारत के सबसे तेज गेंदबाज रहे वरुण आरोन ने चोटों से करियर प्रभावित रहने के बाद शुक्रवार को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की जब उनकी टीम झारखंड का विजय हजारे ट्राफी में अभियान समाप्त हो गया। 35 वर्ष के आरोन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'पिछले 20 वर्ष से मैं तेज गेंदबाजी को समर्पित रहा हूं। आज पूरी कृतज्ञता के साथ मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं।' आरोन ने 2011 में भारत के लिए पदार्पण किया और नौ वनडे और नौ टेस्ट मैच खेले। (प्रेट्र)

पीसीबी ने चैंपियंस ट्राफी पर अटकलें खारिज कीं

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन अटकलों को खारिज किया है कि तीन स्टेडियमों में मरम्मत कार्य में विलंब के कारण 19 फरवरी से शुरू हो रही आइसीसी चैंपियंस ट्राफी दूसरे देश में आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी के मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में होने हैं जबकि भारत के मैच दुबई में होंगे।' (प्रेट्र)

लक्ष्य चाहर और गोविंद अगले दौर में

बरेली : सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) के गत चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेलवे के साहिल को हराकर के पुरुष वर्ग की सीनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अगले दौर में प्रवेश किया। चाहर ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मोहम्मद आरिफ पर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने वाले रेलवे के गोविंद साहनी (60 किग्रा) ने असम के गौरव मजूमदार को 5-0 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। (प्रेट्र)

इंजमाम, मुश्ताक व सईद अनवर हाल आफ फेम में

कराची : पीसीबी ने वर्ष 2024 के लिए चार पूर्व कप्तानों को हाल आफ फेम में शामिल किया है जिनमें मुश्ताक मोहम्मद, इंजमाम-उल-हक, मिस्बाह-उल-हक और सईद अनवर शामिल हैं। मुश्ताक मोहम्मद ने 1970 के दशक में पाकिस्तान का नेतृत्व किया था। वहीं इंजमाम और मिस्बाह 2004 और 2017 के बीच लंबे समय तक पाकिस्तान के कप्तान रहे। (प्रेट्र)

आज पूछा जाएगा लगातार क्यों हार रहे?

बीसीसीआइ की समीक्षा बैठक आज कोच गंभीर व मुख्य चयनकर्ता रहेंगे मौजूद

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

मुख्य कोच गौतम गंभीर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ● फाइल फोटो, आइएएनएस

नई दिल्ली : बार्डर-गावस्कर ट्राफी में 1-3 से हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से बाहर होने के बाद सीनियर खिलाड़ियों और कोच गौतम गंभीर की भूमिका सवालों के घेरे में है। मुंबई में सोमवार को बीसीसीआइ मुख्यालय में समीक्षा बैठक होगी, जिसमें श्रीलंका में वनडे सीरीज में हार, न्यूजीलैंड से घर में 0-3 से क्लीन स्वीप और 10 साल बाद बार्डर-गावस्कर ट्राफी में हार के कारणों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में बैठक में बीसीसीआइ अध्यक्ष रोजर बिन्नी, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, अंतरिम सचिव देवजीत सैकिया व अन्य पदाधिकारी, कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर मौजूद रहेंगे।

जब से गंभीर को मुख्य कोच बनाया गया है, तब से टी-20 में तो भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वनडे और टेस्ट प्रारूप में टीम संघर्ष करती दिखी है। बांग्लादेश के विरुद्ध 2-0 की घरेलू टेस्ट सीरीज में जीत के बाद लग रहा था कि भारतीय टीम लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बना लेगी, लेकिन उसके बाद घर पर न्यूजीलैंड से 0-3 से अपमानजनक हार हुई, जो 12 वर्ष में घर पर टेस्ट सीरीज में पहली हार थी। इसके बाद आस्ट्रेलिया में पर्थ टेस्ट को छोड़ दें तो भारतीय टीम के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। पर्थ में जीत के बाद एडिलेड में हार, ब्रिसबेन में ड्रा, मेलबर्न और सिडनी में टीम को हार मिली। इसमें कोच गंभीर के कई फैसले ऐसे रहे, जिस पर प्रश्न खड़े हुए। सिडनी में हरी पिच के बावजूद दो स्पिनरों को खिलाने का निर्णय भी सवालों के घेरे में रहा। भारतीय ड्रेसिंग रूम की खबरें भी बाहर आईं, जिस पर काफी हल्ला मचा, लेकिन इन सबसे ज्यादा चर्चा रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों की भूमिका की हुई, जो बल्ले से बुरी तरह फ्लाप रहे। सूत्रों की मानें तो श्रीलंका दौरे, न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज और आस्ट्रेलिया दौरे पर हार के बाद से बीसीसीआइ खुश नहीं है और कोच गंभीर व चयनकर्ताओं से जवाब चाहती है। हालांकि इस महीने इंग्लैंड के विरुद्ध टी-20 व वनडे सीरीज और अगले महीने चैंपियंस ट्राफी को देखते हुए फिलहाल कोई बड़ा निर्णय नहीं लिया जाएगा। माना जा रहा है कि फिलहाल गंभीर और सहयोगी स्टाफ बना रहेगा। अभी बीसीसीआइ का पूरा ध्यान चैंपियंस ट्राफी पर है। समीक्षा बैठक के साथ ही इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे वो टी20 सीरीज और चैंपियंस ट्राफी के लिए टीम चयन पर भी मंथन होगा। टी20 के कप्तान तो सूर्य कुमार यादव ही रहेंगे। इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्राफी में रोहित और विराट की जगह पर फिलहाल संकट नहीं दिख रहा लेकिन टेस्ट में उनके भविष्य को लेकर चर्चा हो सकती है।

कल बीसीसीआइ सचिव चुने जाएंगे सैकिया

नई दिल्ली : देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को रविवार को होने वाली बीसीसीआइ की विशेष आम बैठक (एसजीएम) में 12 जनवरी को निर्विरोध सचिव और कोषाध्यक्ष चुना जाना तय है। सैकिया एक दिसंबर को जय शाह के आइसीसी के चेयरमैन के रूप में पदभार संभालने के बाद से बीसीसीआइ के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। यह पद आशीष शेलार द्वारा खाली किया गया था जिन्होंने महाराष्ट्र में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। रविवार को एसजीएम में आइसीसी चेयरमैन जय शाह को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

विराट ने संत प्रेमानंद से पूछा- असफलता से कैसे पाएं पार

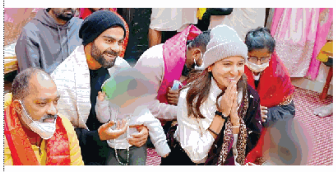
संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने पहुंचे क्रिकेटर विराट व अनुष्का ● सौजन्य : आश्रम

जासं, वृंदावन (मथुरा) : करियर में अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे विराट कोहली शुक्रवार को परिवार सहित वृंदावन में संत प्रेमानंद के आश्रम पहुंचे। विराट ने संत प्रेमानंद से असफलता से पार पाने का मार्ग पूछा तो उन्होंने कहा कि अपने अभ्यास को पुष्ट करते रहें।

तीन वर्ष बाद दोबारा संत प्रेमानंद के पास सुबह सात बजे वृंदावन स्थित श्रीराधा केलिकुंज आश्रम पत्नी अनुष्का और दोनों बच्चों वामिका और अकाय के साथ पहुंचे। विराट और अनुष्का ने दंडवत होकर प्रेमानंद महाराज प्रणाम किया। इसके बाद महाराज ने दोनों का हाल-चाल पूछा। विराट कोहली ने पूछा कि हम अपनी मेहनत से उच्चतम स्तर पर पहुंचे। ऐसे में असफलता से कैसे पार पाएं। संत प्रेमानंद ने कहा, आप पूरे भारत को यह प्रसन्नता एक खेल से देते हैं। आप विजयी हुए तो पूरे भारत में आनंद मनाया जाता है, यह आपकी साधना है। आप अभ्यास की पुष्टता पर ध्यान दें। करीब आधे घंटे तक विराट और अनुष्का आश्रम में रहे, इस दौरान अनुष्का ने कहा कि हम आपके सत्संग को सुनते हैं और जीवन में उतारने का प्रयास करते हैं। अनुष्का ने कहा, पिछली बार जब हम आए थे तो मन में कुछ सवाल थे। मुझे लगा कि पूछ लूंगी पर जितने लोग बैठे थे, उन्होंने वह सवाल पूछ लिए।

पहली मुलाकात के बाद फार्म में लौटे थे विराट : करीब तीन साल पहले विराट और अनुष्का वृंदावन संत प्रेमानंद के दर्शन करने आए थे। आशीर्वाद लेकर जब विराट लौटे तो पहली ही सीरीज में अपने बल्ले से जोरदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम को जीत दिलाई। अब विराट ने फिर उनका आशीर्वाद लिया।

प्रतिका-तेजल के अर्धशतकों से भारत ने आयरलैंड को हराया

राजकोट, प्रेट्र : भारतीय महिला टीम ने प्रतिका रावल (89 रन) और तेजल हसाबनिस (अविजित 53 रन) के अर्धशतकों की मदद से शुक्रवार को यहां आयरलैंड के विरुद्ध शुरुआती महिला वनडे मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही स्मृति मंधाना की अगुआई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने कप्तान गैबी लुईस के 92 रन और उनकी लियाह पाल (59 रन) के साथ 117 रन की साझेदारी से सात विकेट पर 238 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारतीय महिला टीम ने 34.3 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस दौरान रावल और हसाबनीस ने 84 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी कर 93 गेंद पहले ही टीम को जीत दिला दी।

मंधाना के 4000 रन पूरे : भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी 41 रन की पारी के दौरान वनडे में 4000 रन पूरे करने की उपलब्धि भी प्राप्त कर ली। स्मृति के 95 वनडे में 4001 रन हो गए हैं। उनसे पहले भारत की ओर से वनडे में 4000 रन मिताली राज ने बनाए थे। मंधाना ने 95 पारियों में ये आंकड़ा छुआ, जो भारत की ओर से पारी के लिहाज से बनाए सबसे तेज 4000 रन हैं। मंधाना ने 28 वर्ष 17 दिन की उम्र में चार हज़ार रन पूरे किए और वह महिला वनडे में ऐसा करने वाली 15वीं बल्लेबाज बन गई हैं।

मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी

सात्विक-चिराग

कुआलालंपुर, प्रेट्र : भारत की स्टार पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाइराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया ओपन में अपना विजयी सफर जारी रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। शुक्रवार को खेले गए सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के यू सिन ओंग और ऐ यि तेओ को 26-24, 21-15 से पराजित किया।

सात्विक और चिराग अब सेमीफाइनल में वोन हो किम और सुंग जे सियो की दक्षिण कोरियाई जोड़ी से भिड़ेंगे। पहला गेम बराबरी का रहा जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। भारतीय जोड़ी ने 11-9 की बढ़त बना ली जो 18-16 हो गई लेकिन मलेशियाई टीम ने लगातार तीन अंक लेकर वापसी की और स्कोर 19-19 कर दिया। इसके बाद उन्होंने 20-19 की बढ़त बना ली। सात्विक और चिराग ने लेकिन लगातार अंक लेकर पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने मजबूत शुरूआत की लेकिन सात्विक और चिराग ने 17 में से 13 अंक लेकर जीत दर्ज की।

'एल क्लासिको' होगा सुपर कप फाइनल

सेमीफाइनल में बेलिंघम के गोल के दम पर रीयल मैड्रिड ने मालोर्का को हराया, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में बिलबाओ को हराया था

जूड बेलिंघम ● रायटर

जेद्दा, एपी : जूड बेलिंघम के गोल के दम पर रीयल मैड्रिड ने गुरुवार को सऊदी अरब के जेद्दा में हो रहे स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में मालोर्का को 3-0 से रौंदकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ को हराकर फाइनल में पहुंचे बार्सिलोना से रविवार को होगा।

पिछले सत्र में मैड्रिड के शीर्ष गोल स्कोरर रहे इंग्लिश मीडिफिल्डर ने इस सत्र में टूर्नामेंट की शुरुआत धीमी की है, लेकिन आठ स्पेनिश लीग मुकाबलों में अब उनके सात गोल हो गए हैं। उन्होंने मैच के दौरान 63वें मिनट में एक और गोल दागकर मजबूत दिख रहे मालोर्का के विरुद्ध टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। रक्षात्मक रूप से मजबूत दिख रही मालोर्का के विरुद्ध लगातार काउंटर अटैक कर रही रीयल मैड्रिड की टीम की ओर से यह गोल लगातार तीसरे प्रयास में आया। पहली बार रोड्रिगो के शाट पर गेंद गोलपोस्ट से टकराकर एमबापे के पास आई, एमबापे ने शाट लगाया पर गोलकीपर डोमिनिक ग्रीफ ने शानदार बचाव कर लिया, परंतु रिबाउंड पर खड़े बेलिंघम ने उन्हें कोई अवसर नहीं दिया। मैड्रिड ने दो गोल स्टापेज टाइम में दागा, जिसमें पहला गोल मार्टिन वाल्जेंट की ओर से आत्मघाती गोल के रूप में आया। रोड्रिगो ने ब्राहिम डियाज के पास पर टीम के लिए तीसरा गोल दागा।

नीरज चोपड़ा चुने गए 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट

अमेरिकी पत्रिका ट्रैक एंड फील्ड न्यूज ने भाला फेंक रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रखा

89.45 मीटर थ्रो के साथ नीरज ने पिछले वर्ष पेरिस ओलिंपिक में जीता था रजत पदक

5 वें स्थान पर रहे पेरिस ओलिंपिक में स्वर्ण जीतने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम

नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने 2024 में भाला फेंक में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट करार दिया है। पिछले साल ओलिंपिक खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने कैलिफोर्निया स्थित पत्रिका की 2024 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा। यह पत्रिका 1948 से प्रकाशित हो रही है। वह हर साल विश्व और अमेरिकी रैंकिंग प्रकाशित करती है। चोपड़ा 2023 की पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान पर थे।

नदीम इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं क्योंकि उन्होंने ओलिंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लिया था, जिसमें वह चौथे स्थान पर रहे थे। पेरिस ओलिंपिक में उन्होंने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था। चोपड़ा ने वर्ष 2024 में कोई डायमंड लीग प्रतियोगिता नहीं जीती तथा वह दोहा, लुसाने और ब्रुसेल्स में दूसरे स्थान पर रहे। पिछले साल उनकी एकमात्र बड़ी जीत फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में थी। पत्रिका ने लिखा, 'वर्तमान में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नीरज चोपड़ा और 2022 के विजेता एंडरसन पीटर्स के बीच शीर्ष स्थान के लिए स्थिति स्पष्ट नहीं थी। चोपड़ा ने कोई डायमंड लीग नहीं जीती थी लेकिन पेरिस ओलिंपिक में बेहतर प्रदर्शन के कारण वह ग्रेनाडा के खिलाड़ी से 3-2 से आगे रहे। पीटर्स पेरिस ओलिंपिक में नदीम और चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2024 में लुसाने, ज्यूरिख और ब्रुसेल्स में तीन डायमंड लीग प्रतियोगिताएं जीती थीं। पत्रिका ने नदीम के बारे में लिखा, आप ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बारे में क्या कर सकते हैं जिसने ओलंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता में भाग लिया और उसमें वह चौथे स्थान पर रहे। इसलिए यह निर्णय किया गया कि उन्हें पांचवें नंबर से ऊपर नहीं रखा जा सकता। हालांकि वह सर्वकालिक सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

लीजेंड 90 लीग से मैदान पर फिर वापसी करेंगे कई दिग्गज

शिवैन शर्मा ● आयोजक

नई दिल्ली, जेएनएन : अगले महीने से शुरू होने वाली लीजेंड 90 लीग दिग्गज खिलाड़ियों को मैदान पर वापस लाएगी। हरभजन सिंह, शिखर धवन, कार्तिक, मोइन अली, रास टेलर और मार्टिन गुप्टिल उन पूर्व क्रिकेटरों में शामिल हैं जो इस लीग में खेलेंगे। लीग में प्रत्येक मैच में 90-90 गेंद फेंकी जाएंगी।

लीग के संस्थापक शिवैन शर्मा ने कहा कि लीजेंड 90 लीग केवल क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर वापस लाने के बारे में नहीं है। यह प्रशंसकों को अपने पसंदीदा पूर्व क्रिकेटरों को फिर से मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते देखने का मौका देने के बारे में है। यह लीग उन खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो शायद अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में नहीं हैं, ताकि वे क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें। हमारा लक्ष्य भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना और प्रशंसकों को खेल की शाश्वत भावना की याद दिलाना है। लीजेंड 90 एक टूर्नामेंट से कहीं बढ़कर है - यह क्रिकेट की विरासत का जश्न है, जो कड़ी प्रतिस्पर्धा और मनोरंजन के साथ पुरानी यादों को जोड़ता है।

मोनफिल्स 38 वर्ष की आयु में 35वें एटीपी फाइनल में पहुंचे

टेनिस डायरी

आकलैंड ओपन में जीत के बाद फ्रांस के गेल मोनफिल्स ● एक्स

आकलैंड, एपी : गेल मोनफिल्स शुक्रवार को आकलैंड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अमेरिका के निशेष बसवारेड्डी को 7-6 (5), 6-4 से हराकर 38 साल 131 दिन की उम्र में पुरुष एलीट टेनिस टूर के फाइनल में पहुंचने वाले 1990 के बाद दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

इवो कार्लोविक के पास एटीपी टूर रिकार्ड है, जिन्होंने 2019 में 39 वर्ष, 311 दिन की उम्र में फाइनल में जीत हासिल की थी। मोनफिल्स ने स्टैन वावरिंका को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2023 में क्रोएशिया में खेले गए टूर्नामेंट में 38 वर्ष और 124 दिन की आयु में फाइनल में जगह बनाई थी। कार्लोविक 2017 में 38 वर्ष, 110 दिन की उम्र में डेन बाश के फाइनल में भी पहुंचे थे।

भांबरी-ओलिवेटी की टीम एएसबी क्लासिक से बाहर

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी आकलैंड में एएसबी क्लासिक से सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई। उन्हें निकोला मेकटिक और माइकल वीनस की जोड़ी ने 6-3, 1-6, 10-5 से हराया। भांबरी और ओलिवेटी ने हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में 90 अंक प्राप्त किए। ओलिवेटी के साथ टीम बनाने से पहले, भारत के नंबर दो भांबरी ने वीनस के साथ साझेदारी करके पूरे अनुभव के साथ आस्ट्रेलियन ओपन में प्रवेश किया।

माया आइटीएफ जूनियर के फाइनल में, सेंथिल हारे

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रतिभाशाली माया राजेश्वरन रेवती ने एक और अप्रत्याशित जीत दर्ज करके आइटीएफ जूनियर 300 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त सेंथिल कुमार सेमीफाइनल में हार गए। 15 वर्ष की माया ने सेमीफाइनल में फ्रांस की एलीजा इनिसान को 6-4, 6-7(4), 6-2 से हराया। अब उनका सामना एकातेरिना तुपित्सिना से होगा जिन्होंने पोलिना बेरेजिना को 6-3, 4-6, 6-1 से मात दी। माया ने अंतिम बार सिंगल्स खिताब दिसंबर 2023 में जीता था। सेंथिल को सेमीफाइनल में कोरिया के चौथी वरीयता प्राप्त डोंगियुन हवांग ने 6-4, 6-1 से मात दी। हवांग का सामना अब भारतीय मूल के अमेरिकी रोशन संतोष से होगा।

****

दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

शनिवार, 11 जनवरी, 2025

पढ़ाई के साथ-साथ तैयारी कैसे करूं?

काउंसलर
प. पृथ्वी नाथ पाण्डेय
counselor@nda.jagran.com

मैंने वर्ष 2021 में अपना बीए ग्रेजुएशन (हिंदी-माध्यम) से पूरा किया था, उसके बाद बीच में तीन साल का गैप हो गया। फिलहाल एमए हिंदी (प्रथम सेमेस्टर) से कर रहा हूं। उम्र 25 वर्ष हो गई है। प्राइवेट जाब करने की सोच रहा हूं तो क्या जाब के साथ सिविल सर्विस की तैयारी हो सकती है और किस तरह से करूं।

सजल भारद्वाज

आप अन्य किसी नौकरी में रहते हुए लोक सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं, परंतु इसके लिए आपको समय-प्रबंधन और समयबद्ध योजना अपनी नौकरी और परीक्षा की तैयारी को ध्यान में रखकर बनानी होगी। लोक सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए 25 वर्ष की अवस्था उत्तम होती है; क्योंकि आपके पास अपने लक्ष्यप्राप्ति-हेतु पर्याप्त समय है। आप अध्यवसाय और अध्ययन के बल पर अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। हमारा सुझाव है कि आप पहले उत्तम अंकों में स्नातकोत्तर कर लें, फिर लोक सेवा परीक्षा की तैयारी करें, अन्यथा आपको शिक्षा तथा परीक्षा के बीच जूझना पड़ेगा। यदि आपके आसपास कोई ऐसा वरिष्ठ विद्यार्थी हो, जो लोक सेवा परीक्षा/परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हो तो उससे परामर्श कर सकते हैं। ।

कृषि अवशेष (केला पेड़/थम: जो फल पश्चात डंप/फेंक दी जाती हैं) के रेशा से कई प्रोडक्ट्स (पूजा, योगा, टेबल मैट, बैग, हैंडीक्राफ्ट, यार्न, कपड़ा आदि) निर्माण का अनुभव प्राप्त किया हूं, इससे लोगों को कैसे जागरूक करूं।

वीरेंद्र दयाल

आप इसके लिए इंटरनेट मीडिया के माध्यम जैसे कि फेसबुक, वाट्सएप, मैसेंजर, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि पर रील्स, वीडियो द्वारा अपनी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर जनसामान्य को जागरूक कर सकते हैं। आप कृषक-सम्मेलन का आयोजन कर, कृषकगणों को अपनी उपर्युक्त योजना के आर्थिक पक्ष से अवगत करा सकते हैं। आप पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो-टीवी के माध्यम से संबंधित लेख का प्रकाशन-प्रसारण करा सकते हैं।

टर्निंग प्वाइंट

इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार नई स्किल सीखने या अपनी मौजूदा स्किल को बढ़ाने में मैसिव ओपन आइनलाइन कोर्सेज (मूक्स) इन दिनों बहुत सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इससे हजारों युवाओं/कामकाजी लोगों को रोजगार के क्षेत्र में बेहतर बनने में मदद मिल रही है। यह कैसे आपके लिए करियर या कौशल विकास की राह पर बढ़ने में मददगार हो सकता है, जानें हमारे एक्सपर्ट से...

● फ्रीजेनबाजार

मूक्स से बढ़ाएं अपना कौशल

आपने इंडस्ट्रियल रिवाल्यूशन 4.0 के बारे में तो सुना ही होगा। इससे मानव और मशीनी क्षमताओं के बीच का अंतर मिटता जा रहा है। ऐसे में इस समय ज्ञान के दायरे को बढ़ाने के साथ-साथ मौजूदा कार्यबल को पुनः कौशल (री-स्किलिंग) और अतिरिक्त कौशल (अपस्किलिंग) की आवश्यकता है और इस दिशा में मूक्स गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। मूक्स यानी मैसिव ओपन आनलाइन कोर्सेस जो मोबाइल/पीसी/लैपटाप और इंटरनेट के माध्यम से किए जा सकते हैं और वह भी अपनी सुविधानुसार। ये कोर्सेज सरकारी और निजी आनलाइन प्लेटफार्मों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जो आज के युवाओं और इंडस्ट्री की जरूरत को ध्यान में रखकर ही डिजाइन किए गए हैं। यहां युवा का तात्पर्य उन छात्रों से है जो विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं या जो कार्यक्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं, इन सभी के लिए ज्ञान और स्किल हासिल करने का यह एक उपयोगी माध्यम बनता जा रहा है। इसके माध्यम से नौकरी बाजार के आवश्यक कौशल जैसे कि कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग या फिर उभरती हुई तकनीकों- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और इंटरनेट आफ थिंग्स आदि को सीखकर अपनी रोजगार क्षमता बढ़ाने में बहुत मदद मिल सकती है।

प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी
आइपी यूनिवर्सिटी दिल्ली

बढ़ रही उपयोगिता और स्वीकार्यता: सरकार की ओर से सभी तक शिक्षा की पहुंच को आसान बनाने के लिए आनलाइन शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए भारत सरकार ने एआइसीटीई, यूजीसी, इग्नू, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, एनसीईआरटी तथा एनआइओएस जैसे संगठनों को आनलाइन पाठ्यक्रमों को संचालित करने जिम्मा दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी मूक्स पाठ्यक्रम और डिजिटल शिक्षा को विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया गया है। वैसे, इन दिनों युवाओं के साथ-साथ कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को मूक्स कोर्सेज के माध्यम से सीखने के लिए कोर्स फीस स्पान्सर कर रही हैं। यूजीसी ने भी विश्वविद्यालयों को मूक्स कोर्सेज के माध्यम से कम से कम 40 प्रतिशत तक क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति दी है। सबसे अच्छी बात है कि शिक्षा मंत्रालय के 'स्वयं' प्लेटफार्म के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम, सरकारी विश्वविद्यालयों द्वारा पूरी तरह मान्यता प्राप्त हैं और इनमें क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा भी उपलब्ध है। मेरे आइपी यूनिवर्सिटी में भी मूक्स पाठ्यक्रम मूल पाठ्यक्रम का हिस्सा है।

सभी की जरूरत के कोर्स: आप चाहे किसी भी विषय के छात्र हों, आपके लिए स्वयं पर कोई न कोई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यह प्लेटफार्म उन छात्रों के लिए भी कारगर है, जो किसी प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिला नहीं पा सके। कामकाजी लोग भी इन कोर्सेज को करने के लिए आगे आ रहे हैं, क्योंकि यह कम लागत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और लचीलापन प्रदान करता है। मूक्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसे कोई भी व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर और अपनी सुविधा के अनुसार समय निकालकर कर सकता है। इस तरह के पाठ्यक्रमों के लोकप्रिय होने का एक दूसरा कारण यह है कि आप अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन के माध्यम से देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों तक पहुंच सकते हैं। झारखंड के किसी आदिवासी क्षेत्र में बैठा छात्र केवल एक फोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से आइआइटी के प्रोफेसर से रोबोटिक्स सीख सकता है।

जेनरेशन जी के लिए नया लर्निंग माडल: मूक्स के पाठ्यक्रम एक तरह से दूरस्थ शिक्षा माडल और आनलाइन पाठ्यक्रमों का ही एक मिला-जुला रूप है। यह शैक्षिक माडल आपको मल्टीमीडिया तत्वों के माध्यम से जैसे कि वीडियो, क्विज, ई-टेक्स्ट, एनिमेशन, फोटो व इन्फोग्राफिक आदि से अवधारणाओं और सैद्धांतिक पहलुओं को सीखने का अवसर प्रदान करता है। लाइव कक्षाएं और विशेष सत्र की सुविधाएं भी इस तरह के पाठ्यक्रमों में मिलती हैं। मूक्स में चर्चा मंच (डिस्कशन फोरम) भी होते हैं, जो संदेह समाधान और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर, मूक्स के पाठ्यक्रम आपके कौशल को उन्नत कर रोजगार के अवसर बढ़ा सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता: स्वयं से आप इंजीनियरिंग, आइटी, डिजाइन, हेल्थ साइंस से लेकर मैनेजमेंट, आर्किटेक्चर, ला और ह्यूमैनिटीज सहित अनेक विषयों में उपलब्ध हैं। मूक्स द्वारा एआइ, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डिजाइन थिंकिंग, 3डी प्रिंटिंग, डिजिटल मार्केटिंग आदि तकनीकी कोर्सेज भी कर सकते हैं।

मूक्स में प्रवेश लेने की प्रक्रियाएं

'स्वयं' प्लेटफार्म पर चार सप्ताह से लेकर 24 सप्ताह तक के विविध मूक्स पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इनमें प्रवेश वर्ष में दो बार होता है। जनवरी से अप्रैल सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में पंजीकरण दिसंबर महीने से शुरू होता है और फरवरी तक चलता है। जबकि अगस्त से दिसंबर सेमेस्टर के लिए पंजीकरण जुलाई से सितंबर तक होते रहते हैं। इच्छुक व्यक्ति पंजीकरण समाप्त होने से पहले अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम का चयन स्वयं की वेबसाइट (https://swayam.gov.in) पर जाकर कर सकते हैं। वेबसाइट पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के बाद अपनी पसंद का पाठ्यक्रम चुनकर उसमें शामिल हो सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में पंजीकरण कोई भी व्यक्ति कर सकता है, चाहे वह छात्र हो, पेशेवर हो या अन्य व्यक्ति। ये पाठ्यक्रम निश्शुल्क होते हैं, केवल परीक्षा शुल्क पाठ्यक्रम के अंत में जमा करना होता है।

लाइफ स्किल

नया साल, नई शुरुआत...

हम अक्सर नए साल के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करने की चिंता करते हैं। हम अपने जीवन में नए होने की कामना करते हैं। 2025 में भी 'नया साल नया मैं' वाला ही हमारा सिद्धांत होना चाहिए...

हर नए साल पर या कभी-कभी पिछले साल की असफलताओं और नाकामियों को सोचकर हम झुंझलाते हैं, जैसे, 'अरे, मैंने एक महीने बाद ही पढ़ना बंद कर दिया था' रोज एक घंटा और पढ़ता तो यह परीक्षा निकल जाती।' हमें यह समझना चाहिए कि खुशी, दुख, उदासी, ये सभी भावनाएं हमारे जीवन का हिस्सा हैं। जीवन सिर्फ सब कुछ पाने और सभी लक्ष्य पूरा करने के लिए नहीं है, बल्कि इन लक्ष्यों को पूरा करने की यात्रा के बारे में है। जिंदगी कोई कठिन गणित का सवाल भी नहीं है, जिसे हल करना ही करना है और उस उपाय को हर किसी को मानना ही है। हर व्यक्ति की अपनी समस्याएं व अपनी परिस्थितियां होती हैं, जो उसे अलग बनाती हैं। इसलिए हर पल को जिएं, अपने अनुसार लक्ष्य बनाएं और उन्हें हासिल करने की पूरी कोशिश करें। यदि किसी कारण से वह लक्ष्य पूरे नहीं हुए तो निराश न हों। अपनी परिस्थितियों को समझें, अपनी भावनाओं को पहचानें और अपनी रफ्तार से चलें। किसी और की तेज रफ्तार को देखकर अपने आप को कमतर न समझें। दूसरे के लक्ष्यों को पूरा होता देख अपने लक्ष्यों से न भटकें।

आइए, हम उन सभी पलों का जश्न मनाएं, जो 2024 में पूरे हुए हैं और अधूरे लक्ष्यों को नए तरीके से वर्ष 2025 में पूरा करें। समय की परवाह किए बिना लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश करें।

आकृति वाधवा, लाइफ कोच एवं मनोवैज्ञानिक

वर्ग पहेली-2865

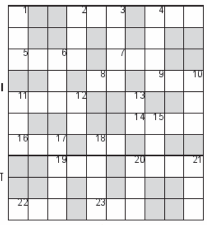

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं

2. लगातार, निरंतर (3)। 4. एक मरुस्थल का नाम (3)। 5. मेघ, बादल, समुद्र (4)। 7. ग्रंथ का मौलिक परिचय (3)। 8. जमीन, धरती (2)। 9. नियुक्त करना (3)। 11. मुकदमे की सुनवाई की जगह (4)। 14. मीमांसा, व्याख्या (4)। 16. छह अंगों वाला (3)। 18. लक्ष्मी (2)। 19. इच्छा (3)। 20. चने की पत्तियों और डंठल में से निकला हुआ क्षार (4)। 22. सहने की क्रिया, क्षमा (3)। 23. प्रेम, प्रीति (3)।

ऊपर से नीचे

1. मात्र, केवल, निरा (3)। 2. प्रातःकाल, सवेरा (3)। 3. तपोवन (4)। 4. हुकूमत, शासन (4)। 6. सफेद, एक राग का नाम (3)। 10. नष्ट करना, मारना (3)। 11. द्वेष रहित, ईर्ष्या का अभाव (3)। 12. अंधकार (2)। 13. सूर्य, दिनकर (2)। 15. व्यथा, पीड़ा, कष्ट (3)। 17. नमी, तरी (4)। 18. पुराण के अनुसार पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में से छठा लोक (4)। 20. चुनने का कार्य, संचय (3)। 21. भीतरी या छिपी बात (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2865

4		5		6		7		3
			8		9			
9		2		4		6		8
3	6		9		7		4	
				5				1
	5			2		9		
7		6		9		1		4
			4		3		7	
	4			7				9

कल का हल

8	3	9	4	2	6	5	7	1
1	6	2	7	5	3	4	9	8
7	4	5	8	1	9	2	6	3
5	1	8	3	9	4	7	2	6
2	9	4	1	6	7	8	3	5
6	7	3	5	8	2	1	4	9
9	8	7	6	4	5	3	1	2
4	5	6	2	3	1	9	8	7
3	2	1	9	7	8	6	5	4

आज का भविष्यफल: 11 जनवरी, 2025 शनिवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: पौष मास शुक्ल पक्ष द्वादशी। आज का राहुकाल: प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल: पूर्व।
आज का पर्व एवं त्योहार: शनि प्रदोष। विशेष: त्रयोदशी तिथि क्षय।

कल 12 जनवरी, 2025 का पंचांग
कल का दिशाशूल: पश्चिम
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु पौष मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी 29 घंटे 04 मिनट तक, तत्पश्चात पूर्णिमा मृगशिरा नक्षत्र 11 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात आद्रा नक्षत्र ब्रह्म योग 09 घंटे 10 मिनट तक, तत्पश्चात ऐन्द्र योग मिथुन में चंद्रमा।

मेष: किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
वृष: शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।
मिथुन: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।
कर्क: आर्थिक मामलों में सुधार होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
सिंह: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।
तुला: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
वृश्चिक: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। मन अशांत रहेगा।
धनु: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मकर: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रिश्तों में निकटता आएगी।
कुंभ: व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मीन: भौतिक सुख में वृद्धि होगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

साइबर ठगी के संदिग्ध की मौत के मामले में मध्य प्रदेश के नौ पुलिसकर्मी निलंबित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- आइजी कानून-व्यवस्था अंशुमान सिंह करेंगे मामले की जांच
- मप्र एटीएस की हिरासत में बिहार के हिमांशु की मौत का मामला

मध्य प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) की हिरासत से कूद कर भागते समय मधेपुरा, बिहार के हिमांशु कुमार की मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें निरीक्षक से लेकर आरक्षक तक शामिल हैं। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही मामले की जांच आइजी कानून व्यवस्था अंशुमान सिंह को सौंपी गई है। जांच में वह देखेंगे कि पुलिस की तरफ से कोई लापरवाही तो नहीं हुई है। निर्धारित नियम प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं। उधर, इस मामले में गुरुग्राम (हरियाणा) पुलिस ने एटीएस के विरुद्ध हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया है। हिमांशु के स्वजन ने मध्य प्रदेश एटीएस पर बिना जानकारी दिए हिरासत में लेने और छत से धक्का देकर गिराने का आरोप लगाते हुए गुरुग्राम के सोहना शहर थाने में शिकायत की थी।

पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार रात हुई इस कार्रवाई की पुष्टि की है। इस मामले में फिलहाल न्यायिक जांच चल रही है। इसमें मप्र एटीएस ने अपने बयान में बताया था कि साइबर ठगी के मामले की जांच के दौरान उनकी टीम ने चार संदिग्धों को सोहना के धुनेला स्थित सोसाइटी से पकड़ा था। वह चारों आरोपितों को हिरासत में लेकर सोहना में सेफ्रोन ओयो होटल के तीसरी मंजिल पर ठहरी हुई थी। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे आरोपित हिमांशु ने टायलेट जाने के लिए कहा। हिमांशु बाथरूम में न जाकर साथ में बनी बालकनी की तरफ चला गया। उसने पुलिस हिरासत से भागने के लिए बालकनी के सामने खड़े खंभे में लगे कवर तार के सहारे नीचे जाने के लिए छलांग लगा दी, लेकिन वह नीचे जमीन पर गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई।

वहीं, गुरुवार को हिमांशु के स्वजन ने सोहना शहर थाने की पुलिस को लिखित शिकायत देकर मामला दर्ज करने की मांग की। हिमांशु के चाचा चंदन ने आरोप लगाया कि मप्र एटीएस ने गुरुग्राम पुलिस व स्वजन को बिना बताए हिमांशु को गिरफ्तार किया था। टीम होटल में ठहरी थी, जबकि इसके सामने ही पुलिस थाना है। परिवार ने एटीएस टीम पर परेशान करने और बालकनी से धक्का देकर नीचे गिराकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

प्रतीकात्मक

पीएम ने इंटरनेट मीडिया को बताया लोकतंत्र को मजबूत करने वाला

प्रथम पृष्ठ से आगे

फर्जी खबरों को लेकर चल रही बहस के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट मीडिया को लोकतंत्र को मजबूत करने वाला बताया। पीएम ने कहा कि इंटरनेट मीडिया से पहले लोगों को जानकारी के लिए अखबारों व चैनलों पर निर्भर रहना पड़ता था। सत्यता का पता लगाने के लिए कोई तरीका नहीं था। इंटरनेट मीडिया ने लोगों को जानकारी साझा करने की शक्ति दी है और कोई भी व्यक्ति थोड़ी सी मेहनत से सच्चाई जान सकता है।

भारतवंशियों को राष्ट्रदूत बताया: प्रधानमंत्री ने दुनिया में भारतीय कूटनीति की बढ़ती धाक और भारतवंशियों के सम्मान पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारतवंशियों को भारत का राष्ट्रदूत बताया। कूटनीतिक मोर्चे पर उन्होंने साफ किया कि भारत अब किसी भी मामले में निरपेक्ष नहीं, बल्कि शांति के पक्ष में है। रूस-यूक्रेन और फलस्तीन-इजरायल संघर्ष का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत सभी पक्षकारों से शांति की बात करता है। यही कारण है कि रूस, यूक्रेन, ईरान, इजरायल और फलस्तीन सभी भारत की बात ध्यान से सुनते हैं।

अरबपतियों की फोर्ब्स सूची में शामिल हैं निखिल कामथ

पाडकास्ट पर पीएम मोदी पहली बार निखिल कामथ को साक्षात्कार दिया है। आइए जानते हैं कौन हैं निखिल कामथ। उन्होंने किस तरह 10 वीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ने के बावजूद डिग्री न होने के बावजूद बुलंद हौसलों से कामयाबी हासिल की।

- उद्यमी और निवेशक निखिल कामथ का जन्म पांच सितंबर 1986 को शिमोगा, कर्नाटक में हुआ
- रिटेल स्टाक ब्रोकर जेरोधा और एसेट मैनेजमेंट कंपनी ट्रू बीकन के सह-संस्थापक हैं
- 3.1 अरब डालर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की 2024 की विश्व के अरबपतियों की सूची में शामिल हैं
- अपने भाई नितिन के साथ 2024 के लिए फोर्ब्स की भारत के 100 अमीरों की सूची का भी हिस्सा हैं
- काल सेंटर में नौकरी से की शुरुआत, नौकरी संग इक्विटी ट्रेडिंग भी की
- 2006 में सब-ब्रोकर बने, भाई के साथ कामथ एंड एसोसिएट्स नाम से ब्रोकरेज फर्म शुरू की
- 2010 में, अपने भाई नितिन के साथ जेरोधा की शुरुआत की
- 2020 में ट्रू बीकन इन की शुरुआत की, जो एसेट मैनेजमेंट कंपनी कंपनी है
- मार्च 2023 में निखिल ने अपना पाडकास्ट 'डब्लूटीएफ इज' शुरू किया
- इस पाडकास्ट में अब तक कई बड़े कलाकारों और हस्तियों को बुला चुके हैं
- इनमें पीएम नरेन्द्र के साथ ही बायोकान की संस्थापक किरण मजूमदार शा शामिल हैं

पहले से रिकार्ड किए गया शो होता पाडकास्ट

पाडकास्ट पहले से रिकार्ड किए गया शो होता है। इसे इंटरनेट के माध्यम से डाउनलोड या स्ट्रीम किया जा सकता है। श्रोता इसे अपने सुविधानुसार सुन सकते हैं। पाडकास्ट में शिक्षा, मनोरंजन, समाचार, स्वास्थ्य, तकनीक, कहानियां और साक्षात्कार, सभी प्रकार कंटेंट हो सकता है। श्रोताओं को एप या वेबसाइट के जरिए इन्हें सुनने के लिए सब्सक्राइब करने का विकल्प भी मिलता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशी तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर किया हमला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर गुरुवार देर रात बांग्लादेशी मवेशी तस्करों ने बीएसएफ के जवानों पर हमला किया। जवानों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया और मौके से 10 हरियाणा मूल के बैल जब्त करने के साथ तीन भाले भी बरामद किए। बीएसएफ की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

दक्षिण बंगाल फ्रंटियर बीएसएफ के प्रवक्ता व डीआइजी एनके पांडे ने बताया कि जवानों ने खुटादाह सीमा चौकी (बीओपी) पर तीन-चार तस्करों को मवेशियों के साथ भारतीय सीमा की बाड़ के पास आते देखा। तभी तस्करों की हरकतें देखी गई जो अवैध तरीके से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारतीय सीमा में घुस आए। बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा कि इन हमलों के बारे में चिंता जताने व सचेत करने के लिए बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) संग फ्लैग मीटिंग के बावजूद बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

उत्तराखंड में बाघ ने तीन लोगों को मारा, वन विभाग पर उठे सवाल

जागरण संवाददाता, रामनगर (नैनीताल)

कुमाऊं मंडल में इन दिनों बाघ का खूब आतंक दिख रहा है। मैदान ही नहीं पर्वतीय इलाकों में भी बाघ इंसानों को मार रहा है। कार्बेट टाइगर रिजर्व व रामनगर वन प्रभाग में एक जनवरी के बाद से अब तक बाघ ने तीन लोगों को मार डाला। इसके पीछे बिना अध्ययन व नीति के लगातार खोले जा रहे पर्यटन जोन भी मुख्य वजह माना जा रहा है।

उत्तराखंड में वर्ष 2018 में बाघों की संख्या 442 थी। जो 2022 में 560 पहुंच गई। इसमें से 260 बाघ कार्बेट पार्क में तथा 216 बाघ इससे जुड़े नैनीताल व उधमसिंहनगर के जिले के पांच वन प्रभागों में है। जबकि वन क्षेत्र का दायरा उतना ही है। उसमें भी वन विभाग ने पर्यटन जोन खोलकर बाघों के लिए वन क्षेत्र के दायरे को कम कर दिया है। बाघों के हमले की बढ़ती घटनाओं का एक कारण यह भी माना जा रहा है। जंगलों में जगह-जगह नये पर्यटन जोन खोलने से बाघ व अन्य तमाम वन्य जीव प्रभावित हो रहे हैं। उनके स्वच्छंद विचरण व आराम में वाहनों व पर्यटकों की आवाजाही से खलल पड़ रहा है। अब बाघ इंसानों से डरकर दूर भागने के बजाय घात लगाकर हमला कर रहे हैं। ऐसे में जंगलों में पर्यटन के नाम पर वन विभाग की राजस्व बटोरने की नीति सवालों के घेरे में हैं।

बाघों के लिए कम हुई जगह

वन्य जीव विशेषज्ञ एजी अंसारी बताते हैं कि जगह-जगह खोले जा रहे पर्यटन जोन से बाघ का आवास क्षेत्र प्रभावित होता है। बाघ उस क्षेत्र से शिफ्ट होता है। ऐसे में जंगल के किनारे बफर क्षेत्र में मूवमेंट करने लगता है। बाघ निचले इलाकों से खिसककर ऊंचाई वाले वन क्षेत्रों का रुख कर रहा है। दूसरा प्रजनन काल होने से भी बाघों के हमले की घटनाएं सर्दियों में बढ़ जाती है। वहीं एक और वन्य जीव विशेषज्ञ पीसी जोशी बताते हैं कि नर बाघ के लिए सौ वर्ग किमी का दायरा चाहिए, जो सिकुड़कर 60 वर्ग किमी रह गया है। पहले केवल ढिकाला सफारी के लिए हुआ करता था।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की परिधि में 26 मीट विक्रेताओं पर तहरीर

जागरण संवाददाता, वाराणसी: श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के दो किलोमीटर की परिधि में मांस-मछली की दुकानों को बंद कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सदन व कार्यकारिणी के आदेश पर नगर निगम ने शुक्रवार को 26 मीट विक्रेताओं के खिलाफ चेतगंज व दशाश्वमेध थाने में तहरीर दी है। तहरीर में नई सड़क, बेनियाबाग, हड़हासराय, नदीम कांप्लेक्स, सराय गोवर्धन, पुराना पान दरीबा क्षेत्र में बगैर लाइसेंस मनमाने तरीके से मीट बेचने का आरोप लगाया गया है।

नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद मीट विक्रेताओं का एक प्रतिनिधि मंडल महापौर अशोक कुमार तिवारी से मिला और उन्हें पत्र सौंपा। इनसे कहा गया है कि नगर निगम कुछ वर्षों से मीट विक्रेताओं को लाइसेंस नहीं दे रहा है, जबकि हम लोग लंबे समय से यह काम कर रहे हैं। दुकानें बंद कराने का कोई शासनादेश भी नहीं जारी किया गया। इसके बावजूद निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी दुकान बंद न करने पर प्राथमिकी दर्ज कराने की धमकी दे रहे हैं।

पूर्व विधायक हरवंश सिंह के बंगले से मुक्त कराए गए दो मगरमच्छ

नईदुनिया न्यूज, सागर

वन विभाग की टीम ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के सागर में भाजपा के पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले में बने चिड़ियाघर से दो मगरमच्छों को मुक्त कराया। मेडिकल जांच के बाद इन्हें डैम में छोड़ा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की टीम ने बीते दिनों राठौर के बंगले पर सर्वे किया था। इसी दौरान बंगले में मगरमच्छों के होने की सूचना वन विभाग को दी गई थी। राठौर के यहां मगरमच्छ होने की सूचना के बाद शुक्रवार को वन विभाग द्वारा रेस्क्यू किए जाने की चर्चा सुबह से ही चलती रही। दोपहर तक बंगले के बाहर गहमागहमी रही। बंगले के कर्मचारी लोगों को वहां से अलग करते रहे, लेकिन दोपहर बाद वन विभाग का अमला पहुंचा, जो कुछ देर बंगले के बाहर रुकने के बाद अंदर चला गया। बंगले के अंदर से दो मगरमच्छ पकड़े गए हैं। सूचना थी कि यहां तीन मगरमच्छ हैं। रेस्क्यू के दौरान एक मगरमच्छ हिंसक हो गया था, इसीलिए अभी नहीं पकड़ा जा सका। वन विभाग ने यह पूरी कार्रवाई गोपनीय रखी। इसको लेकर सीसीएफ, उत्तर वन मंडल डीएफओ, एसडीओ व रेंजर से मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी ने काल रिसीव नहीं किया।

बंगले के अंदर बना कैलाश मंदिर, वहीं है चिड़ियाघर भी

जानकारी के मुताबिक राठौर के बंगले के अंदर सालों से कैलाश मंदिर बना हुआ है। यह मंदिर अधिकतर कांच से बना है इसीलिए इसे कांच मंदिर भी कहते हैं। इसी परिसर में एक निजी चिड़ियाघर भी बना है। इसमें मगरमच्छ, हिरण, चीतल व पक्षी भी थे। एक समय यहां स्कूली बच्चे भ्रमण के लिए आते थे। धीरे-धीरे अन्य दर्शनीय स्थल बनने से लोगों की आवाजाही कम हो गई। वर्तमान में कम लोग यहां आते हैं, लेकिन चिड़ियाघर सार्वजनिक है, जहां लोग भी मगरमच्छ सहित अन्य पक्षियों को देख सकते हैं।

तिरुपति में घायल श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की विशेष व्यवस्था

तिरुपति, प्रेट्र: तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने हाल ही में हुई भगदड़ में घायल भक्तों के लिए शुक्रवार को विशेष दर्शन का आयोजन किया। टीटीडी की ओर से कहा गया कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के निर्देशों के अनुसार अधिकारियों ने यह व्यवस्था की थी। जिला प्रशासन ने भक्तों को उनके गृहनगर वापस पहुंचाने के लिए विशेष वाहनों का भी इंतजाम किया।

तिरुपति के जिला कलेक्टर एस वेंकटेश्वर ने कहा कि 32 घायल भक्तों को श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पांच और श्रद्धालु, जो स्थिर हैं उन्हें छुट्टी दी जा सकती है। इस बीच, मुक्कोटि एकादशी के शुभ अवसर पर आयोजित वैकुंठ द्वार दर्शनम को सभी भक्तों द्वारा बड़े धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। अभिषेक के बाद दिन में द्वार दर्शनम शुरू हुआ। ज्ञात हो कि पिछले दिनों तिरुपति में भगदड़ के कारण छह भक्तों की मौत हो गई थी, जिसमें पांच महिलाएं शामिल थीं।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
आजकल
शनिवार 11 जनवरी, 2025
www.jagran.com

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का हुआ निधन

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का 1966 में आज ही उज्बेकिस्तान के ताशकंद में निधन हो गया था। पाकिस्तान के साथ ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करने के महज 12 घंटे के बाद उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत की वजह को लेकर आज भी संदेह किया जाता है।

पेरू में आए बर्फीले तूफान में दो हजार लोगों की मौत

1962 में आज ही पेरू में बर्फीले तूफान और चट्टान खिसकने से कम से कम दो हजार लोगों की मौत हो गई थी। रात में पेरू की सबसे ऊंची पहाड़ी एंडीज से अचानक लाखों टन बर्फ, चट्टानें, कीचड़ और मलबा नीचे गिरने लगा। मलबे के नीचे आठ शहर दब गए थे।

तकनीक के दम पर टेस्ट के महान बल्लेबाज बने राहुल

राहुल द्रविड़ का जन्म 1973 में आज ही मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। बेंगलुरु में पले-बढ़े। स्थानीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के दम पर 17 वर्ष की उम्र में कर्नाटक रणजी टीम में चुने गए। 1996 में टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत हुई। इंग्लैंड के खिलाफ लाड्र्स में 95 रन बना कर टीम में स्थान पक्का किया। टेस्ट क्रिकेट में मजबूत तकनीक के दम पर उन्होंने खुद को महान बल्लेबाज के तौर पर स्थापित किया व अंतरराष्ट्रीय करियर में 24,208 रन बनाए। 2005 में वह भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बने।

2024 रहा अब तक का सबसे गर्म वर्ष, टूटा रिकार्ड

चिंताजनक रिपोर्ट ▶ पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री से अधिक वैश्विक औसत तापमान वाला रहा पहला वर्ष

दुनिया ऐसे चरण में प्रवेश कर रही, जहां तापमान लगातार इस सीमा से ऊपर रहेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : चाहे कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग हो या पिछले वर्ष भारत में पड़ी रिकार्ड गर्मी, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव साफ दिख रहा है। सामने आई रिपोर्ट और भी चिंता बढ़ाने वाली है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2024 अबतक का सबसे गर्म वर्ष रहा। यह पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक वैश्विक औसत तापमान वाला पहला वर्ष था। इसकी पुष्टि शुक्रवार को यूरोपीय जलवायु एजेंसी कापरनिकस ने की है। कापरनिकस के विज्ञानियों के अनुसार 1850 में जब से वैश्विक तापमान की माप शुरू हुई है तब से 2024 सबसे गर्म वर्ष रहा।

जनवरी से जून 2024 तक हर महीना अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया। अगस्त को छोड़कर जुलाई से दिसंबर तक हर महीना 2023 के बाद रिकार्ड दूसरा सबसे गर्म महीना था। कापरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के विज्ञानियों ने कहा कि 1850 में वैश्विक तापमान ट्रैकिंग शुरू होने के बाद से 2024 सबसे गर्म वर्ष रहा। औसत वैश्विक तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस था। यह 1991-2020 के औसत से 0.72 डिग्री अधिक और 2023 में पिछले रिकार्ड की तुलना में 0.12 डिग्री अधिक था। विज्ञानियों ने पाया कि 2024 में औसत तापमान 1850-1900 बेसलाइन से 1.60 डिग्री सेल्सियस अधिक था। साथ ही पहली बार है कि पूरे कैलेंडर वर्ष के लिए औसत वैश्विक तापमान 1850-1900 के औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है।

हालांकि, पेरिस समझौते में निर्दिष्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थायी उल्लंघन 20 या 30 साल की अवधि में दीर्घकालिक सीमा उल्लंघन को संदर्भित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया अब एक ऐसे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां तापमान लगातार इस सीमा से ऊपर रहेगा। कोपरनिकस में जलवायु प्रमुख सामंथा बर्गेस ने कहा, इन रिकार्ड तापमानों का प्राथमिक कारण कोयला, तेल और गैस के जलने से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का इकट्ठा होना है। जैसे-जैसे ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल में जमा होती हैं, तापमान बढ़ता रहता है।

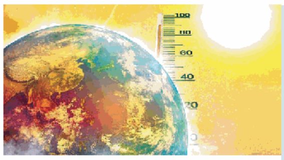

पृथ्वी के तापमान में हो रही लगातार बढ़ोतरी। फाइल

2025 तीन सबसे गर्म वर्ष में हो सकता है शामिल

अमेरिकी गैर-लाभकारी बर्कले अर्थ के एक शोध विज्ञानी जेके हासफादर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2025 सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा, लेकिन संभवतः रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह अब भी शीर्ष तीन सबसे गर्म वर्षों में रहेगा। बर्गेस ने कहा कि पिछले 10 साल सबसे गर्म 10 साल हैं। संभवतः एक लाख 25 हजार वर्षों में सबसे गर्म हैं। पिछला 10 जुलाई दर्ज किया गया सबसे गर्म दिन था, जब दुनिया का औसत तापमान 17.16 डिग्री सेल्सियस था।

जलवायु परिवर्तन से दुनिया भर में बज रही हैं खतरे की घंटियां, तत्काल देना होगा ध्यान

जॉर्जिया विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के प्रोफेसर मार्शल शेफर्ड ने कहा, यह पृथ्वी के लिए एक चेतावनी है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। तूफान हेलेन, स्पेन में बाढ़ और कैलिफोर्निया में जंगल की आग को बढ़ावा देने वाले मौसम के झटके इस दुर्भाग्यपूर्ण जलवायु में बदलाव के लक्षण हैं। आने वाले समय में कुछ और बदलाव देखने को मिलेंगे। वुडवेल क्लाइमेट रिसर्च सेंटर के विज्ञानी जेनिफर फ्रांसिस ने कहा, जलवायु परिवर्तन से संबंधित खतरे की घंटियां लगातार बज रही हैं, जिससे न्यूयार्क शहर में बजने वाली पुलिस सायरन की तरह जनता उदासीन हो सकती है। हालांकि, जलवायु के मामले में खतरे की घंटी तेज हो रही है। बीमा फर्म म्यूनिख रे की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल दुनिया को जलवायु से संबंधित आपदाओं के कारण करीब 14 हजार करोड़ डालर का नुकसान हुआ। एरिजोना विश्वविद्यालय की जल विज्ञानी कैथी जैकब्स ने कहा, वैश्विक तापमान में वृद्धि का मतलब है संपत्ति को अधिक नुकसान तथा मानव स्वास्थ्य और उन पारिस्थितिकी प्रणालियों पर अधिक प्रभाव, जिन पर हम निर्भर हैं।

अंटार्कटिका पर दो मील गहराई में खोदाई से मिली 12 लाख वर्ष पुरानी बर्फ

शिकागो, एपी : विज्ञानियों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने दुनिया की सबसे पुरानी बर्फ की परतों में से एक को सफलतापूर्वक खोदा है, जो अंटार्कटिका की चट्टान में लगभग दो मील (2.8 किलोमीटर) तक जाकर बर्फ के टुकड़ों तक पहुंची है, जो उनके अनुसार कम से कम 12 लाख वर्ष पुरानी है। इससे पहले विज्ञानियों ने आठ लाख साल पुरानी बर्फ से पृथ्वी की प्रागैतिहासिक जलवायु का अध्ययन किया है।

प्राचीन बर्फ के विश्लेषण से यह पता चलने की उम्मीद है कि पृथ्वी का वायुमंडल और जलवायु कैसे विकसित हुई। उन्होंने कहा कि इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि हिमयुग चक्र कैसे बदल गए। इससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि वायुमंडलीय कार्बन ने जलवायु को कैसे बदला। प्राचीन बर्फ के विश्लेषण से यह पता चलने की उम्मीद है कि पृथ्वी का वायुमंडल और जलवायु कैसे विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि हिमयुग चक्र कैसे बदल गए हैं, और यह समझने में मदद मिल सकती है कि वायुमंडलीय कार्बन ने जलवायु को कैसे बदला। इटैलियन ग्लेशियोलाजिस्ट और बियांड एपिका के समन्वयक कार्लो बारबांटे ने कहा, आइस कोर की बदौलत हम समझ पाएंगे कि वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों, रसायनों और धूल के मामले में क्या बदलाव आया है। बारबांटे इटली के राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद में ध्रुवीय विज्ञान संस्थान का भी निर्देशन करते हैं। इसी टीम ने पहले लगभग आठ लाख वर्ष पुरानी एक कोर को ड्रिल किया था। नवीनतम ड्रिल 2.8 किलोमीटर (लगभग 1.7 मील) गहरी की गई, जिसमें 16 विज्ञानियों और सहायक कर्मियों की एक टीम ने चार वर्षों में प्रत्येक गर्मियों में लगभग -35 सेल्सियस के औसत तापमान पर ड्रिलिंग की। इतालवी शोधकर्ता फेडेरिको स्कोटो ग्लेशियोलाजिस्ट ने जनवरी की शुरुआत में कानकार्डिया रिसर्च स्टेशन के पास लिटिल डोम सी नामक स्थान पर ड्रिलिंग पूरी की। स्कोटो ने कहा, जब हम पुानी बर्फ तक पहुंचे तो हमारे लिए एक शानदार क्षण था।

- 16 विज्ञानियों, सहायक कर्मियों ने चार वर्षों तक लगभग -35 सेल्सियस पर ड्रिलिंग की
- वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों, रसायनों व धूल में बदलाव का पता चलेगा
- पृथ्वी की प्रागैतिहासिक जलवायु का व्यापक अध्ययन किया

अंटार्कटिका में लिटिल डोम सी फील्ड बेस पर बर्फ की गुफा से गुजरते लोग। बियांड एपिका/एपी

जेडएसआइ ने पैंगोलिन की नई प्रजाति की खोज की

कोलकाता, प्रेट्र : भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआइ) के विज्ञानियों ने पैंगोलिन की एक नई प्रजाति की पहचान की है, जो लगभग 34 लाख वर्ष पहले चीनी पैंगोलिन (मैनिस पेंटाडैक्टाइला) से अलग हो गई थी।

जेडएसआइ ने कहा कि इंडो बर्मी पैंगोलिन (मैनिस इंडो-बर्मनिका) की खोज पैंगोलिन की विविधता पर प्रकाश डालती है, जो दुनिया के जैव विविधता के हाटस्पाट में से एक है।

जेडएसआइ के मुकेश ठाकुर के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में माइटोकांडियल जीनोम का विश्लेषण करने के लिए अत्याधुनिक जीनोमिक उपकरणों का उपयोग किया गया। ठाकुर ने कहा, यह खोज विविधता को उजागर करने में आधुनिक आनुवंशिक उपकरणों की शक्ति का प्रमाण है।

फिल्म रिव्यू

फतेह ✪✪◖

प्रमुख कलाकार : सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडीज नसीरुद्दीन शाह, विजय राज, शिव ज्योति राजपूत, दिब्येंदु भट्टाचार्य
निर्देशक : सोनू सूद, अवधि : 130 मिनट

ताबड़तोड़ एक्शन में दबा असल मुद्दा

कोरोना काल के दौरान सोनू सूद ने जरूरतमंदों की दिल खोलकर मदद की। उन तक पहुंच बनाने की कोशिश में कई लोग साइबर अपराध का शिकार हुए। उन घटनाओं से प्रेरित होकर उन्होंने साइबर क्राइम की पृष्ठभूमि में 'फतेह' लिखी। उन्होंने एक्शन का भरपूर तड़का लगाया। ऐसे में एक्शन के चक्कर में साइबर क्राइम का मुद्दा दब गया।

पंजाब के मोगा में रहने वाला फतेह (सोनू सूद) डेयरी में सुपरवाइजर है। उसके पड़ोस में रहने वाली निम्रत (शिव ज्योति राजपूत) एक बैंक लोन एप का एजेंट बनने के बाद तनाव में रहती है। उसने गांव के कई लोगों को लोन दिलवाया है। अब वे अनावश्यक पेनाल्टी और ब्याज का सामना कर रहे हैं, जिस कारण वे आत्महत्या को मजबूर हो रहे हैं। इस एप के संचालक चड्ढा (आकाशदीप साबिर) से मिलने निम्रत दिल्ली आती हैं। उसके बाद वह लापता हो जाती है। उसे खोजने की जिम्मेदारी फतेह उठाता है। दिल्ली आने पर हैकर खुशी (जैकलीन फर्नांडीज) की मदद से उसे साइबर अपराधियों के बारे में पता चलता है, जो न सिर्फ आम लोगों को लूट रहे हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस दौरान फतेह के अतीत की परतें खुलती है कि वह एक खुफिया एजेंसी का एजेंट होता है। अब फतेह निम्रत को खोजने के साथ इन साइबर अपराधियों के खात्मे के मिशन पर है।

पहली फिल्म के तौर पर सोनू सूद ने विषय अच्छा चुना है, पर विषय के साथ सोनू न्याय नहीं कर पाए हैं। फिल्म की शुरुआत एक्शन से होती है। यहां पर एक्शन भरपूर है, लेकिन इमोशन की कमी बहुत है। शुरुआत लोन एप से धोखाधड़ी से होती है फिर दिखाया है कि साइबर अपराधी देश भर में लोगों के बैंक खातों को बड़ी संख्या में हैक कर रहे हैं। हमारा नायक अकेले दम पर चाकू, बंदूक, या आसपास की चीजों से अपराधियों के चेहरे, धड़, पैरों, हाथों पर वार करके मार गिराता है। एक दृश्य में सत्य प्रकाश (विजय राज) से निम्रत कहती है कि आप फतेह से माफी मांग लें, वह माफ कर देंगे। फतेह के अतीत से निम्रत कैसे परिचित है, यह समझ नहीं आता? खुशी के हैकर बनने की क्या वजह है? ऐसे कई सवाल अनुत्तरित हैं। बतौर निर्देशक यह सोनू सूद की पहली फिल्म है। अभिनय के साथ एक्शन को बेहतर तरीके से संतुलित किया है। हालांकि अंकुर पजनी के साथ लिखे गए स्क्रीनप्ले के स्तर पर सूद मात खा गए हैं। विजय राज व नसीरुद्दीन शाह नकारात्मक भूमिका के साथ न्याय करते दिखते हैं। जैकलीन मिले हुए दृश्यों में सहज नजर आई हैं। शिव ज्योति राजपूत, दिब्येंदु भट्टाचार्य पात्र के अनुरूप हैं। फिल्म का गाना फतेह कर फतेह...कर्णप्रिय है, लेकिन उसका उपयोग समुचित तरीके से नहीं हुआ है। अंत में सीक्वल का संकेत है।

स्मिता श्रीवास्तव

सोनू सूद ने अभिनय के साथ एक्शन भी बेहतरीन किया है। चित्र सौ. : फिल्म टीम

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

एक लाख से कम सैलरी की तो वैल्यू ही नहीं

ऊंची सैलरी वाले दूल्हे की चाहत पर उद्यमी ने रखी राय। इंटरनेट मीडिया

नई दिल्ली, जेएनएन : अरेंज मैरिज में लड़का और लड़की की शादी उनके घरवाले तय करते हैं। लड़के के पक्ष से आम तौर पर सुंदर, सुशील और पढ़ी- लिखी लड़की के लिए आग्रह रहता है। वहीं लड़की वाले लड़के की सैलरी, पढ़ाई-लिखाई और आदतों पर गौर करते हैं। इसी को लेकर निवेशक और उद्यमी विनीत ने लड़कों की ऊंची सैलरी पर जोर देने पर निराशा जाहिर की है। विनीत ने अपने एक्स हैंडल @पर लिखा है कि दूल्हे से सैलरी को लेकर लगाई जा रही उम्मीद पागलपन से भरी है। आइटी किसी शख्स की एक लाख से कम सैलरी पर विचार ही नहीं किया जाता है।

पीड़ितों में जीवन प्रत्याशा को कम करता है डिमेंशिया

अनुसंधान

प्रतीकात्मक

दुनिया भर में हर साल बड़ी संख्या में लोग डिमेंशिया के शिकार हो रहे हैं। उनके जीवित रहने का अनुमान व्यापक रूप से भिन्न होता है। इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए नीदरलैंड के शोधकर्ताओं ने डिमेंशिया का पता चलने के बाद उनकी शेष जीवन प्रत्याशा और नर्सिंग होम में भर्ती होने तक के समय के लिए पूर्वानुमान निर्धारित करने को लेकर शोध किया। उनके निष्कर्ष 1984 और 2024 के बीच प्रकाशित 261 अध्ययनों पर आधारित हैं। इसमें डिमेंशिया से पीड़ित 50 लाख से अधिक लोग शामिल थे।

अध्ययन में पता चला कि डिमेंशिया से पीड़ित लोगों की जीवन प्रत्याशा कम हो जाती है। यह आयु के हिसाब से अलग-अलग होती है। 85 की उम्र में पता चलने पर लगभग दो वर्ष, 80 वर्ष की आयु में 3-4 वर्ष और 65 वर्ष की आयु में 13 वर्ष तक कम हो जाती है। यह महिला और पुरुष के हिसाब से भी अलग-अलग है। यह शोध ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित किया गया है। शोध में पाया गया कि डिमेंशिया से पीड़ित महिला में औसत जीवन प्रत्याशा क्रमशः 60 वर्ष की आयु में नौ वर्ष और 85 वर्ष की आयु में 4.5 वर्ष और पुरुषों में क्रमशः 6.5 वर्ष से लेकर दो वर्ष से कुछ अधिक तक होती है। एशियाई आबादी में 1.4 वर्ष से अधिक थी। अल्जाइमर रोग से पीड़ितों में अन्य प्रकार के डिमेंशिया की तुलना में औसत जीवित रहने की दर 1.4 वर्ष अधिक थी। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

वेब सीरीज में होगी अर्जुन रामपाल व अदिति की जोड़ी

अर्जुन की कई फिल्में हैं रिलीज की कतार में। इंस्टाग्राम - @rampal72

पिछले साल रिलीज पंजाबी संगीतकार और गायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक की सफलता के बाद इम्तियाज अली अब अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं। खबर है कि वह रोमांटिक ड्रामा सीरीज बनाने की तैयारी में हैं जिसमें अर्जुन रामपाल और अदिति राव हैदरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। शो का अस्थायी शीर्षक ओ साथी रे रखा गया है। इसका निर्देशन इम्तियाज के भाई साजिद अली करेंगे, जिसमें इम्तियाज लेखक और शोरनर के रूप में काम करेंगे। साजिद ने अविनाश तिवारी और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म लैला मजनू का निर्देशन किया था। इम्तियाज अपने बैनर विंडो सीट फिल्म्स के तहत इस सीरीज का निर्माण भी कर रहे हैं। खबरें हैं कि यह एक विवाहेतर संबंध के इर्द-गिर्द केंद्रित कहानी होगी। अर्जुन रामपाल और अदिति राव हैदरी की जोड़ी पहली बार एकसाथ नजर आएगी। इसकी शूटिंग अगले महीने आरंभ होगी। यह रोमांटिक सीरीज पिछले साल अभिनेता सिद्धार्थ से शादी के बाद अदिति राव हैदरी का पहला प्रोजेक्ट होगा। वहीं अर्जुन वर्तमान में रणवीर सिंह के साथ आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर, धुरंधर की शूटिंग कर रहे हैं और आने वाले महीनों में उनकी पांच फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्मों में दिलजीत दोसांझ के साथ पंजाब 95, अब्बास-मस्तान की 3 मंकीज और पेंटहाउस, सोनाक्षी सिन्हा के साथ निकिता राय एंड द बुक आफ डार्कनेस और ऐतिहासिक ड्रामा द बैटल आफ भीमा कोरेगांव शामिल हैं।

जब नीना गुप्ता को बिल्डर ने लौटा दिए थे पूरे पैसे

अपनी निजी जिंदगी को लेकर अभिनेत्री नीना गुप्ता सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी आंटी ने रातोंरात घर से निकाल दिया था। नीना के अनुसार मुंबई में मेरे पापा ने मुंबई में वन रूम किचन खरीदने में मदद की थी। मैंने थोड़ा कमाया भी था, तब तक खानदान धारावाहिक आ गया था। मैंने अपने फ्लैट को बेचकर लोखंडवाला में निर्माणाधीन बिल्डिंग में तीन बेड रूम फ्लैट बुक किया था। उसके बाद मैं अपनी आंटी के घर चली गई, जहां मैं पहले रहती थी। मुझे लगता था कि मैं वहां ज्यादातर समय बिताती हूं और बस सोने के लिए अपने घर वापस आती हूं। तब मसाबा छोटी थी, मेरी आंटी बच्चे की देखभाल में मदद करती थीं। लेकिन एक दिन, उन्होंने मुझे आधी रात को घर से निकाल दिया। मेरे पास पैसे नहीं बचे थे। सब फ्लैट में लगा दिए थे। दोस्तों ने कहा मेरे पास आ जाओ। उन्होंने आगे बताया कि फिर अंकल को बुरा लगा। उन्होंने मुझे जुहू में अपनी सास के घर में शिफ्ट कर दिया, जो 20 वर्षों से बंद था। मैं वहां गई और मैंने एक छोटे बच्चे के साथ उस घर की सफाई की। कुछ दिनों बाद वहां से भी भगा दिया। मैं बिल्डर के पास गई उसे पूरी कहानी बताई। पूछा क्या मुझे मेरे पैसे वापस मिल सकते हैं? उसने बिना एक रुपये काटे पूरे पैसे वापस कर दिए। नीना आगामी दिनों में पंचायत 4 में नजर आएंगी।

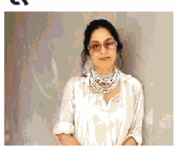

आगामी दिनों में नीना पंचायत 4 में नजर आएंगी। इंस्टाग्राम - @neena_gupta

अपने राज को ढूंढने के लिए ट्रेन में किताबें ले जाती थीं अमीषा

फिल्मों की कहानियों, उनके किरदारों और गानों का असर दर्शकों पर रह जाता है। तभी तो रोमांस के किंग कहे जाने वाले अभिनेता शाह रुख खान के किरदार राज की तलाश में निकल पड़ी थीं अभिनेत्री अमीषा पटेल। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे में शाह रुख ने राज का रोल निभाया था। फिल्म में उनकी मुलाकात काजोल के पात्र सिमरन से एक ट्रेन में होती है, जहां वह उन्हें इग्नोर करने के लिए किताब पढ़ने लग जाती है। आगे चलकर राज और सिमरन के बीच प्यार हो जाता है।

अमीषा इस फिल्म और राज के किरदार के साथ इतनी प्यार में थीं कि वह भी ट्रेन में सिमरन की तरह किताबें लेकर निकल जाती थीं। एक किस्सा सुनाते हुए अमीषा कहती हैं कि मैं जब बास्टन में यूनिवर्सिटी में पढ़ा करती थी, तो शाह रुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया देखी थी। वह मेरे पसंदीदा कलाकार बन गए थे। जब मैं वहां ट्रेन से एक शहर से दूसरे शहर जाती थी, तो अपने साथ कई किताबें ले जाती थी कि किताब पढ़ते-पढ़ते मुझे भी शायद कोई राज मिल जाएगा, जैसे काजोल को मिल गया था। जब अमीषा से पूछा गया कि कौन सी ऐसी फिल्म है, जिसे देखकर उन्हें लगता है कि काश मैं इसका हिस्सा होती? इस पर अमीषा झट से कहती हैं कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे।

शाह रुख की फिल्म की दीवानी थीं अमीषा पटेल। फाइल

अंतरराष्ट्रीय गुब्बारा महोत्सव

तमिलनाडु के मामल्लपुरम में 10वें अंतरराष्ट्रीय गुब्बारा महोत्सव में बैलून को देखतीं छात्राएं। इस महोत्सव में गुब्बारों के साथ-साथ कई और गतिविधियां भी होती हैं। इस महोत्सव में खाद्य स्टाल, खेल, पतंग बनाने की कार्यशालाएं, बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं और संगीत के कार्यक्रम होते हैं। इस महोत्सव के जरिये तमिलनाडु की सांस्कृतिक समृद्धि और साहसिक भावना को दिखाया जाता है। प्रेट्र

फिल्म को लेकर मनोज बाजपेयी ने पूछे सवाल

द फैमिली मैन 3 की शूटिंग मनोज ने कर ली है पूरी। फाइल

इंटरनेट मीडिया के अपने फायदे-नुकसान दोनों हैं। कई बार वहां सितारे अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर जवाब देने से बचते हैं, तो वहीं पेशेवर जिंदगी से जुड़े सवालों के जवाब दे देते हैं, कोई अफवाह हो, तो उस पर भी सवाल उठा देते हैं। ऐसा ही सवाल कर लिया अभिनेता मनोज बाजपेयी ने एक्स पर, जब उन्हें पता चला कि उनके और अभिनेता के के मेनन के एकसाथ फिल्मकार नीरज पांडे के फिल्म में काम करने की खबरें हैं। इस पर पहले तो मनोज ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'हाहाहाहा, कहां से यह खबरें शुरू होती हैं भाई?' फिर उसके कुछ देर बाद उस खबर को साझा करते हुए उन्होंने सवाल पूछा, 'कब हुआ ये? कहीं न कहीं मनोज ने इस पोस्ट के जरिए बता दिया है कि वह के के मेनन के साथ फिल्म नहीं कर रहे हैं। इस बात से जहां मनोज और मेनन के प्रशंसक थोड़े से निराश नजर आए, तो वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर आकर यह करने का तरीका अच्छा है। एक यूजर ने लिखा, 'और भी सितारों को ऐसे आगे आकर जो भी अफवाहें उनके बारे में चल रही हैं, उनके बारे में बात करनी चाहिए।' उल्लेखनीय है कि के के और मनोज ने साल 2016 में सात उचक्के फिल्म में साथ काम किया था।

****